सच, सिर्फ सच

**

वॉयस ऑफ लखनऊ

शनिवार, 12 सितम्बर , 2026 लखनऊ, महानगर, वर्ष 22, अंक 64, पेज 12, 3.50 रुपये

www.facebook.com/volepaper voiceoflucknow@gmail.com www.voiceoflucknow.com

सेंसेक्स में 121 अंकों की गिरावट

घरेलू शेयर बाजार कारोबार के दौरान करीब एक प्रतिशत तक गिरने के बाद संभल गए और सेंसेक्स 120.83 अंक यानी 0.16 प्रतिशत गिरकर 74,781.76 अंक पर बंद हुआ। } 10

पारदर्शी व्यापार व निवेश सुनिश्चित करे ब्रिक्स

विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने कहा कि ब्रिक्स देशों को व्यापार एवं निवेश संबंधी पारदर्शी व्यवस्था सुनिश्चित कर आर्थिक चुनौतियों से निपटने की दिशा में काम करना चाहिए। } 12

देशव्यापी हड़ताल से बैंकिंग सेवाएं प्रभावित

पांच-दिवसीय कार्य सप्ताह तत्काल लागू करने की मांग को लेकर कामकाज ठप

एजेंसी

नयी दिल्ली। यूनाइटेड फोरम ऑफ बैंक यूनियंस (यूएफबीयू) की देशव्यापी हड़ताल के कारण शुक्रवार को सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों की सेवाएं प्रभावित हुईं। कर्मचारी संगठनों ने पांच-दिवसीय कार्य सप्ताह तत्काल लागू करने और वेतन संबंधी लंबित मुद्दों के समाधान की मांग को लेकर हड़ताल का आह्वान किया था।

हड़ताल के कारण देशभर में सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों की अधिकतर शाखाएं पूरी तरह या आंशिक रूप से बंद रहीं। नकद जमा और निकासी, चेक निपटान तथा प्रशासनिक कामकाज जैसी सेवाएं प्रभावित हुईं। हालांकि, यूपीआई और इंटरनेट बैंकिंग समेत डिजिटल बैंकिंग सेवाएं सामान्य रूप से चलती रहीं। हालांकि, निजी क्षेत्र के बैंकों के कामकाज पर इस हड़ताल का असर नहीं पड़ा। यूएफबीयू सात बैंक यूनियनों का शीर्ष संगठन है और बैंक अधिकारियों एवं कर्मचारियों की कुल संख्या के करीब 90 प्रतिशत का प्रतिनिधित्व करता है। मध्य प्रदेश, झारखंड, जम्मू-कश्मीर और हिमाचल प्रदेश समेत विभिन्न हिस्सों से बैंक शाखाओं में कामकाज प्रभावित होने की खबरें ...शेष पृष्ठ 10 पर

खराब सड़कों की तत्काल करायी जाये मरम्मत : योगी

आगामी पर्व-त्योहारों से पहले 681 प्रमुख मार्गों को करें गड्ढामुक्त, 9 विभागों के 4.36 लाख किमी मार्गों की सीएम ने की समीक्षा

विशेष संवाददाता

लखनऊ मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बारिश और बाढ़ से खराब हुई सड़कों की तत्काल मरम्मत कर उन्हें आवागमन के योग्य बनाने और बरसात के बाद जरूरत के अनुसार उनका नवीनीकरण कराने के निर्देश दिए हैं।

शुक्रवार को लोक निर्माण विभाग की समीक्षा बैठक में उन्होंने कहा कि बारिश अभी जारी है, इसलिए सड़कों की स्थिति पर लगातार नजर रखी जाए और बारिश से नए क्षतिग्रस्त मार्गों का भी सर्वे कराया जाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि आगामी पर्व-त्योहारों में बड़ी संख्या में लोगों का आवागमन होगा। ऐसे में प्रमुख मार्गों पर आवागमन में किसी तरह की परेशानी नहीं होनी चाहिए। उन्होंने पर्वों से पहले आवश्यक मरम्मत और नवीनीकरण के काम पूरे करने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने स्पष्ट किया कि गड्ढामुक्ति का काम केवल पैचवर्क तक सीमित न रहे। जहां सड़क तत्काल खराब स्थिति में है, वहां उसे अभी मोटरेबल बनाया जाए और बरसात समाप्त होने के बाद जरूरत के अनुसार स्थायी नवीनीकरण कराया जाए।

बैठक में बताया गया कि अतिवृष्टि के साथ ही एक्सप्रेस-वे, राष्ट्रीय मार्ग, रेलवे आदि की निर्माणाधीन परियोजनाओं के कारण भारी वाहनों की आवाजाही से भी कई सड़कें क्षतिग्रस्त हुई हैं। इन मार्गों का विभागवार सर्वे कराया जा रहा है। सर्वे के आधार पर क्षतिग्रस्त सड़कों को चिन्हित कर गड्ढामुक्ति के विभागवार लक्ष्य तय किए जाएंगे। आगामी पर्वों को देखते हुए प्रदेश में 681 महत्वपूर्ण मार्ग चिन्हित किए गए हैं। इनमें गणेश चतुर्थी, विश्वकर्मा पूजा, नवरात्रि, दीपावली, छठ पूजा और कार्तिक पूर्णिमा जैसे प्रमुख पर्वों के दौरान अधिक आवागमन वाले मार्ग शामिल हैं। इन मार्गों को प्राथमिकता के आधार पर बेहतर स्थिति में रखने की तैयारी है। मुख्यमंत्री ने केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय के अधिकारियों से भी उनकी कार्ययोजना की जानकारी ली। साथ ही मंडी परिषद, पंचायती राज, सिंचाई, ग्राम्य विकास, नगर विकास, आवास ...शेष पृष्ठ 10 पर

संक्षेप

व्यापारी की हत्या मामले में थानाध्यक्ष समेत तीन निलंबित

गोंडा। 45 वर्षीय व्यापारी की हत्या के मामले में कथित लापरवाही और कर्तव्य में कोताही बरतने के आरोप में थाना प्रभारी समेत तीन पुलिसकर्मियों को निलंबित कर दिया गया है। पुलिस अधीक्षक अभिषेक ने बताया कि परसपुर के थानाध्यक्ष उप निरीक्षक कमला शंकर चतुर्वेदी, शाहपुर चौकी प्रभारी उपनिरीक्षक अंकित सिंह और आरक्षी अभिमन्यु भारती को ड्यूटी में लापरवाही बरतने के कारण तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है। उनके खिलाफ विभागीय जांच भी शुरू कर दी गई है। कोंडरे थाना प्रभारी कृष्ण गोपाल राय को परसपुर थाने का नया थाना प्रभारी नियुक्त किया गया है। मामले में तीसरे आरोपी आकाश सिंह को भी गिरफ्तार कर लिया गया है। यह कार्रवाई विनोद कुमार साहनी की मौत के बाद की गई। अधिकारियों बताया कि परसपुर क्षेत्र के रेक्सड़िया गांव निवासी साहनी की शाहपुर बाजार में बर्तन की दुकान थी और बुधवार शाम सोशल मीडिया पर किए गए पोस्ट को लेकर विवाद के बाद कुछ लोगों ने कथित तौर पर उन पर हमला कर दिया था।

यूपी में बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में बचाव अभियान जारी

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में लगातार बारिश एवं बाढ़ के बीच जिला प्रशासन, प्रभावित क्षेत्रों में निगरानी के साथ बचाव अभियान, भोजन वितरण, राहत शिविर, चिकित्सा सेवाओं और आवश्यक सामग्री की व्यवस्था कर रहा है। एक बयान में इसकी जानकारी दी गयी है। राहत आयुक्त कार्यालय से जारी एक बयान में कहा गया है कि बृहस्पतिवार को आठ हजार लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया, अब तक 21,350 लोगों को सुरक्षित स्थानों पर ले जाया जा चुका है। इसमें कहा गया है कि बचाव कार्य में 2,385 नाव और मोटरबोट लगाई गई हैं। राहत शिविरों में 2,972 लोग रह रहे हैं। बयान के अनुसार बाढ़ प्रभावित परिवारों के लिए बृहस्पतिवार को 72,620 लंच पैकेट और 9,937 राहत किट वितरित किए गए हैं।

आज का मौसम

अधिकतम	:	35.06 डिसे.
न्यूनतम	:	26.04 डिसे.

भीतर पढ़ें

- 1,600 करोड़ से मजबूत होगा मेडिकल इंफ्रास्ट्रक्चर (पृष्ठ-02)
- भारत विश्व का सबसे बड़ा लोकतंत्र : महाना (पृष्ठ-02)
- कर्मचारियों की हड़ताल से बैंक सेवाओं पर असर (पृष्ठ-10)
- भारत को विकसित देश बनने के लिए वृद्धि जरूरी (पृष्ठ-10)
- रुपया पांच पैसे टूटकर 95.57 प्रति डॉलर पर (पृष्ठ-10)

ब्रिक्स सम्मेलन में भारत का दबदबा

पीएम मोदी ने उठाया वैश्विक व्यापार को बढ़ावा देने के लिए नौवहन की स्वतंत्रता व नाविकों की सुरक्षा का मुद्दा

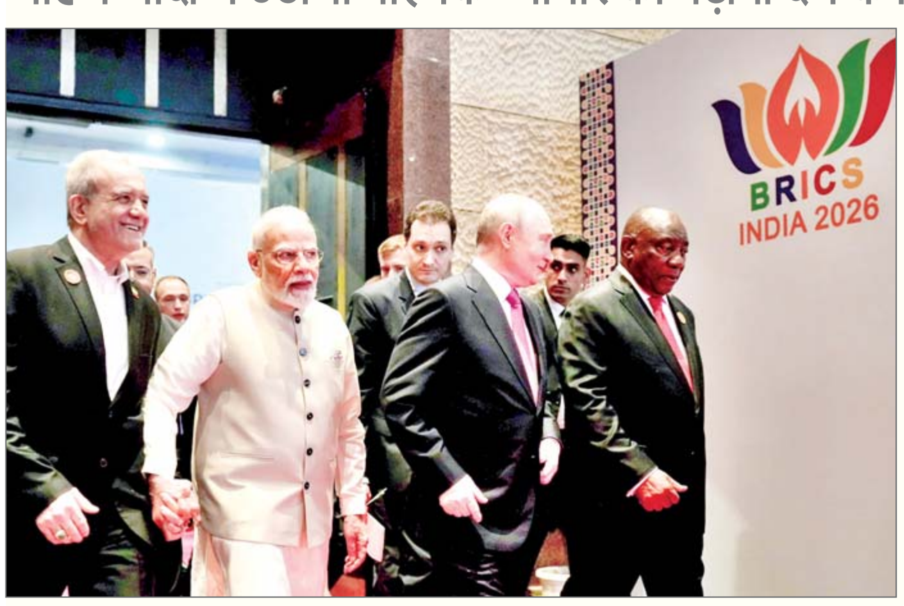

एजेंसी

नयी दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शुक्रवार को वैश्विक व्यापार को बढ़ावा देने के लिए नौवहन की स्वतंत्रता और नाविकों की सुरक्षा का आह्वान किया। उन्होंने यहां कहा, वैश्विक व्यापार तभी आगे बढ़ सकता है जब समुद्री मार्ग सुरक्षित हों, आपूर्ति मार्ग खुले रहें और नाविक सुरक्षित हों। यही वजह है कि भारत नौवहन की स्वतंत्रता और नाविकों की सुरक्षा का पुरजोर समर्थक है। मोदी ने ब्रिक्स बिजनेस फोरम को संबोधित करते हुए इस समूह से अपनी शीर्ष 10 व्यापार बाधाओं की पहचान कर उन्हें दूर करने, हर साल 100 ब्रिक्स स्टार्टअप को अन्य सदस्य बाजारों में विस्तार देने और सालाना 1,000 नई व्यावसायिक साझेदारियां बनाने का आग्रह किया।

प्रधानमंत्री ने कहा कि दो लाख से अधिक पंजीकृत स्टार्टअप और 120 यूनिकॉर्न (एक अरब डॉलर से अधिक मूल्यांकन वाले स्टार्टअप) के साथ भारत समाधानों का एक वैश्विक केंद्र बन रहा है। मोदी ने कहा कि वैश्विक अनिश्चितताओं के बीच भारत वृद्धि और स्थिरता के लिए विश्वास का स्रोत है। उन्होंने कहा कि ऐसे समय में जब दुनिया भर में व्यापार बाधाएं बढ़ रही हैं, भारत आर्थिक सेतुओं का निर्माण कर रहा है। यह टिप्पणी ऐसे समय में आई है, जब दो क्षेत्रों में युद्ध और भू-राजनीतिक संघर्ष महत्वपूर्ण समुद्री मार्गों से ऊर्जा और अन्य व्यापार को बाधित कर रहे हैं, जिससे कीमतें बढ़ रही हैं और आपूर्ति शृंखलाएं प्रभावित हो रही हैं। अमेरिका-ईरान संघर्ष के दौरान भारतीय जहाजों पर हमले हुए हैं और देश के नाविकों का समुद्री लुटेरों द्वारा अपहरण किया गया है। उन्होंने ब्रिक्स व्यापार परिषद से 10 व्यापार बाधाओं को दूर करने पर एक रिपोर्ट तैयार करने और हर साल 100 ब्रिक्स स्टार्टअप को विस्तार देने के लिए समर्थन देने का आग्रह किया। मोदी ने परिषद से 1,000 नई साझेदारियां विकसित करने का भी अनुरोध किया। उन्होंने कहा कि इन पैमानों पर हमें हर साल प्रगति की समीक्षा करनी होगी। मोदी ने विस्तारित ब्रिक्स समूह के पैमाने को रेखांकित करते हुए कहा कि सदस्य देश और साझेदार अब दुनिया की लगभग आधी आबादी, वैश्विक जीडीपी के 40 प्रतिशत और वैश्विक व्यापार के एक चौथाई से अधिक का प्रतिनिधित्व करते हैं। पिछले दो दशकों में ब्रिक्स अर्थव्यवस्थाओं की संयुक्त जीडीपी लगभग साढ़े चार गुना बढ़ी है, जबकि वैश्विक जीडीपी में लगभग ढाई गुना की वृद्धि हुई है। मोदी ने भारत में बुनियादी ढांचे और रणनीतिक प्रौद्योगिकियों के विकास पर खासतौर से जोर दिया। उन्होंने सड़कों, रेलवे, बंदरगाहों और हवाई अड्डों के तेजी से विस्तार के साथ-साथ जहाज निर्माण, क्वांटम ...शेष पृष्ठ 10 पर

पीएम मोदी-राष्ट्रपति पुतिन ने कई मुद्दों पर की चर्चा

एजेंसी

नयी दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शुक्रवार को रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के साथ वार्ता के दौरान काला सागर में भारतीय नाविकों की सुरक्षा का मुद्दा उठाया। उन्होंने यूक्रेन युद्ध को समाप्त करने के लिए किसी भी शांति पहल का समर्थन करने की भारत की तत्परता दोहराई। दोनों नेताओं ने बढ़ते भू-राजनीतिक तनाव के बीच द्विपक्षीय व्यापार संबंधों को और मजबूत करने पर भी सहमति जताई।

दोनों नेताओं ने वर्ष 2030 तक वार्षिक द्विपक्षीय व्यापार को बढ़ाकर 100 अरब डॉलर तक पहुंचाने तथा रक्षा, ऊर्जा और महत्वपूर्ण खनिजों के क्षेत्र में सहयोग को और मजबूत करने पर ध्यान केंद्रित ...शेष पृष्ठ 10 पर

भारत की शिल्प परंपरा को मिला वैश्विक मंच

नई दिल्ली। केंद्र सरकार की एक ज़िला- एक उत्पाद पहल के तहत ब्रिक्स शिखर सम्मेलन के दौरान आयोजित प्रदर्शनी में विदेशी मेहमानों के सामने भारत की विविध कलाओं, हथकरघा और शिल्प कलाओं का प्रदर्शन किया गया जिसमें ब्रिक्स देशों से आए मेहमानों ने काफी रुचि दिखाई।

18वें ब्रिक्स शिखर सम्मेलन के आयोजन स्थल भारतमंडपम में एक ज़िला- एक उत्पाद प्रदर्शनी आयोजित की जा रही है, जिसमें भारत के विविध हथकरघा, टेक्सटाइल और अन्य स्थानीय उत्पादों को प्रदर्शित किया गया है। अधिकारियों ने कहा कि इस प्रदर्शनी का मकसद ...शेष पृष्ठ 10 पर

ब्रिक्स में निवेश के लिए नये मंच का प्रस्ताव

लॉजिस्टिक व प्रौद्योगिकी से जुड़ी परियोजनाओं के लिए वित्तपोषण की जरूरत : पुतिन

एजेंसी

नयी दिल्ली। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने शुक्रवार को ब्रिक्स देशों के बीच व्यापार, बुनियादी ढांचे, लॉजिस्टिक और प्रौद्योगिकी से जुड़ी परियोजनाओं के वित्तपोषण के लिए एक नया निवेश मंच बनाने का प्रस्ताव रखा और कहा कि समूह का बढ़ता आर्थिक सहयोग किसी के भी खिलाफ नहीं है। पुतिन ने ब्रिक्स शिखर सम्मेलन से पहले सदस्य देशों के उद्योग प्रमुखों की बैठक को संबोधित करते हुए कहा कि प्रस्तावित निवेश मंच का आधार नव विकास बैंक हो सकता है और इसका उद्देश्य निजी क्षेत्र से वित्त जुटाकर ब्रिक्स अर्थव्यवस्थाओं को अधिक प्रतिस्पर्धी बनाना होगा।

उन्होंने कहा हमें वित्तपोषण की जरूरत है। साथ ही उन्होंने उम्मीद जताई कि ब्रिक्स के अन्य सदस्य इस पहल का समर्थन करेंगे। पुतिन ने कहा कि रूस आर्कटिक परिवहन गलियारे और उत्तर-दक्षिण परिवहन गलियारे सहित बुनियादी ढांचे तथा लॉजिस्टिक परियोजनाओं पर साझेदारों के साथ काम करने के लिए तैयार है। उन्होंने प्रौद्योगिकी, कृत्रिम मेधा (एआई), मानव-रहित परिवहन, वित्त, पर्यटन और उद्योग के क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने की भी बात कही। पुतिन ने कहा कि ब्रिक्स दुनिया के साथ व्यापक सहयोग के लिए खुला है। उन्होंने कहा हम किसी के खिलाफ नहीं हैं। हम अपने हितों के पक्ष में हैं। रूसी राष्ट्रपति ने कहा कि पिछले पांच वर्षों में वैश्विक सकल घरेलू उत्पाद ...शेष पृष्ठ 10 पर

वैश्विक व्यापार विवाद व क्षेत्रीय संकट का हल तलाशेंगे समूह के नेता

नयी दिल्ली। विश्व में व्यापार विवादों और भू-राजनीतिक उथल-पुथल से पैदा हो रही आर्थिक चुनौतियों के बीच, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, चीन के राष्ट्रपति शी चिनफिंग, रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और ब्रिक्स देशों के अन्य नेता भारत की मेजबानी में हो रहे शिखर सम्मेलन के लिए यहां शनिवार को जुटेंगे।

शिखर सम्मेलन के दौरान वे वैश्विक चुनौतियों से निपटने पर चर्चा करेंगे, जिनमें यूक्रेन और पश्चिम एशिया में जारी संघर्षों के असर से विकासशील अर्थव्यवस्थाओं को बचाने जैसे मुद्दे शामिल हैं। एक रणनीतिक संतुलन बनाते हुए, भारत इस दो-दिवसीय सालाना शिखर सम्मेलन का उपयोग इस समूह को आर्थिक विकास ...शेष पृष्ठ 10 पर

पीएम मोदी व ईरानी राष्ट्रपति पेजेश्कियान के बीच वार्ता

एजेंसी

नयी दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शुक्रवार को ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेश्कियान के साथ वार्ता की। इस दौरान पश्चिम एशिया की मौजूदा स्थिति की समीक्षा करने और द्विपक्षीय संबंधों के विस्तार की दिशा तय करने पर चर्चा हुई। दोनों नेताओं की दो सप्ताह से भी कम समय में यह दूसरी मुलाकात है। ईरान के राष्ट्रपति के ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में हिस्सा लेने के लिए राष्ट्रीय राजधानी पहुंचने के कुछ घंटे बाद यह वार्ता ...शेष पृष्ठ 10 पर

विशेष खबर योगी सरकार ने शुरू किये धारा 116, ईडब्ल्यूएस व सरलीकृत खतौनी पोर्टल, भूमि विभाजन के लिए ऑनलाइन आवेदन

जमीन बंटवारे से लेकर ईडब्ल्यूएस प्रमाण-पत्र बनवाना आसान

विशेष संवाददाता

लखनऊ। जमीन के बंटवारे, नामांतरण, पैमाइश और अन्य राजस्व संबंधी कामों के लिए अब लोगों को सरकारी दफ्तरों के चक्कर कम लगाने पड़ेंगे। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर राजस्व परिषद ने शुक्रवार को धारा 116 पोर्टल, एहर पोर्टल और सरलीकृत खतौनी पोर्टल शुरू किए। इन डिजिटल सेवाओं के जरिए आवेदन से लेकर निस्तारण तक की प्रक्रिया को ऑनलाइन और ट्रैक करने योग्य बनाया गया है। राजस्व परिषद की अध्यक्ष अर्चना अग्रवाल ने बताया कि सरकार का उद्देश्य राजस्व सेवाओं को आम नागरिक के लिए आसान, पारदर्शी और समयबद्ध बनाना है। नए पोर्टलों के जरिए कागजी प्रक्रिया कम करने के साथ अधिकारियों की जवाबदेही भी तय की जाएगी। कार्यक्रम में ट्रेनी पीसीएस अधिकारी भी मौजूद रहे। उत्तर प्रदेश राजस्व संहिता की धारा 116 के तहत सह-खातेदार भूमि के विभाजन से जुड़े मामलों के लिए नया पोर्टल शुरू किया गया है। अब सह-खातेदार ऑनलाइन विभाजन वाद दाखिल कर सकेंगे। इससे लोगों को आवेदन के लिए बार-बार तहसील और अन्य कार्यालयों के चक्कर लगाने की जरूरत कम होगी। आवेदन के बाद नोटिस और उद्घोषणा की प्रक्रिया भी डिजिटल माध्यम से संचालित की जा सकेगी। संबंधित लेखपाल की रिपोर्ट पोर्टल पर उपलब्ध होगी और प्रकरण की प्रगति को अलग-अलग स्तरों पर ऑनलाइन मॉनिटर किया जा सकेगा। पोर्टल में जीआईएस तकनीक को भी जोड़ा गया है। इससे भूमि की वास्तविक भौगोलिक स्थिति और मौके से जुड़े विवरण को देखने में सुविधा होगी। न्यायालय और फील्ड स्तर के राजस्व अधिकारियों के बीच भी बेहतर समन्वय स्थापित होने की उम्मीद है। आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग यानी ईडब्ल्यूएस के पात्र नागरिकों के लिए भी प्रक्रिया आसान ...शेष पृष्ठ 10 पर

किसी मामले का दोबारा संज्ञान नहीं ले सकता न्यायिक मजिस्ट्रेट : हाईकोर्ट

विधि संवाददाता

> आरोपों की धाराओं को जोड़ने या घटाने का भी अधिकार नहीं

लखनऊ। इलाहाबाद हाईकोर्ट की लखनऊ खंडपीठ ने महत्वपूर्ण आदेश में स्पष्ट किया है कि किसी मामले में एक बार संज्ञान लेने के बाद न्यायिक मजिस्ट्रेट उसी मामले में दोबारा संज्ञान नहीं ले सकता। बाद में दाखिल प्रोटेस्ट अर्जी के आधार पर पहले लिए गए संज्ञान आदेश को दोबारा खोलना या उसमें संशोधन करना भी कानूनन स्वीकार्य नहीं है।

कोर्ट ने यह भी स्पष्ट किया कि संज्ञान लेते समय न्यायिक मजिस्ट्रेट आरोपों की धाराओं को जोड़ या घटा नहीं सकता। यह फैसला न्यायमूर्ति श्री प्रकाश सिंह ने गोंडा के मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट द्वारा 22 मई 2026 को पारित आदेश को निरस्त करते हुए दिया। कोर्ट ने कहा कि प्रोटेस्ट अर्जी को पहले के संज्ञान आदेश की समीक्षा या पुनर्विचार का माध्यम नहीं बनाया जा सकता। मामला गोंडा के नवाबगंज थाने में दर्ज वर्ष 2025 के मुकदमे से जुड़ा था। एफआईआर में अखिलेश सिंह, शेखर सिंह और अल्पना सिंह को अभियुक्त बनाया गया था। विवेचना के बाद पुलिस ने अखिलेश सिंह और शेखर सिंह के खिलाफ आरोपपत्र दाखिल किया, जबकि अल्पना सिंह के पक्ष में अंतिम रिपोर्ट लगाई गई।

1,600 करोड़ से यूपी में मजबूत होगा मेडिकल इंफ्रास्ट्रक्चर

44 परियोजनाओं का होगा शिलान्यास, 21 तैयार परियोजनाएं होंगी जनता को समर्पित, लखनऊ में 855 करोड़ से बनेगा 1,010 बेड का अस्पताल

विशेष संवाददाता (vol)

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में मेडिकल शिक्षा के विस्तार के बाद अब योगी सरकार चिकित्सा संस्थानों के इंफ्रास्ट्रक्चर और मरीजों की सुविधाओं को नई रफ्तार देने जा रही है। चिकित्सा शिक्षा विभाग के तहत प्रदेश के विभिन्न मेडिकल कॉलेजों और चिकित्सा संस्थानों में 1,606.83 करोड़ रुपये की 65 परियोजनाएं शिलान्यास और लोकार्पण के लिए तैयार हैं। इनमें 1,400.70 करोड़ रुपये की 44 परियोजनाएं शिलान्यास और 206.13 करोड़ रुपये की 21 परियोजनाएं लोकार्पण के लिए तैयार हैं।

इन परियोजनाओं का दायरा सिर्फ नए भवनों के निर्माण तक सीमित नहीं है। मेडिकल कॉलेजों में बढ़ी सीटों के अनुरूप हॉस्टल, लेक्चर थिएटर और परीक्षा भवन से लेकर नर्सिंग कॉलेज, ट्रॉमा सेंटर, एमसीएच सेंटर, संक्रामक रोग अस्पताल, ट्रांसप्लांट यूनिट, सीवरेज, जलापूर्ति और फायर सेफ्टी जैसी सुविधाओं का भी विस्तार किया जाएगा। यानी मेडिकल शिक्षा के साथ अस्पतालों और कैंपस के पूरे सपोर्ट इंफ्रास्ट्रक्चर को मजबूत करने की तैयारी है। प्रस्तावित परियोजनाओं में सबसे बड़ी परियोजना लखनऊ के डॉ. राम मनोहर लोहिया आयुर्विज्ञान संस्थान की है। गोमतीनगर विस्तार स्थित नए परिसर में बेसमेंट के ऊपर 1,010 बेड के अस्पताल भवन का निर्माण करीब 855.04 करोड़ रुपये की लागत से प्रस्तावित है। इससे राजधानी में आधुनिक चिकित्सा सुविधाओं की क्षमता में बड़ा इजाफा होगा। गोरखपुर मेडिकल कॉलेज में करीब 43.68 करोड़ रुपये से बहुमंजिला रोगी सहायक आधुनिक कैंटीन बनाई जाएगी। कानपुर मेडिकल कॉलेज एवं संबद्ध चिकित्सालयों में नए जनरेटर के साथ करीब 49.40 करोड़ रुपये की लागत से संक्रामक रोग अस्पताल के निर्माण की तैयारी है। मेरठ मेडिकल कॉलेज में चिकित्सा सुविधाओं के साथ कैंपस इंफ्रास्ट्रक्चर को भी मजबूत किया जाएगा। मौजूदा लेवल-2 ट्रॉमा सेंटर को 100 बेड के लेवल-1 ट्रॉमा सेंटर** में विकसित करने पर करीब 48.15 करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे।

बाल रोग विभाग में एमसीएच सेंटर के निर्माण पर करीब 34.82 करोड़ रुपये खर्च प्रस्तावित हैं। इसके अलावा सीवरेज, महिला और पुरुष पीजी छात्रावास, जलापूर्ति, 10 एमएलडी एसटीपी और बिजली जैसी मूलभूत सुविधाओं को भी मजबूत किया जाएगा। मेडिकल सीटों में वृद्धि के अनुरूप छात्र-छात्राओं के लिए आवासीय और शैक्षणिक सुविधाओं का विस्तार भी किया जा रहा है। झांसी मेडिकल कॉलेज में एमबीबीएस यूजी सीटों में वृद्धि को देखते हुए लेक्चर थिएटर, वातानुकूलित पुस्तकालय, कॉन्फ्रेंस हॉल, कैफेटेरिया और परीक्षा हॉल से जुड़े बहुमंजिला भवन के निर्माण पर करीब 28.44 करोड़ रुपये खर्च प्रस्तावित हैं। इसी कॉलेज में 272 बेड के यूजी बालिका छात्रावास के निर्माण पर करीब 26.89 करोड़ रुपये खर्च होंगे। एटा में छात्र-छात्राओं के हॉस्टल और अन्य आधारभूत सुविधाएं विकसित की जाएंगी। कुशीनगर में 100-100 बेड के बालिका और बालक छात्रावास के साथ एसटीपी का निर्माण प्रस्तावित है। अयोध्या मेडिकल कॉलेज में इंटर्न, यूजी छात्र और छात्राओं के लिए 100-100 बेड के हॉस्टल सहित अन्य निर्माण कार्य किए जाएंगे। प्रदेश में डॉक्टरों के साथ प्रशिक्षित नर्सिंग मानव संसाधन तैयार करने पर भी जोर दिया जा रहा है। गोंडा मेडिकल कॉलेज में करीब 9.93 करोड़ रुपये से नर्सिंग कॉलेज की स्थापना प्रस्तावित है। लोकार्पण के लिए तैयार परियोजनाओं में बहराइच, अयोध्या और हरदोई के स्वशासी राज्य चिकित्सा महाविद्यालयों के नर्सिंग कॉलेज शामिल हैं।

सहारनपुर मेडिकल कॉलेज में करीब 20.82 करोड़ रुपये की लागत से 60 सीट के बीएससी नर्सिंग कॉलेज और ग्रेटर नोएडा के राजकीय आयुर्विज्ञान संस्थान में भी करीब 20.82 करोड़ रुपये से कॉलेज ऑफ नर्सिंग की परियोजना शामिल है। परियोजनाओं में अस्पताल और कक्षाओं के साथ चिकित्सकों और मेडिकल छात्रों के लिए जरूरी सुविधाओं का भी विस्तार किया जा रहा है। जौनपुर मेडिकल कॉलेज में चिकित्सक आवास, छात्रावास, 200 क्षमता के दो व्याख्यान कक्ष, फैकल्टी पार्किंग, फायर फाइटिंग सिस्टम और गेस्ट हाउस जैसी सुविधाएं विकसित की जाएंगी। मिर्जापुर के मां विंध्यवासिनी स्वशासी राज्य चिकित्सा महाविद्यालय में छात्रों के लिए 160 और छात्राओं के लिए 140 क्षमता के हॉस्टल के साथ चार व्याख्यान कक्षों में ध्वनिरोधक कार्य प्रस्तावित है।

रागिनी से मिले सीएम, इलाज से पढ़ाई तक हर मदद का दिया भरोसा

- ट्राइसिकल के बाद अब ऑपरेशन, आवास और सड़क की भी होगी व्यवस्था
- रागिनी का वीडियो सामने आते ही मुख्यमंत्री ने लिया था संज्ञान, तत्काल उपलब्ध कराई गई थी ट्राइसिकल

लखनऊ। बलिया की सात वर्षीय दिव्यांग बेटी रागिनी ने शुक्रवार को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से मुलाकात की। मुख्यमंत्री ने रागिनी से आत्मीयता से बातचीत कर उसके स्वास्थ्य, पढ़ाई और परिवार की परिस्थितियों की जानकारी ली। उन्होंने रागिनी के बेहतर इलाज, ऑपरेशन का पूरा खर्च उठाने, पढ़ाई जारी रखने और परिवार को आवास उपलब्ध कराने का भरोसा दिया। मुलाकात के दौरान रागिनी के माता-पिता और बलिया की भाजपा विधायक केतकी सिंह भी मौजूद रहीं।

मनियर ब्लॉक की दिघेड़ा ग्रामसभा के रानीपुर गांव निवासी रागिनी प्राथमिक विद्यालय में कक्षा एक की छात्रा है। स्कूल आने-जाने में परेशानी को देखते हुए उसने ट्राइसिकल की मांग की थी। मुख्यमंत्री के निर्देश पर बलिया के जिलाधिकारी ने तत्काल कार्रवाई करते हुए रागिनी को दो ट्राइसिकल उपलब्ध कराई।

अब मुख्यमंत्री ने उसके इलाज और ऑपरेशन की व्यवस्था के साथ परिवार की आवास संबंधी जरूरत पूरी करने का भी भरोसा दिया है। रागिनी की मां बबिता ने मुख्यमंत्री से मुलाकात के बाद उनका आभार जताया। उन्होंने बताया कि उनकी बेटी के पैर में दिक्कत है और इसी समस्या को लेकर परिवार मुख्यमंत्री से मिलने पहुंचा था। मुख्यमंत्री ने रागिनी के इलाज का पूरा खर्च उठाने और ऑपरेशन की व्यवस्था कराने का भरोसा दिया। इसके साथ ही गांव की खराब सड़क को दुरुस्त कराने और ट्राइसिकल उपलब्ध कराने के लिए भी उन्होंने मुख्यमंत्री का धन्यवाद किया। रागिनी के पिता देवेंद्र ने बताया कि कई वर्ष पहले सड़क हादसे में उनकी बेटी के पैर में फ्रैक्चर हो गया था। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री ने इलाज के साथ-साथ आवास और पढ़ाई में भी मदद का भरोसा दिया है। परिवार ने मुख्यमंत्री से मुलाकात कराने में सहयोग के लिए विधायक केतकी सिंह का भी आभार जताया। विधायक केतकी सिंह ने कहा कि रागिनी का वीडियो सामने आने के बाद मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने स्वयं उसका संज्ञान लिया और जिलाधिकारी समेत संबंधित अधिकारियों को तत्काल आवश्यक व्यवस्था कराने के निर्देश दिए। उनके निर्देश पर रागिनी को ट्राइसिकल उपलब्ध कराई गई। उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री ने रागिनी के इलाज का पूरा खर्च सरकार द्वारा उठाने, ऑपरेशन की व्यवस्था कराने, परिवार को आवास उपलब्ध कराने और घर के पास की खराब सड़क को ठीक कराने का भरोसा दिया है।

रागिनी की पढ़ाई निर्बाध रूप से जारी रहे, इसके लिए भी हरसंभव मदद का आश्वासन दिया गया है। केतकी सिंह ने कहा कि रागिनी की मदद मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की संवेदनशील और त्वरित कार्यशैली का उदाहरण है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री तक किसी जरूरतमंद की समस्या पहुंचते ही उस पर तत्काल संज्ञान लिया जाता है और संबंधित अधिकारियों को कार्रवाई के निर्देश दिए जाते हैं। रागिनी और उसके परिवार ने मुख्यमंत्री की इस पहल के लिए आभार जताया। परिवार को उम्मीद है कि इलाज, आवास और शिक्षा के लिए मिली मदद से रागिनी की राह अब पहले से आसान होगी।

सेवा संकल्प अभियान के तहत प्रदेशभर में लगेंगे स्वास्थ्य शिविर: ब्रजेश पाठक

विशेष संवाददाता (vol)

- 17 सितंबर को रक्तदान और आशीर्वाद का दीपक कार्यक्रम, 25 सितंबर से 2 अक्टूबर तक लगेंगे शिविर
- बैठक में डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक ने चिकित्साधिकारियों को दिए निर्देश

लखनऊ। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिवस पर 17 सितंबर से 17 अक्टूबर तक संचालित होने वाले सेवा संकल्प अभियान को लेकर उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने शुक्रवार को आवास पर वर्चुअल बैठक की। उन्होंने स्वास्थ्य विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ अभियान के तहत आयोजित होने वाली विभिन्न गतिविधियों की तैयारियों की समीक्षा की और आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

उपमुख्यमंत्री ने कहा कि अभियान का उद्देश्य सेवा, स्वास्थ्य और जनकल्याण की भावना को जन-जन तक पहुंचाना है। उन्होंने कहा कि इस अभियान में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले चिकित्सा अधिकारियों, कर्मचारियों को सम्मानित भी किया जाएगा।

डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक ने बताया कि अभियान के अंतर्गत 17 सितंबर को सेवा दिवस के रूप में मनाया जाएगा। इस दिन प्रदेशभर में रक्तदान शिविर आयोजित किए जाएंगे। इसी दिन शाम 7 बजे प्रदेश की सभी स्वास्थ्य इकाइयों पर आशीर्वाद का दीपक प्रज्वलित किया जाएगा। इसके माध्यम से सेवा, समर्पण और जनकल्याण का संदेश जन-जन तक पहुंचाया जाएगा। वहीं, 25 सितंबर से 2 अक्टूबर तक पूरे प्रदेश में व्यापक स्वास्थ्य शिविर आयोजित किए जाएंगे।

इन शिविरों में आमजन को विभिन्न स्वास्थ्य सेवाओं, जांच सुविधाओं तथा स्वास्थ्य विभाग की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ उपलब्ध कराया जाएगा। वर्चुअल बैठक में राज्यमंत्री मयंकेश्वर शरण सिंह, मंत्री सोमेंद्र तोमर, उपाध्यक्ष, भाजपा, उत्तर प्रदेश कामेश्वर सिंह, प्रमुख सचिव (चिकित्सा एवं स्वास्थ्य) अमित कुमार घोष उपस्थित रहे।

शिक्षा जगत में विकसित भारत की संकल्पना को मिलेगा विस्तार

लखनऊ। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जनसेवा के 25 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में प्रस्तावित सेवा संकल्प अभियान को व्यापक जनभागीदारी का अभियान बनाने की दिशा में प्रदेश सरकार ने तैयारियां तेज कर दी हैं। इसी क्रम में लखनऊ स्थित आवास पर उच्च शिक्षा मंत्री योगेंद्र उपाध्याय, माध्यमिक शिक्षा राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) गुलाब देवी, बेसिक शिक्षा राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) संदीप सिंह, उच्च शिक्षा राज्यमंत्री रजनी तिवारी ने अपर मुख्य सचिव बेसिक एवं माध्यमिक शिक्षा पार्थ सारथी सेन शर्मा और महानिदेशक स्कूल शिक्षा मोनिका रानी सहित अन्य अधिकारियों के साथ अभियान की तैयारियों एवं आयोजन के संबंध में बैठक कर विस्तृत चर्चा की।

बैठक में उच्च शिक्षा, माध्यमिक शिक्षा और बेसिक शिक्षा विभागों के माध्यम से विद्यार्थियों, शिक्षकों, अभिभावकों तथा युवाओं को सेवा संकल्प अभियान से जोड़ने की कार्ययोजना पर विशेष जोर दिया गया। अभियान के अंतर्गत 25 करोड़ बच्चों के सपनों का भारत कार्यक्रम 17 सितंबर से 17 अक्टूबर तक आयोजित किया जाएगा। इस कार्यक्रम में माध्यमिक शिक्षा एवं बेसिक शिक्षा विभाग नोडल विभाग के रूप में कार्य करेंगे, जबकि स्थानीय जिला प्रशासन एवं जनप्रतिनिधियों की सहभागिता रहेगी। इसके तहत प्रदेश के प्रत्येक शासकीय एवं निजी विद्यालय में कक्षा 5 से 8 तक के विद्यार्थियों के लिए ड्राइंग तथा कक्षा 9 से 12 तक के विद्यार्थियों के लिए भाषण प्रतियोगिताएं आयोजित की जाएंगी। प्रतियोगिताओं का आयोजन विद्यालय एवं ब्लॉक स्तर से आगे जिला स्तर तक किया जाएगा। उत्कृष्ट ड्राइंग का चयन कर जिला स्तरीय प्रदर्शनी आयोजित होगी, जिसमें स्थानीय जनप्रतिनिधियों की उपस्थिति सुनिश्चित की जाएगी। इसके बाद राज्य स्तरीय भव्य प्रदर्शनी का आयोजन किया जाएगा, जिसमें मंत्रीगण भी उपस्थित रहेंगे।

अभियान में उच्च शिक्षा विभाग की भूमिका भी महत्वपूर्ण रहेगी। उच्च शिक्षण संस्थानों में युवाओं से संवाद कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे तथा विकसित भारत-विकसित उत्तर प्रदेश की थीम पर ड्राइंग, भाषण एवं अन्य रचनात्मक प्रतियोगिताओं के माध्यम से युवाओं की सहभागिता सुनिश्चित की जाएगी। इसका उद्देश्य विद्यार्थियों और युवाओं को देश के विकास की यात्रा से जोड़ते हुए उन्हें विकसित भारत के राष्ट्रीय संकल्प के प्रति जागरूक एवं सहभागी बनाना है। अभियान की कार्ययोजना में उच्च शिक्षा संस्थानों में युवाओं के साथ संवाद और प्रतियोगिताओं के आयोजन का उल्लेख किया गया है।

भाजपा सरकार में महंगाई, बेरोजगारी भ्रष्टाचार चरम पर: अखिलेश यादव

विशेष संवाददाता (vol)

लखनऊ। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा है कि भाजपा का आचरण लोकतंत्र विरोधी है। सरकार संविधान के खिलाफ काम कर रही है। सपा को बदनाम करने पर उतारू है। प्रदेश में दस साल से और दिल्ली की सत्ता में 13 साल से काबिज भाजपा सरकार पूरी तरह विफल हो गयी है। महंगाई, बेरोजगारी, भ्रष्टाचार चरम पर है। भाजपा सरकार की उपलब्धियां जीरो हैं। अपनी विफलता को छिपाने के लिए भाजपा झूठे और व्यक्तिगत आरोप लगा रही है। 2027 के विधानसभा चुनाव में हार के डर से अनर्गल आरोप लगा रहा है।

अखिलेश यादव शुक्रवार को पार्टी के प्रदेश मुख्यालय पर प्रदेश के विभिन्न जिलों से बड़ी संख्या में आए कार्यकर्ताओं एवं नेताओं को सम्बोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि भाजपा झूठ का प्रचार और प्रपंच करती है। उसे लोकतंत्र और संविधान पर विश्वास नहीं है। लोकतंत्र में भाजपा का यह आचरण घोर निन्दनीय है। सपा का लोकतंत्र और संविधान पर भरोसा है। सपा सबको साथ लेकर चलती है। सपा लोकतांत्रिक मूल्यों को समझती है। सपा कभी भाजपाइयों जैसा आचरण नहीं कर सकती है। सपा के कार्यकर्ता नेता और समर्थक संयम से रहें। अपनी भाषा, व्यवहार को मर्यादित रखें। उन्होंने कहा कि 2024 के लोकसभा चुनाव की हार से भाजपा की बौखलाहट बढ़ती जा रही है। भाजपा दुष्प्रचार करेगी। झूठी रील बनाएगी। विरोधियों को बदनाम करेगी। भाजपा किसी की सगी नहीं है। जनता भाजपा को समझ गयी है। भाजपा ने जनता का भरोसा खो दिया है। जनता ने 2027 में भाजपा को सत्ता से हटाने का फैसला कर लिया है। अब उसे सत्ता से बाहर जाना ही होगा। भाजपा सरकार से जो भी पीड़ित, दुःखी, अपमानित लोग हैं, समाजवादी पार्टी उनके साथ है।

एचपीवी टीकाकरण में प्रदेश ने 86.3 प्रतिशत लक्ष्य किया पूरा

- 23.26 लाख किशोरियों को लगाई गई एचपीवी वैक्सीन

लखनऊ। प्रदेश में 14 वर्ष आयु वर्ग की किशोरियों को सर्वाइकल कैंसर से बचाव के लिए चलाए जा रहे ह्यूमन पैपिलोमा वायरस (एचपीवी) टीकाकरण अभियान में अब तक 86.3 प्रतिशत लक्ष्य हासिल किया जा चुका है जबकि देश का 80 प्रतिशत लक्ष्य हासिल किया है। प्रदेश में 28 फरवरी से शुरू हुए अभियान के तहत 10 सितम्बर तक 23,26,580 किशोरियों का एचपीवी टीकाकरण किया जा चुका है।

अपर मुख्य सचिव अमित घोष ने बताया कि उत्तर प्रदेश में एचपीवी टीकाकरण अभियान को लेकर लगातार सकारात्मक प्रगति हो रही है। 10 सितम्बर तक प्रदेश में निर्धारित लक्ष्य के सापेक्ष 86.3 प्रतिशत किशोरियों का टीकाकरण किया जा चुका है। जिलों में भी बेहतर कवरेज देखने को मिल रहा है। हमारा प्रयास है कि शेष पात्र किशोरियों तक भी पहुंच बनाकर उनका टीकाकरण पूरा किया जाए। इसके लिए स्वास्थ्य विभाग की टीमें स्कूलों, स्वास्थ्य केंद्रों और समुदाय स्तर पर जागरूकता एवं टीकाकरण गतिविधियों को और मजबूत कर रही हैं। अभिभावकों से भी अपील है कि वे अपनी पात्र बेटियों को एचपीवी वैक्सीन जरूर लगवाएं और सर्वाइकल कैंसर से बचाव की दिशा में स्वास्थ्य विभाग के इस प्रयास में सहयोग करें।

मिशन निदेशक डा. पिंकी जोवेल ने कहा कि एचपीवी टीकाकरण अभियान में प्रदेश की अब तक की प्रगति उत्साहजनक है। राज्य प्रतिरक्षण अधिकारी डॉ. अजय गुप्ता ने बताया कि जिलों के प्रदर्शन की बात करें तो मुरादाबाद 99.6 प्रतिशत उपलब्धि के साथ प्रदेश में पहले स्थान पर है। इसके बाद कानपुर देहात 97.7 प्रतिशत, मैनपुरी 97.5 प्रतिशत, बागपत और औरैया 97 प्रतिशत उपलब्धि के साथ आगे हैं। रायबरेली में 95.5 प्रतिशत लक्ष्य पूरा हो चुका है, जबकि लखनऊ में 94.3 प्रतिशत उपलब्धि दर्ज की गयी है।

महिला स्पेशल रोजगार मेला में 175 अभ्यर्थियों का चयन

लखनऊ। राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान ने शुक्रवार को विवेकानंद हॉल में महिला स्पेशल रोजगार मेले का आयोजन किया। मेले का उद्घाटन विधायक लखनऊ उत्तरी डॉ. नीरज बोरा ने किया। उन्होंने कहा कि सरकार महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने के लिए कटिबद्ध है। उन्होंने प्रधानाचार्य राज कुमार यादव, प्लेसमेंट अधिकारी एमए खान एवं टीम की सराहना की। प्रधानाचार्य राज कुमार यादव ने बताया कि संस्थान प्रशिक्षण के साथ-साथ रोजगार एवं अप्रेंटिसशिप के अवसर उपलब्ध कराने के लिए निरंतर प्रयास कर रहा है, जिसके चलते लखनऊ प्लेसमेंट में विगत कई वर्षों से प्रथम स्थान पर है। प्लेसमेंट अधिकारी एम.ए. खान ने बताया कि मेले में चार प्रतिष्ठित कंपनियों ने प्रतिभाग किया। कुल 725 महिला अभ्यर्थियों ने प्रतिभाग किया, जिनमें 405 अर्ह पाई गईं। लिखित परीक्षा एवं साक्षात्कार के बाद हीरो मोटरकॉर्प में 50, एचयूएल में 50, एसबीआई लाइफ में 50 एवं अलमास एक्सप्रोटेस में 25 सहित कुल 175 अभ्यर्थियों का चयन हुआ।

आईटीआई में द्वितीय चरण के चयन परिणाम घोषित, आज से प्रवेश शुरू

लखनऊ। राज्य व्यावसायिक प्रशिक्षण परिषद, उत्तर प्रदेश, अलीगंज, लखनऊ द्वारा प्रदेश में संचालित राजकीय एवं निजी औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों (आईटीआई) में सत्र 2026 (छह माह), सत्र 2026-27 (एक वर्षीय) एवं सत्र 2026-28 (दो वर्षीय) के द्वितीय चरण के चयन परिणाम घोषित कर दिए गए हैं। प्रथम चरण के आवंटन के बाद उच्चीकरण का चयन परिणाम भी जारी किया गया है। अभ्यर्थी अपना चयन परिणाम राज्य व्यावसायिक प्रशिक्षण परिषद की वेबसाइट www.scvtup.in अथवा व्यावसायिक शिक्षा एवं कौशल विकास विभाग की वेबसाइट www.upvesd.gov.in/dte पर देख सकते हैं। अधिशासी निदेशक एससीवीटी अभिषेक सिंह ने बताया कि द्वितीय चरण में प्रवेश की प्रक्रिया 12 सितंबर से 17 सितंबर तक निर्धारित की गई है। अभ्यर्थियों को दिए गए लिंक पर क्लिक कर अपनी पंजीकरण संख्या एवं जन्मतिथि अंकित करनी होगी। चयन होने की स्थिति में अभ्यर्थी का बुलावा पत्र वेबसाइट पर प्रदर्शित होगा, जिसे डाउनलोड कर उसका प्रिंट प्राप्त किया जा सकता है। चयनित अभ्यर्थियों को ऑनलाइन आवेदन में दिए गए मोबाइल नंबर पर एसएमएस के माध्यम से भी चयन की सूचना दी जा रही है। जिन अभ्यर्थियों का चयन नहीं हुआ है, उनके लिए उनकी रैंक संबंधी सूचना प्रदर्शित होगी और उन्हें अगले प्रवेश चरण की प्रतीक्षा करनी होगी। चयनित अभ्यर्थियों को निर्देशित किया गया है कि वे बुलावा पत्र की प्रति, समस्त मूल प्रमाण-पत्र, अंक-पत्रों की प्रतियां, उनकी एक-एक प्रमाणित प्रति तथा दो पासपोर्ट साइज फोटो लेकर संबंधित चयनित संस्था के प्रधानाचार्य से निर्धारित अंतिम तिथि तक संपर्क करें।

स्मार्ट क्लास से गांव के स्कूल तक, शिक्षा पर डॉ. राजेश्वर सिंह का बड़ा फोकस

- अवध गर्ल्स डिग्री कॉलेज को सीएसआर से पांच स्मार्ट क्लासरूम
- दो विद्यालयों को विधायक निधि से 10–10 लाख

लखनऊ। सरोजनीनगर में शिक्षा के क्षेत्र में बुनियादी सुविधाओं के साथ डिजिटल संसाधनों के विस्तार की पहल तेज हुई है। विधायक डॉ. राजेश्वर सिंह की पहल पर अवध गर्ल्स डिग्री कॉलेज को सीएसआर के माध्यम से पांच स्मार्ट क्लासरूम उपलब्ध कराए जाएंगे। वहीं, दो ग्रामीण विद्यालयों में अतिरिक्त कक्षों के निर्माण के लिए विधायक निधि से 10-10 लाख रुपये की सहायता दी जा रही है।

31 अगस्त को अवध गर्ल्स डिग्री कॉलेज में आयोजित कार्यक्रम में डॉ. सिंह ने पांच स्मार्ट क्लासरूम उपलब्ध कराने की घोषणा की। उन्होंने कहा कि बेटियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, डिजिटल कौशल और वित्तीय साक्षरता से सशक्त बनाना आत्मनिर्भर और विकसित भारत के निर्माण के लिए जरूरी है। स्वर्गीय प्रियंका सिंह के निधन के बाद उनके पति प्रभात सिंह से मुलाकात के दौरान डॉ. सिंह को जानकारी मिली कि वह गांव के बच्चों के लिए कक्षा पांच तक विद्यालय संचालित करती थीं। उनकी स्मृति में विद्यालय में अतिरिक्त कक्षों के निर्माण के लिए विधायक निधि से 10 लाख रुपये की सहायता की घोषणा की गई। इसी तरह सरोजनीनगर के एक सुदूर गांव में श्री राम रईस रावत के निधन पर शोक संवेदना व्यक्त करने पहुंचे डॉ. सिंह ने सीमित संसाधनों में संचालित विद्यालय को देखा। उनके पुत्र श्रवण कुमार रावत की ओर से विद्यालय चलाए जाने की जानकारी पर उन्होंने अतिरिक्त कक्षों के लिए 10 लाख रुपये देने की घोषणा की। अब तक करीब 2,000 मेधावी विद्यार्थियों को लैपटॉप, कंप्यूटर और साइकिल से सम्मानित किया जा चुका है।

वहीं 70 से अधिक विद्यालयों में स्मार्ट क्लास और डिजिटल लाइब्रेरी स्थापित की गई हैं। डॉ. सिंह ने कहा, सड़कें कुछ वर्षों के लिए बनती हैं, लेकिन विद्यालय पीढ़ियों और राष्ट्र का निर्माण करते हैं। उन्होंने कहा कि संसाधनों के अभाव में किसी प्रतिभाशाली बच्चे का सपना अधूरा न रहे, यही उनका संकल्प है।

मेडिकल इंटर्न को बड़ी सौगात, खिलाड़ियों को नौकरी का रास्ता साफ

धामी कैबिनेट ने लिये 10 अहम फैसले, डीजी सूचना बंशीधर तिवारी ने पत्रकारों को दी जानकारी

प्रमुख संवाददाता

- मसूरी रोप-वे और हरिद्वार में ईएसआई के लिए भूमि आवंटन को भी हरी झंडी

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी की अध्यक्षता में हुई मंत्रिमंडल की बैठक में कुल दस प्रस्तावों पर सहमति बनी। इनमें एमबीबीएस इंटर्न का मासिक स्टाइपेंड बढ़ाने के साथ राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर के पदक विजेता खिलाड़ियों के लिए विभिन्न विभागों में 243 पदों पर आउट ऑफ टर्न नियुक्ति की व्यवस्था को मंजूरी शामिल है।

महानिदेशक सूचना एवं अपर सचिव मुख्यमंत्री बंशीधर तिवारी ने सचिवालय में पत्रकारों को जानकारी दी। उन्होंने बताया कि प्रदेश के पांच राजकीय मेडिकल कॉलेजों में एमबीबीएस और पीजी पाठ्यक्रम संचालित हो रहे हैं। श्रीनगर, हल्द्वानी, देहरादून, हरिद्वार और अल्मोड़ा के इन मेडिकल कॉलेजों में प्रशिक्षण ले रहे एमबीबीएस इंटर्न को अब प्रतिमाह न्यूनतम 25 हजार रुपये स्टाइपेंड मिलेगा। वर्तमान में उन्हें 17 हजार रुपये प्रतिमाह दिया जा रहा था। कैबिनेट ने खेल उपलब्धियों को सरकारी सेवा में सम्मान देने के लिए, बड़ा कदम उठाया है। राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में पदक जीतने वाले खिलाड़ियों को निर्धारित व्यवस्था के तहत आउट ऑफ टर्न सेवायोजन देने के लिए विभिन्न विभागों में 243 पदों को चिन्हित करने की मंजूरी दी गई है। इन पदों में खेल एवं युवा कल्याण के अलावा गृह, परिवहन, शिक्षा और वन विभाग भी शामिल हैं।

इसके अतिरिक्त माध्यमिक शिक्षा विभाग में अपर सहायक अध्यापक व्यायाम के लेवल-6 के 33 पद सृजित करने का निर्णय लिया गया है। इन पदों के सृजन के लिए लेवल-7 के सहायक अध्यापक व्यायाम के 1898 स्वीकृत पदों में से 33 पद समर्पित किये जायेंगे। नई व्यवस्था के तहत राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर स्वर्ण पदक हासिल करने वाले खिलाड़ियों को निर्धारित मानकों के अनुसार आउट ऑफ टर्न नियुक्ति का लाभ मिल सकेगा। न्यायिक मामलों में सरकार की ओर से पैरवी करने वाले अधिवक्ताओं की फीस के पुनर्निर्धारण को भी मंत्रिमंडल ने स्वीकृति दी है। उच्चतम न्यायालय, नैनीताल उच्च न्यायालय और राज्य के अधीनस्थ न्यायालयों में आबद्ध शासकीय अधिवक्ताओं के शुल्क की दरों में संशोधन किया जाएगा। कारागार प्रशासन एवं सुधार विभाग के सुधारात्मक विंग को अधिक प्रभावी बनाने के लिए अपर महानिरीक्षक कारागार का एक नया पद शामिल करने को मंजूरी दी गई है।

देहरादून के पुरकुल गांव से मसूरी के लाइब्रेरी चौक तक प्रस्तावित रोप-वे परियोजना से संबंधित भूमि प्रस्ताव पर भी कैबिनेट ने सहमति जताई। परियोजना के अपर टर्मिनल और पार्किंग निर्माण के लिए मसूरी में गढ़वाल सभा को पूर्व में लीज पर दी गई भूमि के समतुल्य 972 वर्ग मीटर भूमि लीज पर उपलब्ध कराने की अनुमति दी गई है। यह भूमि गढ़वाल मंडल विकास निगम की पार्किंग के लिए क्रय की गई भूमि में से उपलब्ध कराई जाएगी। हरिद्वार में कर्मचारी राज्य बीमा निगम की स्वास्थ्य सुविधाओं के विस्तार के लिए भी महत्वपूर्ण निर्णय लिया गया। ईएसआई चिकित्सालय के समीप चिन्हित 15 एकड़ भूमि को ईएसआई के निर्माण के लिए आवंटित करने के प्रस्ताव को मंत्रिमंडल ने मंजूरी दे दी है।

भारत विश्व का सबसे बड़ा लोकतंत्र है: सतीश महाना

सेशेल्स की स्पीकर अजारेल अर्नेस्टा से की संसदीय सहयोग पर विस्तृत चर्चा

विशेष संवाददाता (vol)

लखनऊ/सेशेल्स। उत्तर प्रदेश विधानसभा के अध्यक्ष सतीश महाना ने सेशेल्स की नेशनल असेंबली की स्पीकर अजारेल अर्नेस्टा से भेंट के दौरान भारत की जीवंत एवं सशक्त लोकतांत्रिक परंपरा तथा उत्तर प्रदेश विधानसभा की उत्कृष्ट विधायी कार्यप्रणालियों से उन्हें अवगत कराया।

सतीश महाना ने कहा कि भारत विश्व का सबसे बड़ा लोकतंत्र है, जहां लोकतांत्रिक संस्थाएं जनभागीदारी, संवाद और संवैधानिक मूल्यों के आधार पर निरंतर सशक्त हो रही हैं। उन्होंने उत्तर प्रदेश विधानसभा में अपनाई जा रही विभिन्न सर्वोत्तम विधायी प्रक्रियाओं की जानकारी भी साझा की। बैठक के दौरान दोनों प्रतिनिधियों ने भारत और सेशेल्स के युवाओं के बीच लोकतांत्रिक मूल्यों एवं संसदीय कार्यप्रणाली की समझ विकसित करने के लिए यूथ पार्लियामेंट के आयोजन तथा दोनों देशों के युवाओं के बीच आदान-प्रदान कार्यक्रम शुरू करने की संभावनाओं पर चर्चा की। उन्होंने कहा कि ऐसे कार्यक्रम युवाओं को लोकतंत्र की कार्यप्रणाली से जोड़ने के साथ-साथ दोनों देशों के बीच मैत्रीपूर्ण संबंधों को नई पीढ़ी तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे।

सतीश महाना ने भारत और सेशेल्स के बीच लंबे समय से चले आ रहे सौहार्दपूर्ण एवं मैत्रीपूर्ण संबंधों का उल्लेख करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सेशेल्स यात्रा और दोनों देशों के बीच बढ़ते सहयोग को भी रेखांकित किया। उन्होंने कहा कि भारत और सेशेल्स के संबंध आपसी विश्वास, सहयोग और साझा लोकतांत्रिक मूल्यों पर आधारित हैं।

उत्तर प्रदेश के विकास का उल्लेख करते हुए विधानसभा अध्यक्ष ने अजारेल अर्नेस्टा को पिछले लगभग 9 वर्षों में उत्तर प्रदेश में हुए आर्थिक एवं विकासात्मक प्रगति की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि भाजपा सरकार के नेतृत्व में और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के मार्गदर्शन में उत्तर प्रदेश ने बुनियादी ढांचे, निवेश, औद्योगिक विकास, रोजगार, कनेक्टिविटी और सुशासन के क्षेत्र में उल्लेखनीय प्रगति की है। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश आज देश की अर्थव्यवस्था को गति देने वाले प्रमुख राज्यों में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। प्रदेश में निवेश और औद्योगिक गतिविधियों को बढ़ावा देने के साथ-साथ आधारभूत सुविधाओं के विस्तार पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है।

बैठक के दौरान दोनों पक्षों ने विधायी अनुभवों के आदान-प्रदान, लोकतांत्रिक संस्थाओं को मजबूत करने तथा युवा पीढ़ी को संसदीय लोकतंत्र से जोड़ने के लिए भविष्य में और अधिक सहयोग की संभावनाओं पर सकारात्मक चर्चा की।

बेलगाम ई-रिक्शों पर हाईकोर्ट सख्त

चिह्नित मार्गों पर लगायें रोक, अधिक हो चुकी संख्या पर जतायी चिंता

लखनऊ, विधि संवाददाता। राजधानी की सड़कों पर लगातार बढ़ रही ई-रिक्शों की संख्या पर इलाहाबाद हाईकोर्ट की लखनऊ खंडपीठ ने सख्त रुख अपनाया है। कोर्ट ने कहा कि लखनऊ में ई-रिक्शों की संख्या अब सड़कों की क्षमता से अधिक हो चुकी है। यातायात व्यवस्था को देखते हुए चिह्नित मार्गों पर इनके संचालन पर रोक लगाने के लिए जल्द अधिसूचना जारी करने की बात कही गई है।

न्यायमूर्ति आलोक माथुर और न्यायमूर्ति अमिताभ कुमार राय की पीठ ने जनहित याचिका की सुनवाई के दौरान यह टिप्पणी की। सुनवाई में बताया गया कि केंद्र सरकार की अधिसूचना के चलते ई-रिक्शों के पंजीकरण या परमिट की आवश्यकता नहीं है। इसके कारण राजधानी में इनकी संख्या तेजी से बढ़ रही है।

राज्य सरकार की ओर से कोर्ट को बताया गया कि परिवहन आयुक्त ने पुलिस आयुक्त को पत्र भेजकर उत्तर प्रदेश मोटर वाहन नियमावली के नियम 178 के तहत आवश्यक अधिसूचना जारी करने को कहा है। इस नियम के तहत सक्षम प्राधिकारी को यातायात की स्थिति और अन्य परिस्थितियों को देखते हुए किसी सड़क या उसके हिस्से पर किसी वाहन के संचालन को प्रतिबंधित करने का अधिकार है। मामला फिलहाल पुलिस आयुक्त के स्तर पर विचाराधीन है।

- पार्किंग और सवारी उतारने-चढ़ाने के स्थान भी करें तय

हाईकोर्ट ने स्पष्ट किया कि अधिसूचना जारी होने के बाद उसका कड़ाई से पालन कराया जाना चाहिए। जिन मार्गों को ई-रिक्शों के लिए प्रतिबंधित किया जाएगा, वहां इनके संचालन की अनुमति नहीं होगी। कोर्ट के सामने यह भी आया कि रेलवे स्टेशन, बस स्टेशन और प्रमुख चौराहों के आसपास बड़ी संख्या में ई-रिक्शे खड़े रहते हैं। इससे यातायात प्रभावित होता है। नगर निगम की ओर से बताया गया कि पुलिस और यातायात विभाग के साथ मिलकर ई-रिक्शों की पार्किंग के लिए स्थान चिह्नित किए जाएंगे। यात्रियों को बैठाने और उतारने के स्थान भी निर्धारित किए जाएंगे।

ट्रैफिक व्यवस्था के लिए 1028 कांस्टेबलों की भर्ती

सुनवाई में राज्य सरकार ने बताया कि यातायात प्रबंधन के लिए 1028 कांस्टेबलों की भर्ती प्रक्रिया चल रही है। इसके अलावा प्रदेश में 11 ट्रैफिक इंस्पेक्टर और 1277 ट्रैफिक सब-इंस्पेक्टरों की भर्ती/तैनाती की प्रक्रिया भी जारी है। सरकार के मुताबिक, लखनऊ में फिलहाल विभिन्न चौराहों पर यातायात नियंत्रण के लिए करीब 1200 कर्मी तैनात हैं, जबकि आदर्श स्थिति में करीब 1500 कर्मियों की जरूरत है।

पॉलीटेक्निक-कमता मार्ग पर मिलीं 153 खामियां

सुनवाई के दौरान पॉलीटेक्निक से कमता चौराहे के बीच सड़क की स्थिति का मामला भी उठा। कोर्ट को बताया गया कि इस मार्ग पर 153 खामियां चिन्हित की गई थीं। नगर निगम ने बताया कि आवश्यक कार्रवाई की जा चुकी है और अनुपालन रिपोर्ट संबंधित एसआईटी को सौंप दी गई है। मामले की अगली सुनवाई 21 सितंबर 2026 को होगी। हाईकोर्ट ने अगली तारीख पर लोक निर्माण विभाग के मुख्य अभियंता और नगर निगम के अतिरिक्त नगर आयुक्त को उपस्थित रहने तथा संबंधित अनुपालन रिपोर्ट का अध्ययन करके आने का निर्देश दिया है।

लोहिया संस्थान में फेफड़ों के कैंसर पर शोध को मंजूरी

लखनऊ। गोमतीनगर स्थित लोहिया संस्थान को फेफड़ों के कैंसर पर एक महत्वपूर्ण शोध परियोजना के लिए मंजूरी मिली है। यह परियोजना नॉन-स्मॉल सेल लंग कार्सिनोमा में प्लाज्मा-व्युत्पन्न एक्स्ट्रासेल्युलर वेसिकल्स की जीनोमिक और ट्रांसक्रिप्टोमिक प्रोफाइलिंग पर केंद्रित है, जिसका उद्देश्य कैंसर के आणविक पहलुओं को समझना है। स्वास्थ्य अनुसंधान विभाग (डीएचआर) के अनुसंधान सहायता कार्यक्रम के तहत वर्ष 2026-27 के लिए देशभर में आठ शोध परियोजनाओं का चयन हुआ है। इनमें एक परियोजना लोहिया संस्थान की है। चयनित परियोजना नॉन-स्मॉल सेल लंग कार्सिनोमा में फेफड़ों से जुड़े प्लाज्मा-व्युत्पन्न एक्स्ट्रासेल्युलर वेसिकल्स की जीनोमिक और ट्रांसक्रिप्टोमिक प्रोफाइलिंग पर केंद्रित है। इसमें वेसिकल्स और कैंसर के ऊतक के बीच समानता का भी अध्ययन किया जाएगा। इसका मकसद फेफड़ों के कैंसर से जुड़े आणविक पहलुओं को बेहतर ढंग से समझना है। परियोजना का संचालन डॉ. विपिन राय करेंगे।

लविवि के 48 विद्यार्थियों ने हासिल की सफलता

विशेष संवाददाता (vol)

- लाइफ साइंसेज में प्रकर्ष मनोहर और अर्थ साइंसेज में सोनल शुक्ला ने एआईआर-2 प्राप्त कर बढ़ाया गौरव
- उच्च शिक्षा मंत्री योगेंद्र उपाध्याय ने सीएसआईआर-यूजीसी नेट/जेआरएफ के सफल विद्यार्थियों को दी बधाई

लखनऊ। सीएसआईआर-यूजीसी नेट/जेआरएफ जून 2026 के परिणामों में लखनऊ विश्वविद्यालय ने राष्ट्रीय स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है। विश्वविद्यालय के कुल 48 विद्यार्थियों एवं शोधार्थियों ने सफलता प्राप्त की है, जिसमें 13 ने जेआरएफ, 15 ने नेट और 20 ने पीएचडी क्वालीफाइड श्रेणी में सफलता अर्जित की।

उच्च शिक्षा मंत्री योगेंद्र उपाध्याय ने बधाई देते हुए कहा कि लखनऊ विश्वविद्यालय के 48 विद्यार्थियों की सीएसआई आर-यूजीसी नेट/जेआरएफ में सफलता अत्यंत हर्ष का विषय है। प्रकर्ष मनोहर और सोनल शुक्ला द्वारा एआईआर-2 प्राप्त करना उत्तर प्रदेश की उच्च शिक्षा की गुणवत्ता को दर्शाता है।

कुलपति प्रो. जेपी सैनी ने कहा कि यह सफलता विश्वविद्यालय की मजबूत अकादमिक एवं शोध संस्कृति का प्रमाण है। विशेष रूप से दो विद्यार्थियों का एआईआर-2 प्राप्त करना पूरे विश्वविद्यालय परिवार के लिए गौरव का क्षण है। विशेष उपलब्धि के तहत प्राणिविज्ञान विभाग के एमएससी तृतीय सेमेस्टर के छात्र प्रकर्ष मनोहर ने लाइफ साइंसेज में अखिल भारतीय रैंक (एआईआर) -2 और भूविज्ञान विभाग की शोधार्थी सोनल शुक्ला ने अर्थ साइंसेज में एआईआर-2 प्राप्त कर विश्वविद्यालय का गौरव बढ़ाया है। प्रकर्ष ने स्नातकोत्तर अध्ययन के दौरान ही यह सफलता हासिल की है। जेआरएफ में प्राणिविज्ञान से अनीशा यादव (एआईआर-33), अदिति श्रीवास्तव (एआईआर-87), सैफ सिद्दीकी (एआईआर-89), युवराज व आकांक्षा सिंह (एआईआर-122), वनस्पति विज्ञान से भार्गवी पांडेय (एआईआर-13), प्राची सिंह (एआईआर-96), भूविज्ञान से निशांत शुक्ला (एआईआर-19), गणित से आशीष प्रताप सिंह (एआईआर-104), सुजीत कुमार (एआईआर-161) और जैव रसायन से विदिशा शाक्य ने सफलता प्राप्त की।

बाढ़ के बीच योगी सरकार की मुस्तैदी 21,350 लोगों को सुरक्षित निकाला

विशेष संवाददाता (vol)

- राहत शिविरों में 2,972 लोगों को सहारा, अब तक जनहानि-पशुहानि नहीं

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में बाढ़ की स्थिति के बीच योगी सरकार ने राहत और बचाव अभियान तेज कर दिया है। मुख्यमंत्री के निर्देश पर प्रभावित जिलों में प्रशासन की टीमें लगातार निगरानी कर रही हैं। राहत आयुक्त कार्यालय के मुताबिक, गुरुवार को 8 हजार लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया, जबकि अब तक कुल 21,350 लोगों को सुरक्षित निकाला जा चुका है।

बाढ़ प्रभावित इलाकों में फंसे लोगों को निकालने के लिए प्रशासन ने 2,385 नाव और मोटरबोट लगाई हैं। सुरक्षित निकाले गए लोगों के लिए राहत शिविरों की व्यवस्था की गई है, जहां फिलहाल 2,972 लोग रह रहे हैं। प्रशासन की ओर से भोजन, चिकित्सा और जरूरी राहत सामग्री की आपूर्ति लगातार की जा रही है। बाढ़ प्रभावित परिवारों तक भोजन पहुंचाने के लिए गुरुवार को 72,620 लंच पैकेट और 9,937 बाढ़ राहत किट वितरित की गईं।

अब तक 9.31 लाख से अधिक लंच पैकेट और 1.49 लाख से ज्यादा खाद्यान्न पैकेट बांटे जा चुके हैं। बाढ़ के बाद जलजनित बीमारियों के खतरे को देखते हुए स्वास्थ्य विभाग ने प्रभावित क्षेत्रों में 1,165 मेडिकल टीमें तैनात की हैं। लोगों को संक्रमण से बचाने के लिए अब तक 7.22 लाख से अधिक क्लोरीन टैबलेट और 2.97 लाख से अधिक ओआरएस पैकेट वितरित किए जा चुके हैं। राहत आयुक्त कार्यालय के अनुसार, अब तक किसी व्यक्ति की जनहानि या पशुहानि की सूचना नहीं है। राहत अभियान में पशुधन की जरूरतों का भी ध्यान रखा जा रहा है। प्रभावित क्षेत्रों में पशुओं के लिए अब तक करीब 6,956 क्विंटल भूसा वितरित किया जा चुका है।

बाढ़ से प्रभावित जिलों में अयोध्या, आजमगढ़, बहराइच, बदायूं, बलिया, बाराबंकी, बस्ती, फरुर्खाबाद, गाजीपुर, गोंडा, गोरखपुर, हरदोई, कासगंज, कौशाम्बी, कानपुर नगर, लखीमपुर खीरी, मुरादाबाद, प्रयागराज, रायबरेली, रामपुर, संत कबीर नगर, सीतापुर, शाहजहांपुर, उन्नाव और वाराणसी शामिल हैं।

पानी टंकी तोड़ने में बड़ी चूक, मकान पर गिरा मलबा

विशेष संवाददाता (vol)

- छज्जा, चबूतरा, एसी और मुख्य गेट क्षतिग्रस्त
- हादसे के बाद ठेकेदार और मजदूर मौके से भागे

लखनऊ। राजाजीपुरम के सेक्टर-12 में सेंट जेवियर स्कूल के पास शुक्रवार शाम पुरानी पानी की टंकी तोड़ने के दौरान बड़ा हादसा होते-होते बच गया। टंकी का भारी हिस्सा अचानक बगल में स्थित आवास विकास परिषद की कॉलोनी के मकान संख्या ई-4867 पर जा गिरा। मलबा गिरने से मकान का छज्जा और चबूतरा टूट गया, जबकि बाहर लगा एसी और मुख्य द्वार का गेट भी क्षतिग्रस्त हो गया। गनीमत रही कि जिस समय टंकी का हिस्सा गिरा, वहां कोई व्यक्ति मौजूद नहीं था।

घटना शाम करीब चार बजे की बताई जा रही है। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, जल निगम की ओर से पुरानी पानी की टंकी को तोड़ने का काम कराया जा रहा था। स्थानीय लोगों का आरोप है कि निजी ठेकेदार ने सुरक्षा मानकों की अनदेखी करते हुए जर्जर टंकी को तोड़ने का काम शुरू कराया। इसी दौरान टंकी का एक बड़ा हिस्सा अनियंत्रित होकर मकान पर जा गिरा। भारी हिस्सा गिरते ही तेज आवाज हुई और आसपास के मकानों में रहने वाले लोग घबराकर बाहर निकल आए। कुछ ही देर में मौके पर लोगों की भीड़ जुट गई और हंगामा शुरू हो गया। स्थानीय लोगों का आरोप है कि हादसे के बाद ठेकेदार, मजदूर और अन्य कर्मचारी मौके से चले गए। यहां तक कि मलबा हटाने के लिए भी कोई तत्काल व्यवस्था नहीं की गई। स्थानीय लोगों का कहना है कि टंकी आवासीय कॉलोनी से सटी होने के बावजूद उसे तोड़ने से पहले पर्याप्त सुरक्षा इंतजाम नहीं किए गए। न पर्याप्त बैरिकेडिंग की गई और न ही आसपास लोगों की आवाजाही रोकने की व्यवस्था की गई। लोगों ने आरोप लगाया कि मकान पर मलबा गिरने के बाद ठेकेदार और कर्मचारियों ने यह तक जानने की कोशिश नहीं की कि कोई व्यक्ति घायल हुआ या नहीं। जल निगम की ओर से राजाजीपुरम क्षेत्र में पुरानी पानी की टंकियों को तोड़कर नई टंकियां बनाए जाने का काम कराया जा रहा है। क्षेत्र में दो टंकियों को तोड़ा जाना प्रस्तावित है। रुकुंदीपुर स्थित टंकी को पहले ही तोड़ा जा चुका है, जबकि सेक्टर-12 में सेंट जेवियर स्कूल के पास करीब 1500 लीटर क्षमता वाली टंकी को तोड़ने का काम चल रहा था। इसी दौरान उसका हिस्सा मकान पर जा गिरा। हादसे के बाद जल निगम के अधिकारियों के देर से पहुंचने पर लोगों में नाराजगी रही। स्थानीय लोगों के मुताबिक करीब तीन घंटे तक कोई जिम्मेदार अधिकारी मौके पर नहीं पहुंचा। हंगामे की सूचना पर जीएम जलकल कुलदीप, अवर अभियंता राजेश कपूर, पार्षद गौरी सवारिया और पूर्व पार्षद शिवपाल सवारिया मौके पर पहुंचे और घटनास्थल का निरीक्षण किया। अधिकारियों ने लोगों को शांत कराने का प्रयास किया, लेकिन स्थानीय लोगों ने ठेकेदार को मौके पर बुलाने, क्षतिग्रस्त सामान का मुआवजा देने और लापरवाही के लिए जिम्मेदार अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की।

कार्यदायी संस्था उत्तर प्रदेश जल निगम (नगरीय) की ओर से भवन स्वामी पूनम सिंह को आश्वस्त किया गया है कि ध्वस्तीकरण कार्य के दौरान हुए नुकसान का नियमानुसार आकलन कराते हुए उसकी पूरी क्षतिपूर्ति कराई जाएगी।

समाधान दिवस में हाउस टैक्स की 89 शिकायतें आईं

लखनऊ। नगर निगम मुख्यालय लालबाग में शुक्रवार को महापौर सुषमा खर्कवाल की अध्यक्षता में सम्पूर्ण समाधान दिवस आयोजित किया गया। इसमें शहर के विभिन्न इलाकों से पहुंचे नागरिकों ने नगर निगम से जुड़ी समस्याएं अधिकारियों के सामने रखीं। कुल 149 शिकायतें दर्ज की गईं। सबसे ज्यादा 89 शिकायतें कर विभाग से संबंधित रहीं। इसके अलावा इंजीनियरिंग एवं ड्रेनेज की 31, जल एवं सीवरेज की 22, मार्ग प्रकाश की तीन, उद्यान विभाग की दो तथा संपत्ति और पशु चिकित्सा विभाग से एक-एक शिकायत प्राप्त हुई। जोनवार देखें तो जोन-6 से सबसे अधिक 31 शिकायतें दर्ज हुईं। जोन-1 से 27, जोन-3 से 23, जोन-8 से 22, जोन-7 से 17, जोन-2 से 11, जोन-4 से 10 और जोन-5 से आठ शिकायतें प्राप्त हुईं। महापौर सुषमा खर्कवाल ने समाधान दिवस में नागरिकों की समस्याएं स्वयं सुनीं और संबंधित अधिकारियों को शिकायतों का समयबद्ध और प्राथमिकता के आधार पर निस्तारण करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि शिकायतों को केवल दर्ज करना पर्याप्त नहीं है, बल्कि उनके समाधान के लिए प्रभावी कार्रवाई भी सुनिश्चित की जाए।

सामान्य संक्रमण से सैप्सिस तक, खतरे में पड़ सकते हैं कई अंग

लखनऊ। सैप्सिस एक गंभीर स्थिति है, जिसमें संक्रमण के कारण शरीर की प्रतिरक्षा प्रतिक्रिया जरूरत से ज्यादा सक्रिय हो जाती है। इसके लक्षणों में तेज सांस, भ्रम, और अत्यधिक कमजोरी शामिल हैं। इलाज में स्रोत की पहचान सबसे महत्वपूर्ण है। डॉक्टर एंटीबायोटिक और तरल पदार्थ का उपयोग करते हैं। यह जानकारी केजीएमयू पल्मोनरी एंड क्रिटिकल केयर मेडिसिन विभाग के अध्यक्ष डॉ. वेद प्रकाश ने दी। शुक्रवार को सैप्सिस दिवस पर केजीएमयू के शताब्दी भवन में पत्रकार वार्ता में डा. वेद प्रकाश ने कहा कि सैप्सिस में देरी सबसे बड़ा खतरा है। तेज सांस, भ्रम या बेहोशी, बहुत कम पेशाब, बेहद कमजोरी, ठंडी-चिपचिपी त्वचा या लगातार गिरता रक्तचाप जैसे संकेत दिखें तो मरीज को तत्काल अस्पताल ले जाना चाहिए। सैप्सिस खुद एक व्यक्ति से दूसरे व्यक्ति में नहीं फैलता। इसके पीछे बैक्टीरिया, वायरस या फंगस से होने वाला संक्रमण हो सकता है। फेफड़े, पेशाब की नली, पेट और घाव में संक्रमण इसके प्रमुख कारण हैं। अस्पताल में भर्ती मरीजों में भी संक्रमण का खतरा बढ़ सकता है।

अखिलेश यादव ने माता प्रसाद का लिया हालचाल

लखनऊ। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने शुक्रवार को पार्टी के वरिष्ठ नेता एवं नेता प्रतिपक्ष विधान सभा माता प्रसाद पाण्डेय से लखनऊ वृंदावन कालोनी स्थित उनके आवास पर मुलाकात कर स्वास्थ्य की जानकारी ली। इस अवसर पर सपा के राष्ट्रीय सचिव राजेन्द्र चौधरी मौजूद रहे।

अखिलेश यादव ने माता प्रसाद पाण्डेय के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की। उन्होंने कहा कि माता प्रसाद पाण्डेय अब स्वस्थ है। हम सब लोग उनका हाल-चाल जानने आये हैं। इस अवसर पर मीडिया से बात करते हुए अखिलेश यादव ने कहा कि गोण्डा में व्यापारी विनोद कुमार निषाद (साहनी) के साथ हुई घटना के साथ ही प्रतापगढ़, कौशाम्बी समेत तमाम जिलों में घटनायें हुई है। हालात यह है कि मंत्री को धरना पर बैठना पड़ रहा है। सहयोगी दल के मंत्री को धरने पर नहीं बैठना चाहिए, सरकार को डराना चाहिए। अगर भाजपा के सहयोगी दल के मंत्री आज सरकार से बाहर जाने की धमकी दे दे तो हर बात मान ली जाएगी। उन्होंने कहा कि गोण्डा के विनोद कुमार निषाद के हत्या के मामले में उनके परिवार की मांगे मानी जाए। सरकार को उनके बेटे की मांग स्वीकार करनी चाहिए। उन्होंने भाजपा की बैठकों पर कहा कि विधायकों के टिकट काटने की सूची बनाने के लिए बैठकें हो रही है। भाजपा अपने विधायकों की टिकट तो कटेगी ही, गठबंधन के सहयोगी दलों के विधायकों के भी टिकट कटने जा रही है।

सेवा संकल्प अभियान में विभागों के बीच बनेगा बेहतर तालमेल

- हर विभाग में नोडल अधिकारी होंगे नामित, सेवा सेतु कैंप से मिलेगा लाभ

लखनऊ। आगामी सेवा संकल्प अभियान एवं पब्लिक सर्विस पर्व को प्रभावी बनाने के लिए प्रदेश के सभी विभाग आपसी समन्वय से काम करेंगे। नगर विकास एवं ऊर्जा मंत्री ए.के. शर्मा की अध्यक्षता में शुक्रवार को संगम भवन में हुई अंतरविभागीय बैठक में अभियान की तैयारियों की समीक्षा की गई। उन्होंने प्रत्येक विभाग में नोडल अधिकारी नामित कर उनके मोबाइल नंबर सार्वजनिक करने के निर्देश दिए।

मंत्री ने कहा कि यह बहुजनपदीय और बहुविभागीय अभियान है, इसलिए सभी विभागों की सक्रिय भागीदारी जरूरी है। नगर निकायों को अपने सभागार और उपलब्ध संसाधन एक माह तक चलने वाले कार्यक्रमों के लिए उपलब्ध कराने के निर्देश दिए गए। 15 सितंबर से पहले पार्षदों की बैठक कर उन्हें अभियान की जानकारी देने को भी कहा गया। नगर निगम, नगर पालिका और नगर पंचायतों के डिजिटल बोर्ड पर सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं और उपलब्धियों से जुड़े वीडियो चलाए जाएंगे। डिजिटल लाइब्रेरी के माध्यम से भी प्रचार-प्रसार किया जाएगा। वहीं, ह्यसेवा सेतुह्न कैंप लगाकर पात्र नागरिकों को विभिन्न सरकारी योजनाओं का लाभ दिलाने की प्रक्रिया सुनिश्चित की जाएगी। व्यापारियों और स्थानीय नागरिकों के साथ बैठकें कर उन्हें अभियान से जोड़ने तथा दुकानों और प्रतिष्ठानों के आसपास स्वच्छता बनाए रखने के लिए प्रेरित करने के निर्देश भी दिए गए। मंत्री ने 17 सितंबर को प्रधानमंत्री आवास योजना, पीएम सूर्य घर योजना सहित विभिन्न योजनाओं के लाभार्थियों से दीप प्रज्ज्वलित कर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन पर शुभकामनाएं देने का आह्वान किया। प्रमुख घाटों पर दीप प्रज्ज्वलन और विशेष सजावट के साथ स्कूल, कॉलेज, अस्पताल तथा प्रमुख सरकारी भवनों को रोशनी से सजाने के निर्देश दिए गए। वाराणसी से वडनगर, गुजरात तक प्रस्तावित यात्रा के मार्ग में आने वाले जिलों में विशेष स्वच्छता अभियान चलाया जाएगा। 25 सितंबर से 2 अक्टूबर तक अनवरत सफाई अभियान चलाने के निर्देश दिए गए हैं।

गोमती और श्रमजीवी एक्सप्रेस का मार्ग बदला

लखनऊ। राजधानी, गोमती और श्रमजीवी एक्सप्रेस बदले मार्ग से चलेंगी। परिचालन कारणों से राजधानी, गोमती, श्रमजीवी और स्वतंत्रता सेनानी एक्सप्रेस को बदले मार्ग से चलाया जाएगा। इसके अलावा लखनऊ मेल, वाराणसी-नई दिल्ली वंदे भारत सहित कई ट्रेनों के समय में परिवर्तन किया गया है। उत्तर रेलवे लखनऊ मंडल के सीनियर डीसीएम समर्थ गुप्ता ने बताया कि 12 सितंबर को ट्रेन संख्या 12392 नई दिल्ली-राजगीर श्रमजीवी एक्सप्रेस, ट्रेन संख्या 12420 नई दिल्ली-लखनऊ गोमती एक्सप्रेस, ट्रेन संख्या 12562 नई दिल्ली-जयनगर स्वतंत्रता सेनानी एक्सप्रेस नई दिल्ली-दिल्ली शाहदरा-साहिबाबाद मार्ग से चलाया जाएगा। ट्रेन संख्या 20503 डिब्रूगढ़-नई दिल्ली राजधानी एक्सप्रेस को साहिबाबाद-दिल्ली शाहदरा-दिल्ली मार्ग से चलाया जाएगा। इसके अलावा 12 सितंबर को ही कई ट्रेनों को मार्ग में नियंत्रित किया जाएगा, जिसके कारण संबंधित स्टेशनों पर उनके पहुंचने और रवाना होने के समय में परिवर्तन हो सकता। जिन ट्रेनों को नियंत्रित कर के चलाया जाएगा उनमें ट्रेन संख्या 22415 वाराणसी-नई दिल्ली वंदे भारत एक्सप्रेस को 35 मिनट, ट्रेन संख्या 12556 बठिंडा-गोरखपुर गोरखधाम एक्सप्रेस को 50 मिनट नियंत्रित किया जाएगा।

टाटा एआईए टॉप 200 फंड का बेहतर प्रदर्शन

लखनऊ। टाटा एआईए टॉप 200 फंड ने 31 जुलाई 2026 तक तीन, पांच, सात साल और जनवरी 2009 में शुरूआत से अब तक की अवधि में अपने बेंचमार्क एस एंड पी बीएसई 200 से बेहतर रिटर्न दिया है। कंपनी के मुताबिक, यह प्रदर्शन लंबी अवधि में अनुशासित इक्विटी निवेश की क्षमता को दर्शाता है। जून 2026 तक टाटा एआईए के अधिकांश रेटेड प्रमुख फंडों को मॉर्निंगस्टार की ओर से 4 या 5-स्टार रेटिंग मिली है।

आयुष इंटर्न डॉक्टरों का गांधी प्रतिमा के सामने प्रदर्शन

लखनऊ। स्टाइपेंड बढ़ाने की मांग को लेकर आयुष इंटर्न डॉक्टरों ने शुक्रवार को हजरतगंज जीपीओ स्थित गांधी प्रतिमा के सामने प्रदर्शन किया। आयुर्वेद, होम्योपैथिक और यूनानी के करीब 400 इंटर्न डॉक्टर इसमें शामिल हुए। ये प्रदेश के 19 सरकारी कॉलेजों से आए थे। प्रदर्शन के दौरान इंटर्न डॉक्टरों ने आयुष विभाग के अफसरों के खिलाफ नारेबाजी की। पुलिस कुछ प्रदर्शनकारियों को पकड़कर गाड़ी में बिठाकर उन्हें ईको गार्डन भेज दिया। इंटर्न डॉक्टरों ने बताया कि 250 रुपये प्रतिदिन के हिसाब से 7500 रुपये प्रतिमाह स्टाइपेंड मिल रहा है। प्रदर्शनकारी इसे बढ़ाकर 25 हजार रुपये प्रतिमाह करने की मांग कर रहे हैं। इंटर्न डॉक्टरों का आरोप है कि पुलिस ने कुछ प्रदर्शनकारियों पर लाठियां भी चलाईं। इससे पुलिस और इंटर्न डॉक्टरों के बीच नोकझोंक हुई। बाद में पुलिस ने प्रदर्शनकारियों को ईको गार्डन भेज दिया।

स्वाइन फ्लू की 11 नये मरीजों में पुष्टि, 73 एक्टिव केस

लखनऊ। राजधानी में शुक्रवार को स्वाइन फ्लू की 11 नये मरीजों में पुष्टि की गयी है, इनमें एक मरीज को अस्पताल में भर्ती कराया गया। 10 मरीज होम आइसोलेशन में है। अब सक्रिय मामलों की संख्या बढ़कर 73 हो गयी है। मुख्य चिकित्साधिकारी डा. एनबी सिंह के अनुसार लखनऊ में अब तक स्वाइन फ्लू के 29 मरीज अस्पताल में भर्ती हो चुके हैं, इनमें से 27 मरीज इलाज के बाद स्वस्थ हो गए। उन्हें अस्पताल से छुट्टी दे दी गई। स्वास्थ्य विभाग की ओर से मरीजों के संपर्क में आने वालों और होम आइसोलेशन में रह रहे मरीजों की निगरानी की जा रही है। उन्होंने लोगों से सर्दी-जुकाम, बुखार, खांसी और सांस लेने में परेशानी जैसे लक्षण होने पर लापरवाही नहीं बरतने की अपील की है। भीड़ वाले स्थानों पर जाने पर सावधानी बरतें और संक्रमित व्यक्ति से दूरी रखने की सलाह दी है।

केजीएमयू शिक्षकों को पीजीआई के समान मिलेंगे सेवानिवृत्तिकालीन लाभ

विशेष संवाददाता (vol)

- डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक के निर्देश पर केजीएमयू प्रशासन को भेजे गए निर्देश

लखनऊ। किंग जॉर्ज मेडिकल यूनिवर्सिटी (केजीएमयू) के शिक्षकों के लिए राहत की बड़ी खबर है। अब 65 वर्ष की अधिवर्षिता आयु पर सेवानिवृत्त होने वाले केजीएमयू शिक्षकों को संजय गांधी स्नातकोत्तर आयुर्विज्ञान संस्थान (एसजीपीजीआई) के शिक्षकों के समान सेवानिवृत्तिकालीन लाभ दिए जाएंगे। यह व्यवस्था 1 जनवरी 2016 से प्रभावी मानी जाएगी।

डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक के निर्देश पर चिकित्सा शिक्षा विभाग ने इस संबंध में केजीएमयू प्रशासन को आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए हैं। चिकित्सा शिक्षा विभाग के अपर मुख्य सचिव अमित कुमार घोष ने केजीएमयू के कुलसचिव को पत्र भेजकर पात्र शिक्षकों को नियमानुसार सेवानिवृत्तिकालीन लाभ प्रदान करने की व्यवस्था स्पष्ट की है। उप मुख्यमंत्री ने बताया कि 1 जनवरी 2016 के बाद 65 वर्ष की अधिवर्षिता आयु पूरी कर सेवानिवृत्त हुए शिक्षकों को एसजीपीजीआई के शिक्षकों के समान सेवानिवृत्तिकालीन लाभ अनुमन्य होंगे। इसके साथ ही ऐसे शिक्षक जिनकी सेवानिवृत्ति के बाद मृत्यु हो चुकी है, उनके मामलों में भी नियमानुसार उनके परिवार को देय लाभ प्रदान किए जाएंगे।

जिन मामलों में राज्य सरकार के निर्णय के आधार पर शिक्षकों की अधिवर्षिता आयु 65 वर्ष की गई थी, लेकिन इसके लिए अलग से विकल्प उपलब्ध नहीं कराया गया था, वहां 65 वर्ष की आयु में सामान्य रूप से हुई सेवानिवृत्ति के आधार पर सेवानिवृत्तिकालीन लाभ अनुमन्य होंगे।

सफाई कर्मचारियों ने किया प्रदर्शन

लखनऊ। नगर निगम की ओर से डोर-टू-डोर कूड़ा उठाने वाली लखनऊ स्वच्छता अभियान कंपनी के कर्मचारियों ने शुक्रवार को वेतन कटौती और शोषण का आरोप लगाते हुए हड़ताल कर प्रदर्शन किया। कर्मचारियों के काम बंद करने से अलीगंज और जानकीपुरम समेत जोन-3 के बड़े हिस्से में घर-घर से कूड़ा उठान पूरी तरह ठप हो गया। पूरे दिन कूड़ा गाडियां नहीं निकलने से मोहल्लों और कॉलोनियों में गंदगी के ढेर लगे रहे और लोगों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा। नाराज कर्मचारियों ने कहा कि जो विरोध करता है कि उसे नौकरी से निकाल दिया जाता है। प्रदर्शन कर रहे कर्मचारियों का आरोप है कि उन्हें कई महीनों से पूरा वेतन नहीं मिल रहा है। उनका कहना है कि वेतन खाते में आने के बाद पांच से सात हजार रुपये तक काट लिए जाते हैं और उन्हें आधा पैसा ही मिल पाता है।

हादसे में घायल मरीज के लिए पहला घंटा बेहद अहम : डॉ. लोकेंद्र गुप्ता

लखनऊ। हादसे में घायल मरीज के लिए पहला घंटा बेहद अहम होता है। ऐसे मरीजों को अस्पताल पहुंचने तक कैसे सुरक्षित रखा जाए, इसकी ट्रेनिंग डॉक्टरों और पैरामेडिकल स्टाफ को दी गई। शुक्रवार को अटल बिहारी वाजपेई मेडिकल यूनिवर्सिटी के प्रेक्षागृह में आयोजित कॉमेट-2026 में सोसाइटी ऑफ एक्यूट केयर, ट्रॉमा एंड इमरजेंसी मेडिसिन (एसएसीटीईएम) के संस्थापक व राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. लोकेंद्र गुप्ता ने कहा कि सर्पदंश, विषदंश, डूबने, लू और ऊंचाई से गिरने जैसी घटनाओं में शुरूआती इलाज बेहद अहम है। सर्पदंश में मरीज को शांत रखें। प्रभावित अंग को कम से कम हिलाएं। डूबने वाले व्यक्ति को पानी से निकालकर सांस और नाड़ी की जांच करें। जरूरत पड़ने पर सीपीआर शुरू करें। लू लगने पर मरीज को ठंडी और हवादार जगह ले जाएं। ऊंचाई से गिरने पर मरीज को अनावश्यक रूप से न हिलाएं। गर्दन और रीढ़ की हड्डी को स्थिर रखें। केजीएमयू के ट्रॉमा सर्जरी विभाग के डॉ. समीर मिश्र ने बताया कि प्राथमिक इलाज मिलने पर गंभीर स्थिति को संभाला जा सकता है।

लोहिया संस्थान में आयोजित हुई कार्यशाला.. लखनऊ। मानसिक परेशानी को छिपाने की बजाय बातने की जरूरी है। इलाज से मानसिक बीमारी ठीक हो सकती है। यह जानकारी लोहिया संस्थान की मानसिक रोग विभाग की डॉ. आकांक्षा त्रिपाठी ने शुक्रवार को गोमतीनगर स्थित लोहिया संस्थान की ओपीडी में आत्महत्या रोकथाम दिवस पर कार्यशाला हुई। उन्होंने बताया कि मानसिक स्वास्थ्य से जुड़ी झिझक और संकोच दूर होना चाहिए। उसकी बात ध्यान से और संवेदनशीलता के साथ सुनना जरूरी है।

भूमिहीन महिलाओं के लिए अलग कल्याणकारी प्रकोष्ठ की मांग

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की भूमिहीन किसान महिलाओं के श्रम और उनके अधिकारों के बीच बड़ी खाई सामने आई है। सामाजिक समरसता मंच अवध प्रांत की ओर से शुक्रवार को विश्व संवाद केंद्र, जियामऊ में आयोजित प्रेसवार्ता में जारी शोध-प्रतिवेदन में अनुसूचित जाति और वंचित वर्गों की भूमिहीन महिलाओं के लिए पृथक कल्याणकारी प्रकोष्ठ गठित करने की मांग की गई। शोध दिल्ली विश्वविद्यालय की राजनीति शास्त्र की प्रोफेसर डॉ. चंद्रकांता के. माथुर ने सामाजिक समरसता गतिविधि के राष्ट्रीय संयोजक के. श्याम प्रसाद के मार्गदर्शन में किया है। शोधकर्ता डॉ. चंद्रकांता ने कहा कि भूमिहीन किसान महिला को अन्नदाता के रूप में मान्यता देने के साथ भूमि, मजदूरी और निर्णय प्रक्रिया में उसका उचित अधिकार सुनिश्चित करना जरूरी है। रिपोर्ट के अनुसार, उत्तर प्रदेश में केवल 7.6 प्रतिशत महिलाओं के नाम कृषि भूमि दर्ज है। वहीं करीब 85 प्रतिशत महिला श्रमशक्ति खेती से जुड़ी है, लेकिन अधिकांश के श्रम को अवैतनिक माना जाता है। रिपोर्ट में दावा किया गया कि पिछले एक वर्ष में काम करने वाली महिलाओं में 18 प्रतिशत से कम को ही नकद मजदूरी मिल सकी। मध्य, पूर्वी और दक्षिणी उत्तर प्रदेश के भूमिहीन कृषि श्रमिक परिवारों में निर्धनता की दर 73.4 से 89.8 प्रतिशत तक बताई गई है। बुंदेलखंड और अनुसूचित जाति समुदाय की महिलाएं सबसे अधिक प्रभावित हैं।

कार्यालय जिला आबकारी अधिकारी, बाराबंकी

संख्या - 471/आबकारी/अपील/चेता./2026-27/बाराबंकी   दि. 08.09.2026

अपील / चेतावनी

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि अवैध अड्डों/स्थानों से बिकने वाली अवैध मदिरा का सेवन न करें, क्योंकि अवैध अड्डों से मिलने वाली मदिरा जहरीली हो सकती है तथा मिथाइल अल्कोहल भी हो सकता है, जो एक विष है तथा इसके अल्प मात्रा के सेवन से आँखों की रोशनी जाने के साथ व्यक्ति की मृत्यु भी हो सकती है। यदि किसी को अवैध मदिरा अथवा निर्धारित मूल्य से अधिक पर बिक्री की सूचना प्राप्त होती है, तो तत्काल जनहित में जनपद के जिला आबकारी अधिकारी, बाराबंकी-9454465638, आबकारी निरीक्षक, नवाबगंज-9454466232, आबकारी निरीक्षक, रामसनेही घाट-9454466233, आबकारी निरीक्षक, हैदरगढ़-9454466234, आबकारी निरीक्षक, फतेहपुर-9454466235, आबकारी निरीक्षक, सिरौली गौसपुर-8299856945, आबकारी निरीक्षक, रामनगर-7303337393, पर सूचना देने का कष्ट करें। अवैध मद्य निष्कर्षण से सम्बन्धित किसी भी प्रकार की शिकायत के लिये प्रदेश स्तर पर संचालित टोल फ्री नम्बर-14405 तथा व्हाट्सएप नम्बर 9454466019 पर भी दी जा सकती है। सूचना देने वाले व्यक्ति का नाम गोपनीय रखा जायेगा।

(कुलदीप दिनकर)
जिला आबकारी अधिकारी,
बाराबंकी।

(ईशान प्रताप सिंह)
जिलाधिकारी,
बाराबंकी।

महत्वपूर्ण नंबर		फायर स्टेशन	एम्बुलेंस
वूमेन पावर लाइन	1090	हजरतगंज- कंट्रोल रूम 9454418642	मेडिकल सेवा- 102, 108
पुलिस	100, 2629999	गोमती नगर-9454418657	
पुलिस स्टेशन गंज	2622556		

ट्रक से भिड़ी श्रद्धालुओं की कार, महिलाओं समेत छह घायल

शहीद पथ पर भोर के समय हुआ हादसा

● ओवरटेक के दौरान ट्रक की टक्कर के बाद चालक फरार

विशेष संवाददाता (vol)

लखनऊ। गोरखपुर से खाटू श्याम के दर्शन के लिए निकले जा रहे श्रद्धालुओं की यात्रा शुक्रवार भोर दर्दनाक हादसे में बदल गई। पीजीआई इलाके में शहीद पथ पर ओवरटेक कर रहे ट्रक की टक्कर से अर्टिगा कार बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। हादसे में तीन महिलाओं समेत छह लोग घायल हो गए, जिनमें कई की हालत गंभीर बताई जा रही है।

पुलिस के अनुसार गोरखपुर के बड़हलगंज निवासी प्रदीप सिंह, ब्रजेश सिंह, कंचन, संजना, शोभा और सूर्यभान यादव अर्टिगा कार से राजस्थान स्थित खाटू श्याम धाम जा रहे थे। शुक्रवार तड़के करीब साढ़े तीन बजे उनकी कार वृंदावन कॉलोनी सेक्टर सात के पास पहुंची थी। इसी दौरान पीछे से आ रहे एक ट्रक ने ओवरटेक करते समय कार को जोरदार टक्कर मार दी।

कार में फंसे घायलों को राहगीरों ने निकाला : टक्कर इतनी तेज थी कि कार का एक हिस्सा पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। उसमें सवार लोग अंदर ही फंसे रह गए। चीख पुकार सुनकर मौके पर पहुंचे राहगीरों ने किसी तरह घायलों को बाहर निकाला। पुलिस को सूचना दी। इसके बाद सभी घायलों को पीजीआई के ट्रॉमा सेंटर पहुंचाया गया।

फरार चालक की तलाश : हादसे के बाद ट्रक चालक वाहन समेत मौके से फरार हो गया। प्रदीप सिंह को मामूली चोटें आई हैं, जबकि अन्य घायलों के सिर, चेहरे और शरीर के विभिन्न हिस्सों में गंभीर चोटें आई हैं। पुलिस आसपास के सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही है। फरार चालक की तलाश में जुटी है।

कार की टक्कर से घायल महिला की मौत : मड़ियांव थाना क्षेत्र स्थित एल्डिको सिटी में गुरुवार शाम कार सीख रही महिला ने इवनिंग वॉक कर रही कुसुम चौहान को टक्कर मार दी। कुसुम गंभीर रूप से घायल हो गईं। देर रात अस्पताल में इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। हादसे के बाद कार चला रही महिला वहां से फरार हो गई। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर उसकी तलाश शुरू कर दी है।

पुलिस का कहना है कि एल्डिको सिटी की रहने वाली कुसुम चौहान रोज की तरह 10 सितंबर की शाम करीब 5:30 बजे इवनिंग वॉक के लिए निकली थीं। इसी दौरान कार चलाना सीख रही मनीषा ने अपना नियंत्रण खो दिया और कुसुम को जोरदार टक्कर मार दी। हादसे के बाद आसपास मौजूद लोगों ने कुसुम को गंभीर हालत में अस्पताल पहुंचाया। इलाज के दौरान देर रात उनकी मौत हो गई। परिजनों ने हादसे में लापरवाही की जांच कर जिम्मेदार महिला के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है।

सर्पदंश की शिकार नवजात को नहीं मिला इलाज, मौत

लखनऊ। राजधानी की सरकारी स्वास्थ्य व्यवस्था पर गम्भीर सवाल खड़े करने वाला मामला निगोहां क्षेत्र के उदयपुर गांव से सामने आया है। यहां जहरीले सर्प के डसने से गंभीर हुई महज 22 दिन की नवजात बच्ची को तीन सरकारी अस्पतालों में समय पर इलाज नहीं मिल सका। मां मासूम को गोद में लेकर एक अस्पताल से दूसरे अस्पताल तक दौड़ती रही और आखिरकार उसकी आंखों के सामने बेटी ने दम तोड़ दिया।

निगोहां के उदयपुर गांव में दिलीप कुमार अपनी पत्नी पूजा और तीन बेटियों सावनी, तृषा व 22 दिन की नवजात बेटी के साथ रहते हैं। पूजा के मुताबिक, उनके पति तीन दिन पहले बैजनाथ धाम कांवड़ यात्रा पर गए थे। गुरुवार रात वह अपनी तीनों बेटियों के साथ बेड पर सो रही थीं। देर रात जहरीले सर्प ने नवजात बेटी के बाएं हाथ की उंगली में डस लिया। कुछ ही देर में मासूम की हालत बिगड़ने लगी। घबराई मां परिजनों के साथ नवजात को लेकर मोहनलालगंज सीएचसी पहुंची। आरोप है कि वहां इमरजेंसी में मौजूद डॉक्टर ने तत्काल इलाज करने के बजाय उसे सिविल अस्पताल रेफर कर दिया। परिजन एंबुलेंस से मासूम को लेकर सिविल अस्पताल पहुंचे तो वहां भी इलाज शुरू करने के बजाय डसने वाले सर्प की फोटो मांगी गई। मां के पास सांप की फोटो नहीं होने की बात कहने पर बच्ची को झलकारी बाई अस्पताल रेफर कर दिया गया। मासूम की हालत लगातार बिगड़ती जा रही थी। मां उसे गोद में लेकर सिविल अस्पताल से झलकारी बाई अस्पताल पहुंची, लेकिन तब तक बहुत देर हो चुकी थी। अस्पताल पहुंचते ही डॉक्टरों ने नवजात को मृत घोषित कर दिया।

कावड़ यात्रा से लौटकर पिता ने किया अंतिम संस्कार : बेटी की मौत की खबर सुनते ही मां पूजा अपनी मासूम को सीने से लगाकर फूट-फूटकर रो पड़ी। मां की गोद में शांत पड़ी 22 दिन की बच्ची और उसके चारों ओर पसरा मातम हर किसी को झकझोर गया। जिस मासूम को बचाने के लिए मां अस्पताल-दर-अस्पताल दौड़ती रही, उसकी जिंदगी इलाज के इंतजार में खत्म हो गई। सवाल यह है कि यदि सर्पदंश के मामले में तत्काल उपचार उपलब्ध नहीं कराया जा सकता था तो फिर सरकारी अस्पतालों में इमरजेंसी सेवाओं का क्या मतलब है। परिजनों के आरोपों ने राजधानी की स्वास्थ्य व्यवस्था और मरीजों के प्रति संवेदनशीलता पर गम्भीर सवाल खड़े कर दिए हैं। शुक्रवार को घटना की जानकारी मिलने पर पिता दिलीप कुमार कांवड़ छोड़कर घर को रवाना हुये पिता के शनिवार को घर पहुंचने के बाद परिजन मासूम के शव का अन्तिम संस्कार करेंगे।

युवक ने फांसी लगाकर दी जान : महिगवां इलाके में शुक्रवार को एक युवक ने घर के अंदर पंखे में साड़ी के सहारे फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। महिगवां थानाप्रभारी राधेश्याम मौर्य ने बताया दिलीप रावत (28) निवासी पीहोकपुर ने शुक्रवार को घर में पंखे से साड़ी के सहारे फांसी लगाकर जान दे दी। घटना के वक्त परिवार के लोग खेत गए थे। तभी उसने यह कदम उठा लिया। युवक शादीशुदा था जिसके एक दो वर्ष की बेटी है। ग्रामीणों के मुताबिक पत्नी पश्चिम बंगाल की है लव मैरिज की थी। घटना की सूचना पुलिस को उसके चाचा संजय रावत ने दी।

चोरी के शक में दो युवकों को नंगा कर पीटा

● हिरासत में लेकर हो रही पूछताछ

विशेष संवाददाता (vol)

लखनऊ। सआदतगंज क्षेत्र के अम्बरगंज में चोरी के शक में दो युवकों को नंगा करके डंडे से पीटने का मामला सामने आया है। आरोप है कि दोनों युवक एक निर्माणाधीन घर में चोरी करने घुसे थे। आहट होने पर वहां सो रहे मजदूरों और मिस्त्री ने दोनों को पकड़ लिया। इसके बाद उन्हें बालागंज पुलिस चौकी ले जाया गया। वहां कार्रवाई नहीं हुई तो दोनों युवकों को वापस निर्माणाधीन इमारत में लाया गया। इसके बाद दोनों की डंडे से पिटाई की गई। घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर सामने आने के बाद पुलिस हरकत में आई।

सआदतगंज पुलिस ने चार लोगों को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है। हालांकि वीडियो की स्वतंत्र रूप से पुष्टि नहीं हुई है। अम्बरगंज चौकी प्रभारी योगेंद्र के मुताबिक, ठाकुरगंज इलाके में कुलदीप गुप्ता की ट्रेडर्स की दुकान है। वह अंबरगंज में एक इमारत का निर्माण करा रहे हैं। निर्माणाधीन इमारत में मिस्त्री और मजदूर ही रात में रुकते हैं। आरोप है कि दो युवक निर्माणाधीन इमारत में घुसे। इसी दौरान उन्होंने मोटर, एक मजदूर का मोबाइल और मिस्त्री के करीब 10 हजार रुपए चोरी कर लिए। आहट सुनकर मजदूरों और मिस्त्री की नींद खुल गई। उन्होंने दोनों युवकों को मौके पर ही पकड़ लिया। कुलदीप गुप्ता और उनके परिचित दोनों युवकों को ठाकुरगंज थाने की बालागंज पुलिस चौकी लेकर पहुंचे। आरोप है कि वहां मौजूद पुलिसकर्मियों ने दोनों के खिलाफ कार्रवाई नहीं की और उन्हें वापस भेज दिया। इसके बाद चोरी गए रुपए और सामान की बरामदगी के लिए दोनों युवकों को वापस निर्माणाधीन इमारत में ले जाया गया।

कपड़े उतरवाकर पीटा, फिर बनाया वीडियो : आरोप है कि निर्माणाधीन इमारत में दोनों युवकों के कपड़े उतरवाकर उन्हें डंडे से बुरी तरह पीटा गया। इस दौरान किसी व्यक्ति ने घटना का वीडियो बना लिया। बाद में वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया। वीडियो में दोनों युवक हाथ जोड़कर माफी मांगते नजर आ रहे हैं। सआदतगंज कोतवाली प्रभारी संतोष आर्य ने बताया कि वीडियो के आधार पर मामले की जांच की जा रही है। जिन युवकों की पिटाई की गई, उनकी तलाश की जा रही है।

पति से विवाद के बाद नहर में कूदी महिला

लखनऊ। कृष्णानगर क्षेत्र में पति से विवाद के बाद महिला ने नहर में छलांग लगा दी। महिला को डूबता देखकर मौके पर मौजूद पुलिसकर्मी नहर की ओर दौड़े। पुलिस ने राहगीरों की मदद से साड़ी के सहारे महिला को नहर से बाहर निकाला। इसके बाद उसे इलाज के लिए लोकबंधु अस्पताल भेजा, जहां उसकी हालत खतरे से बाहर बताई जा रही है। यह गुरुवार की है, जब पुलिस वाहनों की चेकिंग कर रही थी। पुलिस के अनुसार कासिमपुर पकरी आजाद नगर निवासी गुड़िया का पति सतीश लोधी से विवाद हुआ था। इसके बाद उसने नहर में छलांग लगा दी।

पेट्रोल पंप कर्मी ने युवकों को दौड़ा कर पीटा

लखनऊ। बिजनौर थाना क्षेत्र के एक पेट्रोल पंप कर्मी ने बाइक में तेल डालने को लेकर हुए विवाद में पांच-छह युवकों को लाठी-डंडे व बेल्ट से दौड़ाकर पीटने का आरोप लगाया है। फिलहाल पीड़ित की तहरीर पर पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। सरोजनीनगर के मानसरोवर सेक्टर-ओ स्थित क्रिस्टल लिंक अपार्टमेंट निवासी अमन मौर्या के मुताबिक वह बिजनौर रोड स्थित भोला फिलिंग स्टेशन पर कर्मचारी है। उसका कहना है कि नौ सितंबर की रात करीब 10:59 बजे बाइक (यूपी 32 एम डब्ल्यू 9176) सवार दो युवक अपनी बाइक में पेट्रोल लेने पहुंचे। आरोप है कि दोनों ने जबरन पाइप छीनकर बाइक में तेल डालना शुरू कर दिया। जब पेट्रोल पंप कर्मी ने विरोध किया तो आरोपियों ने कर्मचारियों और ग्राहकों से गाली-गलौज की। लेकिन इसके बाद पुनः रात पांच-छह युवक पेट्रोल पंप पर पहुंचे और अमन को जान से मारने की धमकी देते हुए उसे लाठी डंडों व बेल्ट से दौड़ा-दौड़ा कर पीटा।

अपराधी संदीप पर 25 हजार का इनाम घोषित

लखनऊ। शातिर अपराधी संदीप गौड़ पर पुलिस उपायुक्त जोन उत्तरी लखनऊ ने 25 हजार का इनाम घोषित किया। पुलिस का कहना है कि उसके खिलाफ थाना इटौंजा में अभियोग बीएनएस दर्ज है और वह उसमें वांछित है। संदीप गौड़ पुत्र राम गौड़ निवासी विरसिंघपुर थाना अटरिया जनपद सीतापुर, हालपता माल रोड आया मशीन के पीछे तुर्की कस्बा इटौंजा की गिरफ्तारी के लिए पुलिस उपायुक्त जोन उत्तरी लखनऊ ने 25,000 का इनाम घोषित किया है।

चोरी का ऑटो बरामद, अभियुक्त गिरफ्तार

लखनऊ। महानगर पुलिस ने चोरी के मामले में अभियुक्त को गिरफ्तार किया है। पुलिस काकहना है कि गुरुवार को पुष्पेन्द्र वीर सिंह पुत्र लाल साहब सिंह निवासी खलीफा यादव के किराये का मकान मोहल्ला चांदन इन्दिरानगर ने वाहन सं0-यूपी 32 एचएन 0236 टैम्पो को अज्ञात चोर द्वारा चोरी कर लेने के सम्बन्ध में मुकदमा दर्ज कराया गया था। घटना के शीघ्र अनावरण के लिए गठित पुलिस टीम ने सीसीटीवी फुटेज, तकनीकी साक्ष्यों व मुखबिर की सूचना के आधार पर अभियुक्त जितेन्द्र यादव पुत्र राम प्रकाश निवासी ग्राम अनौरा खुर्द थाना बीबीडी को अकबर नगर बंधा तिराहा थाना क्षेत्र महानगर से हिरासत में लिया।

समाजवादी पार्टी लखनऊ का उपाध्यक्ष मनोनीत

लखनऊ। सरोजनीनगर स्थित आइटीआरसी के निकट गहरू निवासी राजेश कुमार को समाजवादी पार्टी लखनऊ का जिला उपाध्यक्ष मनोनीत किया गया है। शुक्रवार को सपा जिलाध्यक्ष जय सिंह जयंत ने उन्हें मनोनयन पत्र सौंपा। जिलाध्यक्ष ने बताया कि पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव की अनुमति तथा प्रदेश अध्यक्ष श्यामलाल पाल के अनुमोदन के बाद राजेश कुमार को यह जिम्मेदारी दी गई है। जय सिंह जयंत ने कहा कि राजेश कुमार के मनोनयन से पार्टी को और मजबूती मिलेगी। उन्होंने उम्मीद जताई कि वह राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव की नीतियों, सिद्धांतों और विचारों को जन-जन व बूथ स्तर तक पहुंचाने के साथ संगठन को मजबूत करने में सक्रिय भूमिका निभाएंगे। वहीं राजेश कुमार के जिला उपाध्यक्ष बनने पर मौजूद पार्टी कार्यकताओं ने फूल-माला पहनाकर उनका स्वागत किया और सपा नेतृत्व का आभार जताया।

बीमा एजेंट को गोली मारकर बदमाश फरार

लखनऊ। मलिहाबाद क्षेत्र में शुक्रवार शाम फोटो स्टेट की दुकान पर फोटो कॉपी कराने गए बीमा एजेन्ट को दो बदमाशों ने गोली मार दी और फरार हो गए। शुक्रवार शाम पुलिस को सूचना मिली कि थाना मलिहाबाद क्षेत्रान्तर्गत बैंक ऑफ इण्डिया, ढेढेमऊ के सामने स्थित दुर्गेश मोबाइल एवं इलेक्ट्रॉनिक की दुकान के पास समेन्द्र यादव (36) पुत्र उमाशंकर निवासी ग्राम सैफलपुर थाना काकोरी को दो लोगों ने गोली मार दी है।

सूचना पाकर पुलिस बल मौके पर पहुंचा और घटनास्थल का निरीक्षण किया गया। घायल को अस्पताल भेजा गया है। घायल समरेन्द्र एलआईसी बीमा एजेंट है। पुलिस को प्रारम्भिक जांच के दौरान ज्ञात हुआ कि समेन्द्र यादव उस दुकान पर फोटो कॉपी कराने के लिए गए थे। इसी दौरान दो अज्ञात व्यक्ति मौके पर आए और उन्हें गोली मारकर मौके से फरार हो गए। घायल समरेन्द्र को पुलिस सीएचसी मलिहाबाद ले गयी, जहां से उन्हें ट्रॉमा सेंटर केजीएमयू रेफर कर दिया।

महिलाओं व बच्चियों को किया जागरूक

लखनऊ। डीसीपी दक्षिणी मो. मुश्ताक के निर्देशन में मिशन शक्ति फेज 5.0 अभियान के तहत शुक्रवार को सरोजनीनगर और बिजनौर पुलिस ने महिलाओं व बच्चियों को सुरक्षा के प्रति जागरूक किया।

इसके तहत सरोजनीनगर थाने की मिशन शक्ति टीम ने सैनिक सोसायटी कॉलोनी पहुंचकर महिलाओं को महिला सुरक्षा से जुड़े हेल्पलाइन नंबरों की जानकारी दी। इस दौरान महिला उप निरीक्षक सुष्मिता सिंह, महिला उप निरीक्षक निर्देश राजपूत, महिला कांस्टेबल सविता देवी और सुनीता यादव ने आपातकालीन सेवा 112, वीमेन पावर लाइन 1090, महिला हेल्पलाइन 181, मुख्यमंत्री हेल्पलाइन 1076, चाइल्ड हेल्पलाइन 1098 और अग्निशमन सेवा 101 के बारे में विस्तार से बताया।

नवोदय विद्यालय के गुरुजनों का सम्मान समारोह कल

वरिष्ठ संवाददाता (vol)

लखनऊ। नवोदय विद्यालय सेवानिवृत्त शिक्षक एवं कर्मचारी सम्मान समारोह 13 सितम्बर को होगा। यह जानकारी नवोदय परिवार की ओर से शुक्रवार को प्रेस क्लब आयोजित प्रेस वार्ता में दी गयी। इस अवसर पर नवोदय परिवार के सदस्य वेद प्रकाश राय, अनिल दीप आनंद, प्रज्ञा पांडेय, श्रीकांत मिश्रा, प्रो. राजश्री पांडेय, हरिशंकर गुप्ता, अवनीश चौबे, डॉ. नित्या वर्मा, डॉ. अनुराग मिश्रा उपस्थित रहे। आयोजन समिति के सदस्यों ने बताया कि रविवार को प्रातः 10 बजे होटल डैमसन प्लम, सुशांत गोल्फ सिटी में देशभर के नवोदय विद्यालयों से जुड़े 200 से अधिक सेवानिवृत्त डिप्टी कमिश्नर, असिस्टेंट कमिश्नर, प्राचार्य, पीजीटी-टीजीटी शिक्षक एवं कर्मचारीगण को सम्मानित किया जाएगा।

इनमें प्रमुख रूप से प्रेम कुमार गौतम (आईजी, एटीएस, उत्तर प्रदेश), रणवीर प्रसाद (आईएएस, प्रमुख सचिव, खाद्य एवं रसद विभाग), सूर्यपाल गंगवार (आईएएस, सचिव, मुख्यमंत्री, उत्तर प्रदेश), राजशेखर रेड्डी (आईएएस, सचिव, योजना विभाग), बबलू कुमार (आईपीएस, डीआईजी/ज्वाइंट कमिश्नर, लॉ एंड ऑर्डर), प्रशांत कुमार (आईएएस, आयुक्त एवं निबंधक, सहकारिता विभाग), रईस अख्तर (आईपीएस), जग प्रवेश (आईएएस, विशेष सचिव, वन, पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन विभाग), विजय कुमार (विशेष सचिव, कार्मिक विभाग, उत्तर प्रदेश), अमोल मुकुट (आईपीएस, एडीसीपी, पूर्वी जोन, लखनऊ), विकास पांडेय (एसीपी, बीकेटी) मौजूद रहेंगे।

अनिल सागर (एसडीएम, बाराबंकी), जयप्रकाश सिंह (तहसीलदार, सदर लखनऊ), राघवेंद्र त्रिपाठी (तहसीलदार, शाहजहांपुर), शालिनी तिवारी (तहसीलदार, रायबरेली), डॉ. वीरेंद्र प्रसाद (केजीएमयू), रविंद्र देव उपाध्याय (वाइस प्रेसिडेंट, मार्केटिंग, पेप्सिको, उत्तर प्रदेश), डॉ. मधुसूदन मिश्रा (सहायक प्रोफेसर, ऑर्थोपेडिक डिपार्टमेंट, केजीएमयू), श्रीकांत मिश्रा (निदेशक, अमरावती ग्रुप, लखनऊ), सीताराम नारोलिया (अध्यक्ष, नवोदय फैमिली वर्ल्डवाइड), विवेक तिवारी (प्रबंध निदेशक, सत्या माइक्रोफाइनेंस कैपिटल लिमिटेड), अरविन्द कुमार (नवोदयन ग्रोथ प्रालि), जे पी सिंह (तहसीलदार), संजीव (मोमेंटम कोचिंग), कमलेश, भूपेंद्र मिश्रा, रंजन चतुवेर्दी, रामा साहू, नईम, पुष्पेंद्र, राजीव द्विवेदी, राज प्रताप सिंह को कई पूर्व छात्रों को भी आमंत्रित किया गया है।

क्राइम सीन मैनेजमेंट के छठे प्रशिक्षण बैच का समापन

वरिष्ठ संवाददाता (vol)

लखनऊ। उत्तर प्रदेश पुलिस के विभिन्न जनपद /कमिश्नरेट में नियुक्त पुलिस अधिकारियों एवं कर्मचारियों को क्राइम सीन मैनेजमेंट के क्षेत्र में दक्ष एवं प्रशिक्षित किए जाने के उद्देश्य से उ0प्र0 स्टेट इंस्टीट्यूट ऑफ फॉरेंसिक साइंस में सप्ताह की अवधि का छठा प्रशिक्षण बैच संचालित किया गया। प्रशिक्षण कार्यक्रम के दौरान आरक्षी से निरीक्षक स्तर के लगभग 600 से अधिक प्रतिभागियों को अपराध स्थल के वैज्ञानिक प्रबंधन, साक्ष्यों के संरक्षण एवं संकलन, घटनास्थल के निरीक्षण, फॉरेंसिक तकनीकों तथा विवेचना में वैज्ञानिक साक्ष्यों के प्रभावी उपयोग से संबंधित विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों पर विशेषज्ञो द्वारा प्रशिक्षण प्रदान किया गया। प्रशिक्षण कार्यक्रम के समापन समारोह में राजीव कृष्ण, पुलिस महानिदेशक, उ0प्र0 द्वारा अपने संबोधन में प्रशिक्षण को सफलतापूर्वक पूर्ण करने वाले सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों को बधाई देते हुये कहा कि वैज्ञानिक एवं साक्ष्य आधारित विवेचना उत्तर प्रदेश पुलिस की कार्यप्रणाली में गुणात्मक परिवर्तन लाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। पुलिस महानिदेशक ने कहा कि पिछले कुछ वर्षों में उत्तर प्रदेश पुलिस के प्रशिक्षण एवं प्रशिक्षण अवसंरचना में उल्लेखनीय सुधार हुआ है, जिसका सकारात्मक प्रभाव फील्ड पुलिसिंग में दिखाई दे रहा है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की दूरदृष्टि एवं मार्गदर्शन में उप्र. स्टेट इंस्टीट्यूट ऑफ फॉरेंसिक साइंस की स्थापना इसी दिशा में एक मील का पत्थर है। राष्ट्रीय स्तर की क्षमताओं से युक्त इस संस्थान की स्थापना से उत्तर प्रदेश पुलिस की फॉरेंसिक क्षमता में अभिवृद्धि के साथ-साथ हमारे विवेचकों एवं पुलिसकर्मियों की वैज्ञानिक विवेचना संबंधी क्षमता निर्माण को भी एक सुदृढ़ आधार प्राप्त हुआ है। फॉरेंसिक, लॉ एवं साइबर के समन्वय से उच्च स्तरीय प्रशिक्षण उपलब्ध कराया जाना एक विशिष्ट एवं सराहनीय पहल है। उन्होंने बताया कि प्रशिक्षित पुलिसकर्मियों एवं पूर्व प्रशिक्षण बैचों के प्रयासों से प्रदेश में प्रतिमाह लगभग 5,000 क्राइम सीन्स को वैज्ञानिक तरीके से प्रोटेक्ट कर साक्ष्यों का संकलन, लेबलिंग, पैकेजिंग एवं एफएसएल तक प्रेषण किया जा रहा है। उन्होंने इसे वैज्ञानिक विवेचना की दिशा में एक महत्वपूर्ण एवं ठोस कदम बताया। पुलिस महानिदेशक ने कहा कि फिजिकल एवं साइंटिफिक एविडेंस अपराधी और अपराध के बीच संबंध स्थापित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। इससे गवाहों पर निर्भरता कम होने के साथ-साथ गलत विवेचना की संभावना घटती है और नागरिकों का पुलिस एवं न्याय व्यवस्था पर विश्वास मजबूत होता है। उन्होंने प्रशिक्षणार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि नई न्याय संहिताओं में वैज्ञानिक विवेचना एवं साक्ष्य संकलन को विशेष महत्व दिया गया है।

धर्म छिपाकर शादी का झांसा देकर युवती से संबंध बनाने का आरोप

लखनऊ। पारा क्षेत्र के बुद्धेश्वर में किराए पर रहने वाली बाराबंकी के नवाबगंज की मूल निवासी युवती ने एक युवक पर इंस्टाग्राम के जरिए पहचान बनाकर शादी का झांसा देने और धर्म छिपाकर करीब दो साल तक शारीरिक संबंध बनाने का आरोप लगाया है। युवती के मुताबिक आरोपी ने खुद को हिंदू बताते हुए अपना नाम राजू बताया था। बाद में असली पहचान सामने आने पर जब उसने दूरी बनाने की कोशिश की तो आरोपी ने उसे ब्लैकमेल करना शुरू कर दिया।

पुलिस के मुताबिक, युवती ने तहरीर में बताया कि कुछ वर्ष पूर्व इंस्टाग्राम पर अली कुरेशी नाम के युवक से जान-पहचान हुई थी। आरोप है कि युवक ने अपना नाम राजू बताते हुए खुद को हिंदू बताया और शादी का वादा किया। इसके बाद करीब दो साल तक युवती के साथ संबंध बनाए।

युवती का आरोप है कि बाद में उसे पता चला कि युवक ने धार्मिक पहचान छिपाई थी और उसका वास्तविक नाम अली कुरेशी है। इसके बाद उसने युवक से दूरी बनाने का प्रयास किया तो आरोपी फोटो और वीडियो वायरल करने की धमकी देकर ब्लैकमेल करने लगा। आरोप है कि उसने जान से मारने की धमकी भी दी। युवती के मुताबिक आरोपी ने उसके कुछ फोटो और वीडियो उसके पिता को भी भेजे।

ट्रैफिक सिपाही से ई-रिक्शा ने की मारपीट

लखनऊ। महानगर इलाके में सुशीला चौराहे पर गुरुवार रात करीब पौने ग्यारह बजे खड़े ई-रिक्शा से यातायात बाधित हो रहा था। यह देख ट्रैफिक सिपाही रजनीश ने चालक से ई-रिक्शा हटाने को कहा। इस पर चालक ने सिपाही गाली-गलौज कर धक्का मुक्की की। विरोध पर उन्हें पीट दिया। सिपाही की तहरीर पर पुलिस ने आरोपी चालक के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है।

इंस्पेक्टर महानगर अखिलेश कुमार मिश्रा के मुताबिक रात सुशीला चौराहे पर ट्रैफिक सिपाही रजनीश कुमार ड्यूटी पर थे। ट्रैफिक संचालन कर रहे थे। उन्होंने वायरलेस सेट पर मिले निर्देश से वह सेंट्रल अकादमी के ओर से आने वाले वाहनों को रोके जाने का इशारा किया। इस बीच एकाएक एक युवक ई-रिक्शा लेकर आया और सड़क पर खड़ा कर दिया।

तीन चोर गिरफ्तार

लखनऊ। मोहनलालगंज पुलिस ने केबिल चोरी करने वाले तीन शातिर चोरों को गिरफ्तार किया है। अभियुक्तों के कब्जे से दो बण्डल केबल व ऑटो बरामद किया गया है। पुलिस का कहना है कि गुरुवार को वाहन चोरों ने रायबरेली लखनऊ मार्ग के पास हरि रेस्टोरेन्ट के पास से 50.60 मीटर केबल काट कर चोरी कर लेने के सम्बन्ध में सत्य प्रकाश प्रार्थना पत्र दिया गया था। जिस पर थाना मोहनलालगंज पर मुकदमा दर्ज किया गया था।

सूचना

सूचित करना है कि कक्षा 9 के रजिस्ट्रेशन फार्म मे मेरे पुत्र KARTIKEY BAKSHI एवं माता का नाम बबिता श्रीवास्तव त्रुटिवश दर्ज हो गया है। जोकि गलत है। जबकि बेटे का सही नाम KARTIKEY BAKHSHI व माता का BABITA RANI है। **SANJEEV KUMAR BAKHSH पुत्र स्व: कालिका बख्श निवासी- मं.न.-444, सत्यप्रेमी नगर, बाराबंकी।**

हाईकोर्ट ने सात साल की सजा रद कर आरोपी को किया बरी

विधि संवाददाता

लखनऊ। इलाहाबाद हाईकोर्ट की लखनऊ खंड पीठ ने कहा है कि जब डॉक्टर और रेडियोलॉजिस्ट ने युवती की उम्र करीब 18 वर्ष बताई थी तो ट्रायल कोर्ट को खुद विशेषज्ञ बनकर उसके दांत और शारीरिक विशेषताओं के आधार पर उसकी उम्र 14 से 17 वर्ष नहीं तय करनी चाहिए थी। हाईकोर्ट ने कहा कि ट्रायल कोर्ट ने विशेषज्ञों की राय के ऊपर अपनी राय थोप दी। मेडिकल जांच से निर्धारित उम्र में दो वर्ष तक की त्रुटि की संभावना को देखते हुए युवती की उम्र घटना के समय 20 वर्ष तक भी हो सकती थी। ऐसे में अभियोजन यह साबित करने में विफल रहा कि वह नाबालिग थी।

न्यायमूर्ति सुभाष विद्यार्थी ने भैया लाल रैदास की अपील स्वीकार करते हुए उन्नाव की अपर सत्र अदालत के आठ फरवरी 2013 के फैसले को निरस्त कर दिया। ट्रायल कोर्ट ने उसे दोषी ठहराते हुए सात वर्ष के कठोर कारावास और 10 हजार रुपये जुमार्ने की सजा सुनाई थी। हाईकोर्ट ने आरोपी को इस आरोप से बरी कर दिया। कोर्ट ने पाया कि युवती के पिता ने एफआईआर में उसकी उम्र का उल्लेख नहीं किया था। गवाही में भी उन्होंने कहा था कि उन्हें बेटी की उम्र या जन्मतिथि की जानकारी नहीं थी। बाद में युवती ने अदालत में कक्षा आठ की मार्कशीट पेश करने की बात कही, जिसमें उसकी जन्मतिथि 25 सितंबर 1993 दर्ज बताई गई। इसके अलावा मार्कशीट को साबित करने के लिए संबंधित किसी अन्य सक्षम अधिकारी को भी गवाही में पेश नहीं किया गया।

अदालत ने युवती के अलग-अलग मौकों पर दिए बयानों को भी महत्वपूर्ण माना। मजिस्ट्रेट के सामने दिए बयान में उसने कहा था कि वह आरोपी के साथ अपनी इच्छा से गई थी। दोनों शादी करना चाहते थे और वह आरोपी के साथ रहना चाहती थी। उसने अपने माता-पिता के पास जाने से भी इनकार किया था। हालांकि अदालत में गवाही के दौरान उसने आरोप लगाया कि आरोपी ने उसे कुछ सुंघाकर बेहोश कर दिया और लुधियाना ले गया। हाईकोर्ट ने कहा कि अकेली पीड़िता की गवाही के आधार पर भी दोषसिद्धि हो सकती है, लेकिन उसकी गवाही उच्च स्तर की विश्वसनीयता वाली और पूरी तरह भरोसेमंद होनी चाहिए। हाईकोर्ट ने कहा कि युवती ने जांच अधिकारी और मजिस्ट्रेट के सामने दिए अपने पूर्व बयानों से इनकार नहीं किया था। उपलब्ध साक्ष्यों के आधार पर युवती की उम्र 20 वर्ष तक होने की संभावना थी। इसलिए अभियोजन यह संदेह से परे साबित नहीं कर सका कि घटना के समय वह नाबालिग थी।

भूमि अधिग्रहण मामले में रायबरेली के डीएम तलब

लखनऊ। इलाहाबाद हाईकोर्ट की लखनऊ खंडपीठ ने रायबरेली के मीरजहांपुर गांव में भूमि अधिग्रहण से जुड़े मामले में जिलाधिकारी और एडीएम को तलब किया है। कोर्ट ने पूछा है कि जब संबंधित भूमि मिनजुमला गाटा है और उसका मौके पर भौतिक बंटवारा नहीं हुआ है तो राजस्व अधिकारियों ने कैसे तय कर लिया कि अधिग्रहित और इस्तेमाल किया गया हिस्सा छह खातों में आता है, जिनमें याचिकाकताओं के नाम दर्ज नहीं हैं। मामले की सुनवाई 18 सितंबर 2026 को होगी। न्यायमूर्ति राजन राय और न्यायमूर्ति मंजिव शुक्ला की पीठ ने रायबरेली के जिलाधिकारी और संबंधित अपर जिलाधिकारी को 18 सितंबर को वीडियो कान्फ्रेंसिंग के माध्यम से पेश होने को कहा है।

मुख्य सूचना आयुक्त को अवमानना नोटिस

लखनऊ। इलाहाबाद हाईकोर्ट की लखनऊ खंडपीठ ने अपने आदेश का समय से अनुपालन नहीं किए जाने के आरोप में उत्तर प्रदेश के मुख्य सूचना आयुक्त डॉ. राज कुमार विश्वकर्मा के खिलाफ अवमानना कार्यवाही शुरू की है। कोर्ट ने नोटिस जारी करते हुए उनसे पूछा है कि 3 अप्रैल 2026 के हाईकोर्ट के आदेश की जानबूझकर और इरादतन अवहेलना के लिए उनके खिलाफ अवमानना का आरोप क्यों न तय किया जाए। यह आदेश न्यायमूर्ति सौरभ लवानिया ने विशाल कुमार गुप्ता की ओर से दाखिल एक अवमानना याचिका पर सुनवाई करते हुए दिया।

कोर्ट ने मामले को 13 अक्टूबर 2026 को पेश करने का निर्देश दिया है। आदेश के अनुसार, मुख्य सूचना आयुक्त को उस दिन अदालत में उपस्थित होकर अपना पक्ष स्पष्ट करना होगा। मामला हाईकोर्ट के 3 अप्रैल 2026 के आदेश के अनुपालन से जुड़ा है। उस आदेश में याचिकाकताओं को अपनी सेवा संबंधी शिकायतों के संबंध में संबंधित अधिकारी के समक्ष नए सिरे से व्यक्तिगत प्रत्यावेदन देने की अनुमति दी गई थी।

उत्तर रेलवे

ई–निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से वरिष्ठ मंडल यांत्रिक अभियंता सी0एण्ड डब्ल्यू0 लखनऊ के द्वारा ई टेंडर संख्या 288MechCWUpLaundryBSB26-3 के अंतर्गत खुली निविदाएं आमंत्रित की जाती है। जिसके बंद होने की तिथि व समय 02.10.2026, 15:00 बजे है जो उसी दिन 15:30 बजे वेबसाइट पर खोले जाएंगे। इस टेंडर के अन्तर्गत मैनुअल ऑफर स्वीकार्य नहीं होंगे। टेंडर से संबंधित अन्य जानकारी वेबसाइट www.ireps.gov.in पर उपलब्ध है।

टेंडरर ध्यान दें कि निविदा मूल्य (जैसा IREPS पर प्रावधान हो) का भुगतान वह केवल through online paymnet mode जो कि ireps पर उपलब्ध है जैसे कि नेट बैंकिंग, डेबिट कार्ड, क्रेडिट कार्ड आदि के माध्यम से ही स्वीकार्य है। डिमांड ड्राफ्ट, बैंकर्स चेक, जमा रसीदें, एफडीआर आदि के माध्यम से भुगतान की अनुमानित नहीं है।

कार्य का नाम	वाराणसी–आगुमेन्टेशन / अपग्रेडेशन आफ डिपार्टमेन्टल मैकेनाइज्ड लांड्री ऐट बीएसबी स्टेशन।		
निविदा टाइप	खुली निविदा	बिडिंग स्टाइल	सिंगल बिड सिस्टम
निविदा बंद होने की दिनांक एवं समय	02.10.2026 15:00 बजे.	अपलोडिंग दिनांक	12.09.2026
प्री बिड येस / नो	नो	प्री बिड कुएरी डेट टाइम	नाट एप्लीकेबल
एडवरटाइज्ड वैल्यू (रु)	2,89,16,170.19 (Including GST)	टेण्डरिंग सेक्शन	टेण्डर सी0एण्ड डब्ल्यू0
बिडिंग स्टाइल	सिंगल रेट फार ईच शिड्यल आइटम	बिडिंग यूनिट	%एज अबव / बिलो / एट पार
धरोहर राशि (रु. में)	5,78,300.00	ऑफर की वैधता	60 दिन
निविदा मूल्य (रु.)	निशुल्क	कार्य की अवधि	120 दिन
बिडिंग स्टार्ट डेट	18.09.2026		

No: 288MechCWUpLaundryBSB26-3 दिनांक 11.09.2026 3148/2026

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

गणेश उत्सव : बप्पा के स्वागत के लिए इको फ्रेंडली मूर्तियों की मांग ज्यादा

● 14 सितंबर से शुरू हो रहा गणेश उत्सव, तैयारियां अंतिम दौर में

वरिष्ठ संवाददाता (vol)

लखनऊ। गणेशोत्सव को लेकर राजधानी लखनऊ में बप्पा की मनमोहक मूर्तियों से बाजार पूरी तरह से सजने लगे हैं। जगह-जगह छोटी-बड़ी दुकानें लगाई गयी हैं, जहां तरह-तरह के गणेश जी की मूर्तियां बिकने के लिए आयी हैं। शहर में कई जगह अस्थाई दुकानें सज गई हैं।

गणपति बप्पा की मूर्ति के लिए मूर्ति विक्रेताओं एवं निमार्ताओं को आर्डर भी मिल रहे हैं। इस बार गणेश उत्सव 14 सितंबर से शुरू हो रहा है, जिसको लेकर बाजारों में भी अभी से खरीदारी के लिए खासी भीड़ उमड़ रही है। मूर्तिकार और कारीगर गणेश प्रतिमा को बनाने के काम में जुट गए हैं। छोटी मूर्तियों की सजावट का काम भी जोर शोर से चल रहा है। इस बार महंगाई का असर भगवान गणेश की मूर्तियों पर भी देखने को मिलेगा। मूर्तिकारों ने बताया कि लगभग 20 से 25 फीसदी तक मूर्तियां महंगी हो जाएगी। मूर्तिकार अलग अलग डिजाइन और पैटर्न में गणेश प्रतिमा का निर्माण कर रहे हैं। बाजार में 8 इंच से लेकर 14 फीट तक की गणेश प्रतिमाएं बाजार में देखने को मिलेंगी। आईटी चौराहे पर पिछले 10 सालों से दुकान लगा रहे कुंदन कुमार ने बताया कि पिछली बार से इस बार इको फ्रेंडली मूर्तियों की मांग काफी बढ़ी है। लोग मिट्टी की मूर्ति काफी पसंद कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि उनके पास 501 रुपये से लेकर 2 लाख तक की मूर्तियां हैं। लेकिन दुकान पर सबसे महंगी मूर्ति की कुमार 35 हजार रुपए की है। 2 लाख की मूर्ति हमने खास ऑर्डर पर बनाई है। वहीं, सजावट के लिए बाजारों में रंगीन झालरें, फूलों की माला, झालर, और थीम आधारित पंडाल सजावट का सामान ग्राहकों को आकर्षित कर रहा है। कोलकाता से आई गणपति मूर्तियां विशेष मिट्टी से तैयार की जाती हैं। इन्हें प्राकृतिक रंगों से रंगा जाता है और गहनों या भारी सजावट से नहीं सजाया जाता। इको-फ्रेंडली मूर्तियां होने की वजह से ये भक्तों की पहली पसंद बन चुकी हैं। शुद्धता और सादगी का ये अनूठा मेल शहर के पर्यावरण-प्रेमी भक्तों को खासा भा रहा है।

शुभ हैं ये अवतार: इन्द्रेश ने बताया कि वह मूर्तिकार हैं, हमेशा से ही मूर्तियां तैयार कर रहे हैं, लेकिन लखनऊ के लोगों की ओर से इस तरह का खास आदेश पहली बार आया है जब लोगों ने कहा कि उन्हें गजानन की मूर्ति डमरू, शिवलिंग, मोर और सिंहासन के साथ ही गाय के साथ चाहिए। इसी के साथ ही उनका मूषक भी लोगों को चाहिए था इसीलिए लोगों के आदेश के अनुसार मूर्तियां तैयार कर ली गई हैं। उन्होंने बताया कि गणेश भगवान को गाय, डमरू और मोर के साथ ही सिंहासन या शिवलिंग के साथ रखना घर में शुभ माना जाता है।

पेपर मिल कॉलोनी, निशातगंज: पेपर मिल कॉलोनी, निशातगंज में आयोजित गणेश उत्सव में इस बार भक्तों को जगन्ननाथपुरी मंडप के भव्य दर्शन होंगे। इसी जगन्नाथपुरी मंदिर के आकार में सजे भव्य पंडाल में पेपर मिल के बप्पा भक्तों को दर्शन देंगे। यहां गणेश उत्सव 14 सितंबर से होगा। यह जानकारी अक्षय समिति के महासचिव ने दी। उन्होंने बताया कि बीते 14 वर्षों से पेपर मिल कॉलोनी में अक्षय समिति द्वारा भव्य गणेश चतुर्थी समारोह का आयोजन किया जा रहा है। इसे पेपर मिल के बप्पा के नाम से जाना जाता है। गणेश उत्सव के दौरान हर रोज शाम को सामूहिक आरती होगी। इसमें सभी भक्त जनों को आरती का मौका मिलता है। फिर गंगा आरती होती है। इसके बाद प्रतिदिन सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन होगा। भजन संध्या, नृत्य और नाटिका प्रस्तुत की जाएगी।

वाटरप्रूफ पंडाल में विराजेंगे गणपति: गोमती तट स्थित झूलेलाल घाट पर आयोजित होने वाली शहर के सबसे बड़ी गणेश पूजा में इस बार गणपति बप्पा अक्षरधाम मंदिर की थीम पर सजे पंडाल में विराजेंगे। पूरा पंडाल वाटरप्रूफ और वातानुकूलित बनाया जाएगा। गणेश उत्सव 14 सितंबर से 24 सितम्बर तक मनाया जाएगा। गणेश उत्सव को लेकर पंडाल निर्माण की तैयारी जोरों पर है। कमेटी के संरक्षक भारत भूषण गुप्ता व अध्यक्ष घनश्याम अग्रवाल ने बताया कि इस बार पंडाल अक्षरधाम मन्दिर की थीम पर तैयार हो रहा है। पंडाल 100 फुट चौड़ा और 150 फीट लंबा बनाया जाएगा। वहीं इसकी ऊंचाई करीब 75 से 80 फिट रहेगी। पंडाल बनाने के लिए कोलकाता के करीब 21 कारीगर लगे हैं। संरक्षक भारत भूषण गुप्ता ने बताया कि महोत्सव में इस बार बच्चों के लिए नए-नए झूले आ रहे हैं। फास्ट फूड, आइसक्रीम, चाट व महिलाओं के श्रृंगार संबंधी सामग्री के स्टॉल लगाए जाएंगे।

मोर, डमरू और सिंहासन पर सवार होंगे गजानन : शहर के सबसे पुराने लकड़मंडी बाजार में कई सालों से गणपति बप्पा गौरी पुत्र गणेश जी की मूर्तियां तैयार कर रहे राजकुमार ने बताया कि जिस तरह से गणेश भगवान के नाम हैं जैसे सुमुख, एकदंत, कपिल, गजकर्णक, लंबोदर, विकट, विघ्न-नाश, विनायक, धूम्रकेतु, गणाध्यक्ष, भालचंद्र और गजानन उसी के अनुसार मूर्तियां तैयार की जाती हैं। इस साल लोगों ने उन्हें खास आदेश दिया था कि गजानन की मूर्तियां मोर, डमरू, सिंहासन, गाय और शिवलिंग के साथ ही होनी चाहिए इसीलिए इस बार ज्यादातर मूर्तियों को यही रूप देकर तैयार किया गया है। छोटी मूर्तियों की कीमत जहां 1000 रूपए से लेकर 3000 रूपए तक है तो वहीं बड़ी मूर्तियां कीमत 7000 रूपए से लेकर 20,000 रूपए तक है।

गणपति पूजा पर दिखेगा महंगाई का असर

लखनऊ। इस बार गणपति पूजा पर महंगाई का असर दिखेगा। मूर्ति बना रहे कारीगर अमरीश ने कहा है कि हर साल की तरह इस साल भी भगवान गणेश जी की मूर्ति को बनाने का काम 2 महीने पहले शुरू किया गया था। गणेश की छोटी मूर्तियों का निर्माण कार्य पूरा कर लिया गया है। अब बड़ी मूर्तियों के सजावट का निर्माण कार्य किया जा रहा है। इस साल मूर्तियों को बनाने में लगने वाले कच्चे सामान जैसे मिट्टी, लकड़ी, बांस, और पैरा के दाम बढ़ने के कारण मूर्ति के भी दाम में बढ़ोतरी देखने को मिलेगी, साथ ही इस बार कोरोना का असर कम होने के कारण बाजार में लगभग 14 फीट तक की गणेश प्रतिमाएं देखने को मिलेंगी। दुकानदार राजू ने बताया कि इस बार मूर्तियों की कीमत लगभग 15.20 प्रतिशत बढ़ गयी है, जिसकी सीधी वजह है अखबार का महंगा होना। जो अखबार पिछले साल तक 10 रुपये किलो मिलता था, इस बार वही अखबार की कीमत 30 रुपये किलो तक पहुँच गयी है। बड़ी मूर्तियों को बनाने के लिए काफी अखबार की जरूरत पड़ती है। इसलिए जो मूर्ति पिछले साल तक 2000 की मिलती थी वो अब 2500 तक की हो गयी है।

आज लखनऊ में होगा साहित्य और संस्कृति का महाकुंभ

● मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ करेंगे गोमती पुस्तक महोत्सव 2026 का शुभारंभ

वरिष्ठ संवाददाता (vol)

लखनऊ। कवियों, कहानीकारों और महान विद्वानों की परंपरा के लिए प्रसिद्ध लखनऊ एक बार फिर उत्तर भारत के साहित्यिक परिदृश्य के केंद्र में अपनी विशिष्ट उपस्थिति दर्ज करवाने के लिए तैयार है। राष्ट्रीय पुस्तक न्यास की ओर से गोमती पुस्तक महोत्सव के पाँचवें संस्करण का आयोजन 12 से 20 सितंबर 2026 तक लखनऊ विश्वविद्यालय में किया जा रहा है। नौ दिनों तक चलने वाला यह महोत्सव पुस्तकों, साहित्यिक संवादों और सांस्कृतिक प्रस्तुतियों का ऐसा भव्य आयोजन होगा, जिसके विराट उपस्थिति बाद तक भी महसूस की जाएगी। 11 सितंबर को लखनऊ विश्वविद्यालय के एपी सेन सभागार में आयोजित प्रेस वार्ता में राष्ट्रीय पुस्तक न्यास, भारत के निदेशक युवराज मलिक, लखनऊ विश्वविद्यालय की प्रोफेसर रोली मिश्रा (विभागाध्यक्ष, अर्थशास्त्र विभाग एवं प्रधान पुस्तकालयाध्यक्ष) ने इस सम्बन्ध में जानकारी दी। पत्रकारों को संबोधित करते हुए सर्वप्रथम प्रो रोली मिश्रा ने कहा कि यह लखनऊ विश्वविद्यालय के लिए एक महत्वपूर्ण अवसर है कि राष्ट्रीय पुस्तक न्यास के सहयोग से विश्वविद्यालय में इतना बड़ा आयोजन होने जा रहा है। गोमती पुस्तक महोत्सव 2026 का शुभारंभ 12 सितंबर को उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ करेंगे। उद्घाटन समारोह में लखनऊ विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. जय प्रकाश सैनी, बेसिक शिक्षा राज्य मंत्री संदीप सिंह, उच्च शिक्षा मंत्री योगेन्द्र उपाध्याय, माध्यमिक शिक्षा राज्य मंत्री गुलाब देवी, मुख्यमंत्री के सलाहकार अवनीश के. अवस्थी, बेसिक व माध्यमिक शिक्षा में एसीएस पार्थ सेन शर्मा उपस्थिति रहेंगे।

निदेशक ने कहा कि उत्तर प्रदेश सरकार यह महोत्सव मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की पुस्तकालयों और पुस्तक संस्कृति को बढ़ावा देने की मुहिम का हिस्सा है। लखनऊ और गोरखपुर में राष्ट्रीय स्तर के दो बड़े पुस्तक मेलों का आयोजन प्रदेश के लिए महत्वपूर्ण उपलब्धि है। चंद्र प्रकाश , वरिष्ठ संयोजक, आयोजन समिति , गोमती पुस्तक महोत्सव ने कहा कि एआई यानी आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की एंटीडोट पुस्तकें हैं। क्योंकि इंटरनेट पर जो कुछ भी उपलब्ध है वह न पुष्टिकृति है न कहीं से प्रमाणित है। इसलिए सिर्फ एआई के सहारे आप सही ज्ञान नहीं प्राप्त कर सकते हैं। उन्होंने लोगों से अधिक से अधिक संख्या में गोमती पुस्तक महोत्सव में शामिल होने की अपील की। प्रधानमंत्री के भारत को ज्ञान-आधारित समाज बनाने के विजन और मेक इंडिया रीड अभियान को आगे बढ़ाते हुए, शिक्षा मंत्रालय के अंतर्गत नेशनल बुक ट्रस्ट-इंडिया द्वारा उत्तर प्रदेश सरकार और लखनऊ विश्वविद्यालय के सहयोग से नौ दिवसीय गोमती पुस्तक महोत्सव 2026 का आयोजन किया जा रहा है।

साहित्य, संस्कृति और ज्ञान के इस महाकुंभ में लगभग 250 पुस्तक स्टॉल: साहित्य, संस्कृति और ज्ञान के इस महाकुंभ में लगभग 250 पुस्तक स्टॉल लगाए जाएंगे। इनमें 121 प्रकाशक शामिल हो रहे हैं, जो हिंदी, अंग्रेजी, उर्दू, अवधी एवं अन्य भारतीय भाषाओं की हजारों पुस्तकों का प्रदर्शन एवं बिक्री करेंगे। यह केवल पुस्तक महोत्सव नहीं है, बल्कि इसमें समृद्ध परंपराओं और समकालीन सरोकारों का सुंदर समायोजन किया गया है। पुस्तकों के अलावा गोमती पुस्तक महोत्सव में साहित्य, संस्कृति और प्रौद्योगिकी से जुड़े विविध विषयों पर प्रतिष्ठित लेखकों और विशेषज्ञों के साथ संवाद आयोजित किए जाएंगे।

इन सत्रों में महिला अस्मिता, युवा साहित्य, सतत विकास, अनुवाद, विरासत एवं लोककथाएँ, अंतरिक्ष एवं विज्ञान तथा आध्यात्मिकता जैसे विषयों पर विशेषज्ञों एवं लेखकों के साथ संवाद किया जाएगा। इन विशेष संवाद सत्रों में दिल्ली के उपराज्यपाल तरनजीत सिंह संधू, भारतीय अंतरिक्ष यात्री ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला, प्रसिद्ध लोकगायिका मालिनी अवस्थी, लेखक शांतनु गुप्ता और पद्मश्री से सम्मानित डॉ. विद्या विंदु सिंह सहित विभिन्न क्षेत्रों के अनेक प्रतिष्ठित कलाकार, रचनाकार, विशेषज्ञ एवं लेखक शामिल हो रहे हैं। इन सत्रों में भारत की साहित्यिक विरासत, किशोर साहित्य, अनुवाद, पुस्तक चर्चा और समकालीन पत्रकारिता जैसे विषयों पर भी संवाद किया जाएगा। लखनऊ के नन्हे पुस्तक-प्रेमियों के लिए नेशनल सेंटर फॉर चिल्ड्रन्स लिटरेचर (नेशनल बुक ट्रस्ट, इंडिया का बाल साहित्य प्रभाग) द्वारा पूरे नौ दिनों के लिए विशेष बाल मंडप तैयार किया गया है।

कथक, बैंड व मुशायरे से सजेगी अवध की शाम

महोत्सव में हर रोज शाम को उत्तर प्रदेश की समृद्ध परंपराओं और सांस्कृतिक विरासत को दशार्ने वाले विविध सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए जाएंगे। इनमें पारस बैंड की प्रस्तुति, कथक प्रस्तुतियाँ, बिरजू महाराज कथक संस्थान द्वारा कथक नृत्य-नाटिका रघुवंशम्, सुगम संगीत की शाम, शंभू शिखर और अन्य शायरों के साथ मुशायरा, लोक प्रस्तुतियाँ, भारतेन्दु नाट्य अकादमी द्वारा नाट्य प्रस्तुति तथा बेगम अख्तर को समर्पित विशेष दास्तानगोई सत्र शामिल हैं। इनके अलावा महोत्सव के दौरान विभिन्न संगीत प्रस्तुतियाँ भी आयोजित की जाएंगी। पुस्तक महोत्सव में आने वाले बच्चों एवं युवा पाठकों को राष्ट्रीय ई-पुस्तकालय को जानने और उसका उपयोग करने का अवसर भी मिलेगा। यह एक डिजिटल पुस्तकालय मंच है, जहाँ विभिन्न विधाओं और भाषाओं की सात हजार (7,000) से अधिक ई-पुस्तकों उपलब्ध हैं। पाठकों और विद्यार्थियों से लेकर शिक्षकों और लेखकों तक, गोमती पुस्तक महोत्सव 2026 सभी को लखनऊ की जीवंत साहित्यिक, सांस्कृतिक और रचनात्मक चेतना का उत्सव मनाने के लिए आमंत्रित करता है।

विवेकानंद के विचारों से युवाओं को राष्ट्र निर्माण का संदेश

लखनऊ। विश्व बंधुत्व दिवस के अवसर पर शुक्रवार को बीरबल साहनी इंस्टीट्यूट ऑफ पेलियोसाइंसेज, 53 यूनिवर्सिटी रोड, बाबूगंज, हसनगंज, लखनऊ में राष्ट्र सेविका समिति की ओर से युवा संवाद कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में युवाओं ने सहभागिता की और स्वामी विवेकानंद के विचारों, जीवन-दर्शन तथा राष्ट्र निर्माण में युवाओं की भूमिका पर संवाद किया। कार्यक्रम की मुख्य वक्ता अन्नदानम् सीता गायत्री दीदी, अखिल भारतीय प्रमुख कार्यवाहिका, राष्ट्र सेविका समिति रहीं। उन्होंने युवाओं को स्वामी विवेकानंद के जीवन और उनके प्रेरणादायी विचारों से जोड़ते हुए कहा कि विवेकानंद जी ने अपने जीवन से युवाओं को आत्मविश्वास, ज्ञान, संस्कार और राष्ट्र के प्रति समर्पण का संदेश दिया। उन्होंने शिकागो धर्म सम्मेलन में स्वामी विवेकानंद के ऐतिहासिक संबोधन का उल्लेख करते हुए बताया कि किस प्रकार उन्होंने विश्व पटल पर भारत की आध्यात्मिक एवं सांस्कृतिक शक्ति का परिचय कराया। सीता गायत्री दीदी ने स्वामी विवेकानंद के जीवन से जुड़े अनेक प्रेरक प्रसंग सुनाकर युवाओं को उनके आदर्शों को अपने जीवन में उतारने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम के दौरान युवाओं ने विभिन्न विषयों पर अपनी जिज्ञासाएं और प्रश्न रखे, जिनका उन्होंने सहज एवं सारगर्भित उत्तर देकर समाधान किया। कार्यक्रम की कॉर्डिनेटर डॉ. अनु शर्मा ने भी युवाओं को स्वामी विवेकानंद द्वारा दिए गए ज्ञान और उनके विचारों की प्रासंगिकता से अवगत कराया। उन्होंने कहा कि आज के युवा यदि विवेकानंद के विचारों को अपने जीवन में आत्मसात करें तो वे ज्ञान, नवाचार, उद्यमिता और राष्ट्र निर्माण के क्षेत्र में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। कार्यक्रम में पूर्वी उत्तर प्रदेश की क्षेत्र प्रचारिका आदरणीय शशि जी, लखनऊ विश्वविद्यालय की डीन, फैकल्टी ऑफ साइंस शीला मिश्रा जी, नवयुग गर्ल्स डिग्री कॉलेज की प्रोफेसर डॉ. मंजुला उपाध्याय जी तथा अखिल भारतीय सह संपर्क प्रमुख डॉ. ऋतु शर्मा जी की गरिमामयी उपस्थिति रही। युवा संवाद के माध्यम से युवाओं को ज्ञान से नवाचार, नवाचार से राष्ट्र निर्माण और राष्ट्र निर्माण से विश्व कल्याण की दिशा में आगे बढ़ने का संदेश दिया गया।

कार्यालय नगर पंचायत निघासन, जनपद लखीमपुर-खीरी

पत्रांक- 605/न.पं.नि./नि.सू.-पेयजल योजनान्तर्गत/2026-27, दिनांक- 11.09.2026

ई-निविदा सूचना

एतदद्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि निकाय को राज्य सेक्टर के 'पेयजल हेतु व्यवस्था' योजनान्तर्गत प्राप्त धनराशि से प्रस्तावित निम्न निर्माण कार्य हेतु ई-टेन्डरिंग के माध्यम से दिनांक- 05/10/2026 को समय अपरान्ह 3.00 बजे तक ऑनलाइन निविदाएं आमंत्रित की जाती है, जिसके ऑनलाइन निविदा प्रपत्र https://etender.up.nic.in पर उपलब्ध है जो कि दिनांक- 14/09/2026 से दिनांक- 05/10/2026 तक अपरान्ह 3.00 बजे तक डाउनलोड/अपलोड किये जा सकते हैं। अधिक जानकारी के लिए कृपया वेब साइट पर लॉग इन करें तथा बिड डाक्यूमेन्ट को डाउनलोड करें।

अधिशाषी अधिकारी
नगर पंचायत निघासन
लखीमपुर-खीरी

अध्यक्ष
नगर पंचायत-निघासन
जनपद-खीरी

कार्यालय नगर पंचायत निघासन, जनपद लखीमपुर-खीरी

पत्रांक- 603 /न०प०नि० /नि०सू०- 15वां वित्त / 2026-27 दिनांक-11/09/2026

ई-निविदा सूचना

एतदद्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि निकाय को 15वां वित्त आयोग (Tied Grant) द्वारा प्राप्त धनराशि से प्रस्तावित निम्न निर्माण कार्य हेतु ई-टेन्डरिंग के माध्यम से दिनांक- 24/09/2026 को समय अपरान्ह 3.00 बजे तक ऑनलाइन निविदाएं आमंत्रित की जाती है, जिसके ऑनलाइन निविदा प्रपत्र https://etender.up.nic.in पर उपलब्ध हैं जो कि दिनांक- 14/09/2026 से दिनांक- 24/09/2026 तक अपरान्ह 3.00 बजे तक डाउनलोड / अपलोड किये जा सकते हैं। अधिक जानकारी के लिए कृपया वेब साइट पर लॉग इन करें तथा बिड डाक्यूमेन्ट को डाउनलोड करें।

अधिशाषी अधिकारी
नगर पंचायत निघासन
लखीमपुर-खीरी

अध्यक्ष
नगर पंचायत-निघासन
जनपद-खीरी

जरूरतमंद परिवार की रोज मदद करें : सागर जी महाराज

वरिष्ठ संवाददाता (vol)

लखनऊ। आशियाना जैन मंदिर में चल रहे वषायोग के अंतर्गत पूज्य उपाध्याय श्री विहसंत सागर जी महाराज ने आज प्रवचन में दान के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि मंदिर का निर्माण करना पुण्य का कार्य है, लेकिन इसके साथ किसी जरूरतमंद और गरीब व्यक्ति की सहायता करना भी हमारा कर्तव्य है। उन्होंने कहा कि दान देने की शुरूआत अपने परिवार और रिश्तेदारों से करनी चाहिए।

यदि परिवार या रिश्तेदारी में कोई व्यक्ति आर्थिक रूप से कमजोर है तो सबसे पहले उसकी मदद करें। इसके बाद समाज में ऐसे परिवारों की सहायता करें, जिन्हें इलाज, बच्चों की पढ़ाई अथवा रोजगार शुरू करने के लिए आर्थिक सहयोग की आवश्यकता है। इन सबके बाद भी यदि किसी की मदद करने की इच्छा हो तो किसी गरीब और जरूरतमंद व्यक्ति की सहायता अवश्य करें। उपाध्याय विहसंत सागर जी महाराज ने कहा कि प्रत्येक व्यक्ति को यह नियम बना लेना चाहिए कि वह अपनी आवश्यकताओं पर संयम रखे और गलत चीजों में धन खर्च करने के बजाय प्रतिदिन किसी जरूरतमंद की सहायता करे। उन्होंने कहा, जिस दिन तुमने किसी गरीब की मदद करने का व्रत धारण कर लिया, उस दिन तुम्हारे अंदर भगवान का वास हो जाएगा। उन्होंने कहा कि जहां संयम, दया, तप, त्याग और ईमान रहता है, वहीं तीनों लोक के भगवान का वास होता है। उन्होंने लोगों को दूसरों के प्रति दया और संवेदना रखने का संदेश देते हुए कहा कि मनुष्य के भीतर मानवता और करुणा का भाव होना ही सच्ची धार्मिकता है। इस अवसर पर समाज के प्रमुख लोगों में आदीश जैन, राजेश जैन, संजीव जैन, अजय जैन, चंद्रप्रकाश जैन, बृजेश जैन, बंटी जैन, संजीव जैन, नलिन राज काशलीवाल, अखिलेश जैनसहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे। मीडिया प्रभारी सिद्धार्थ जैन ने बताया कि 30 अगस्त को जिस मानस्तंभ का भूमि पूजन और शिलान्यास किया गया था, उसका निर्माण कार्य तेजी से चल रहा है। निर्माण कार्य को लेकर समाज के लोगों में विशेष उत्साह और प्रसन्नता का माहौल है।

चकबंदी प्रक्रिया में धांधली पर प्रदर्शन

जिला संवाददाता(vol)

जौनपुर। बदलापुर तहसील के बनगांवपट्टी, के दो दर्जन से अधिक ग्रामीणों ने शुक्रवार को प्रदर्शन किया। उन्होंने चकबंदी प्रक्रिया में धांधली का आरोप लगाते हुए जिला प्रशासन को पत्र सौंपा। ग्रामीणों का आरोप है कि कुछ खास लोगों को फायदा पहुंचाने के लिए उनके पहले से आवंटित चक बदल दिए गए हैं। इससे गांव में आए दिन बुवाई और कटाई को लेकर गंभीर विवाद हो रहे हैं।

ग्रामीणों ने बताया कि उनके गांव में चकबंदी प्रक्रिया साल 1973-74 में शुरू हुई थी। चकों का आवंटन और कब्जा बदलने का काम 1995 तक पूरा हो गया था। कुछ लोगों ने इलाहाबाद हाईकोर्ट में एक विवाद को लेकर याचिका दायर की, जिससे चकबंदी का काम रुक गया था। कब्जा बदलने के बाद सभी चकदार अपने चकों पर मकान, दलान और पंपिंग सेट लगाकर शांतिपूर्वक खेती कर रहे थे। साल 2018-19 में चकबंदी का काम फिर से शुरू हुआ। इस दौरान चकबंदी लेखपाल और कानूनगो ने कुछ चकों का सर्वे किया। चकबंदी कार्यालय में काश्तकारों को भरोसा दिलाया गया कि पहले की प्रक्रिया के अनुसार ही सर्वे हो रहा है और कोई विवाद नहीं होगा। ग्राम-बनगाँव पट्टी, धर्मा (सलेखनपट्टी) बदलापुर मे रार्वे रिपोर्ट लागू न होना, गांव में बैठक न होना पुष्टीकृत मवशा मायब, रिकार्ड में छेड़छाड़ एवं जीर्णशीर्ण, बन्दोबस्त में गड़बड़ी के खिलाफ पीड़ितों का मुख्य मांग-गाँव में बैठक करके बन्दोबस्त अक्शा दुरस्तीकरण किया जाये। गांव में बिना किसी बैठक या सूचना के एक नया नक्शा बना दिया गया। यह नक्शा गांव के पुष्टीकृत भू-नक्शे के खिलाफ था। ग्रामीणों का आरोप है कि व्यक्ति विशेष को लाभ पहुंचाने के लिए पहले से आवंटित चकों को उनके मूल स्थान से हटाकर बदल दिया गया। ग्रामीण आज तक कलेक्ट्री और चकबंदी कार्यालयों के चक्कर लगा रहे हैं। चकबंदी अधिकारी सभी सबूत दिखाने पर भी धारा 52 का हवाला देकर टाल-मटोल करते हैं। जिलाधिकारी ने कई बार जांच के आदेश दिए, लेकिन आज तक कोई मौके पर नहीं आया और न ही कोई कार्रवाई हुई। गांव का पुष्टीकृत नक्शा भी गायब कर दिया गया है।

नगर पालिका में भ्रष्टाचार को लेकर प्रदर्शन

जौनपुर। नगर पालिका परिषद में व्याप्त कथित भ्रष्टाचार एवं कार्यों में लापरवाही को लेकर सपा नेत्री उषा जायसवाल के नेतृत्व में शुक्रवार को प्रदर्शन किया गया। इस दौरान जिलाधिकारी को सम्बोधित 7 सूत्रीय मांगों का ज्ञापन मुख्य राजस्व अधिकारी को सौंपा गया।

पत्रक के माध्यम से समाजवादी पार्टी महिला सभा की प्रदेश सचिव उषा जायसवाल ने कहा कि साफकुरूफाई, निर्माण आदि में जबर्दस्त लापरवाही बरती जा रही है। देखा जा रहा है कि जिला कारागार के पीछे स्थित पार्क, पॉलिटेक्निक चैराहे के पास स्थित लोहिया पार्क के रखरखाव में लापरवाही है। नगर पालिका द्वारा सप्लाई किये जाने वाले पेयजल को स्वच्छ एवं सुचारू रूप से न किये जाने, सद्भावना पुल के बगल में स्थित गोपी घाट पर नमामि गंगे द्वारा बनाया गया चेंजिंग रूम, शुलभ शौचालय को नगर पालिका को हैण्ड ओवर किये जाने, टूटी सड़क को समय से ठीक किये जाने, समय से मच्छरों के प्रकोप से बचने हेतु दवा का छिड़काव किये जाने की मांग किया। कहा कि चेयरमैन के कार्यों से ऐसा प्रतीत हो रहा है कि नगर पालिका भ्रष्टाचार का अड्डा बन गया है। राजेश यादव, सुशील चन्द्र दुबे, वीरेन्द्र यादव, सुशील यादव, पूनम यादव, शिवांगी यादव, राधिका यादव, पूजा यादव, शालिनी यादव, सोनी यादव, डा. जंग बहादुर यादव, लालता यादव आदि मौजूद रहे।

संक्षेप

चलाया स्वच्छता अभियान

आजमगढ़। पल्हनी विकास खंड क्षेत्र के ग्राम चक गोरया गांव में संचारी रोग के रोक थाम के लिए शुक्रवार को स्वच्छता अभियान चलाया गया। इस दौरान ग्रामीण सफाई कर्मियों ने झाड़ू लगाया और नालियों की सफाई कर एंटी लार्वा का छिड़काव किया। साथ ही ग्रामीणों को स्वच्छता के बारे में जागरूक किया। स्वच्छता अभियान में ग्रामीण सफाई कर्मचारी गुलाब चौरसिया, अभय चैहान समेत अन्य लोग मौजूद रहे।

मवेशी से टकरा कर कार पलटी

आजमगढ़। पवई थाना क्षेत्र के बखरिया गांव के पास पूर्वांचल एक्सप्रेसवे के किलोमीटर 192.6 पर शुक्रवार की सुबह करीब 6 बजे मवेशी से टकरा कर कार अनियंत्रित होकर पलट गई। करीब 50 मीटर तक कार घीसटते हुए आगे जा कर रूकी। कार में सवार लोग बाल-बाल बच गए। गाजीपुर जनपद के दुल्हपुर थाना क्षेत्र के ओडराई गांव निवासी कार चालक शैलेंद्र सुबह में लखनऊ की ओर जा रहे थे। पूर्वांचल एक्सप्रेसवे पर किलोमीटर 192.6 के पास पवई थाना क्षेत्र के बखरिया के पास पहुंचने पर कार के आगे छुट्टा मवेशी आ गया। जिससे कार अनियंत्रित होकर डिवाइडर से टकराने के बाद पलट गई। कार करीब 50 मीटर तक घसीटते हुए गई। कार में केवल चालक सवार था वह बाल-बाल बच गया। घटना के बाद मौके पर कुछ देर अफरा-तफरी रही। दुर्घटना की सूचना पर यूपीडा की टीम पहुंची। कार को सुरक्षित स्थान पर खड़ा किया।

गुड़िया हत्याकांड की फिर से जांच की मांग

जौनपुर। जिले के पनौली गांव में विगत दिनों हुई गुड़िया की हत्या के मामले को लेकर एआईएमआईएम के जिलाध्यक्ष इमरान बंटी पार्टी पदाधिकारियों के साथ पनौली गांव पहुंचे। उन्होंने मृतका के परिजनों से मुलाकात कर संवेदना व्यक्त की और परिवार को हरसंभव सहयोग का भरोसा दिलाया। जिलाध्यक्ष ने कहा कि मृतका के परिजन पुलिस की अब तक की कार्रवाई से संतुष्ट नहीं हैं। उन्होंने बताया कि मृतका की पुत्री के कई वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे हैं। उन्होंने पुलिस प्रशासन से आग्रह किया कि मामले की गंभीरता से जांच कर अन्य संभावित एंगल की भी जांच की जाए। कहा कि करीब सात-आठ माह पूर्व इसी पनौली गांव में फूलचंद्र पासवान नामक व्यक्ति की भी हत्या हुई थी। गांव के लोगों के अनुसार दोनों हत्याओं के घटनाक्रम में समानताएं बताई जा रही हैं। उन्होंने पुलिस प्रशासन से इस पहलू को भी गंभीरता से लेते हुए पूरे मामले की निष्पक्ष और गहन जांच कराने की मांग की। शमशाद अहमद, मोहम्मद जाबिर, इरशाद अहमद तथा सलमान अहमद मौजूद रहे।

लोक अदालत आज

जौनपुर। सिविल जज सी०डि०सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, सुशील कुमार सिंह ने अवगत कराया है कि जनपद न्यायाधीश/ अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के निर्देशन में 12 सितम्बर को प्रातः 10.30 बजे मीटिंग हाल, दीवानी न्यायालय परिसर, में राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन किया जाना प्रस्तावित है।

हाईवे पर कार की टक्कर से दो युवकों की मौत

मीरजापुर। जिले के प्रयागराज-मिर्जापुर हाईवे पर कार की टक्कर से दो की दर्दनाक मौत हो गई। दुर्घटना कल देर रात की बताई जा रही है। मीरजापुर-प्रयागराज हाईवे पर वृद्धाश्रम के पास तेज रफ्तार कार ने बाइक को पीछे से टक्कर मार दी, दुर्घटना को अंजाम देने के बाद कार चालक वाहन सहित फरार हो जाने में सफल रहा है। दुर्घटना में घायल दोनों बाइक सवार को नगर विधायक पं. रत्नाकर मिश्र ने मंडलीय अस्पताल भिजवाया था। मृतकों में भारत पाल, 35 वर्ष, पुत्र स्वर्गीय भरोसे पाल की मंडलीय अस्पताल में मौत हो गई है। जबकि दीनू पाल, 45 वर्ष, पुत्र लालजी पाल को बीएचयू वाराणसी रेफर कर दिया गया था जहां इलाज के दौरान उसकी भी मौत हो गई है। दोनों विंध्याचल कोतवाली क्षेत्र के चिकान टोला, विंध्याचल के निवासी बताएं गए हैं। पुलिस ने दोनों शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा। उधर उनके परिजनों में कोहराम मचा हुआ है।

पंचायत राज व जिला स्वच्छता समिति की समीक्षा बैठक संपन्न

मीरजापुर। पंचायत राज विभाग द्वारा संचालित समस्त योजनाओं एवं जिला स्वच्छता समिति की बैठक प्रभारी जिलाधिकारी विशाल कुमार की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित की गई। जिसमें जिला स्वच्छता समिति के सभी सदस्य एवं सभी सहायक विकास अधिकारी (पंचायत) उपस्थित रहे।

बैठक में दिये गये प्रमुख दिशा-निर्देश प्रभारी जिलाधिकारी द्वारा निर्देशित किया गया कि माह नवंबर 2026 तक अवशेष समस्त व्यक्तिगत शौचालयों का निर्माण कार्य पूर्ण करें। सामुदायिक शौचालयों की शत-प्रतिशत क्रियाशीलता हेतु सड़क के किनारे संचालित हो रही समस्त सामुदायिक शौचालयों का सर्वे कराकर ग्राम पंचायत विकास योजना में सम्मिलित किया जाए। साथ ही सामुदायिक शौचालयों की शत प्रतिशत क्रियाशीलता हेतु अभिनव प्रयास के अंतर्गत निर्मित 'विंध्य स्वच्छता प्रतिष्ठान' को जनरल स्टोर के रूप में विकसित करते हुए क्रियाशील किया जाए तथा विंध्य मार्ट से उत्पादित सामग्री को वहां रखा जाए और अभियान चलाकर माहवारी प्रबंधन हेतु जनपद की समस्त ग्राम सचिवालय एवं डिजिटल लाइब्रेरी तथा सामुदायिक शौचालय, विंध्य स्वच्छता प्रतिष्ठान पर ग्राम पंचायत के टाइड फंड या प्रधान, प्रशासक तथा एएनएम द्वारा खोले गए संयुक्त खाते की धनराशि से प्रति माह 5000 से व्यवस्था की जाए।इसके साथ ही जनपद में आरआरसी की शत प्रतिशत क्रियाशीलता सुनिश्चित की जाए

● माह नवंबर 2026 तक समस्त योजनाएं पूर्ण करने के निर्देश

और केयरटेकर के माध्यम से घर-घर कूड़े का निस्तारण करते हुए आरआरसी में इकट्ठा कर उसे सेग्रीगेट किया जाए। मुख्य विकास अधिकारी द्वारा निर्देशित किया गया कि ग्राम पंचायत में अधिक से अधिक ओएसआर जनरेट किया जाए जिससे उन्हें शासन स्तर से अधिक से अधिक धनराशि प्राप्त हो सके। जनपद में स्थापित इंटीग्रेटेड प्लास्टिक मैनेजमेंट यूनिट की सतत क्रियाशीलता एवं उत्पादन तथा विक्रय हेतु निर्देशित किया गया कि सभी सहायक विकास अधिकारी पंचायत प्रत्येक 15 दिवस पर इकट्ठा किए गए प्लास्टिक को वहां पर भेजें। स्वच्छ बाजार अभियान के अंतर्गत जनपद में संचालित 85 बाजारों में स्वच्छता सुविधा हेतु मोबाइल टॉयलेट कम से कम 4 यूनिट का क्रय कर लिया जाए।बायोगैस प्लांट की समीक्षा के दौरान विकासखंड पहाड़ी एवं विकासखंड हलिया की ग्राम पंचायत गौरा में स्थापित प्लांट को जल्द से जल्द ग्राम पंचायत को क्रियाशील करते हुए जल निगम से हस्तांतरित करने हेतु निर्देश दिए गए तथा जितने भी व्यक्तिगत शौचालय सिटिजन पोर्टल पर पेंडिंग हैं उन्हें अभियान चलाकर सत्यापन करते हुए शत-प्रतिशत पात्र लाभार्थियों को शौचालय से संतृप्त किया जाए।ठोस अपशिष्ट प्रबंधन नियम 2016 के अंतर्गत ग्राम पंचायत में बल्क वेस्ट जनरेटर एवं लेगेसी वेस्ट डंपिंग साइट का चिन्हांकन करते हुए उक्त नियम के अनुसार व्यवस्था सुनिश्चित की जाए जैसे ढाबा, होटल, रेस्टोरेंट, बारात घर, हॉस्पिटल, बाजार, उद्योग आदि तथा उनसे यूजर चार्ज भी लिया जाए। 'मेरा तालाब मेरी जिम्मेदारी' के अंतर्गत जनपद के 405 तालाबों को अभियान चलाकर मॉडल के रूप में विकसित करने हेतु निर्देश दिए गए तथा जनपद को प्लास्टिक फ्री बनाए जाने हेतु दीक्षित पोर्टल पर ज्यादा से ज्यादा पब्लिक के द्वारा ब्लैक स्पॉटों का चिन्हांकन करते हुए एवं चिन्हांकन तथा सफाई के बाद फोटो को भी अपलोड किया जाए।

श्रम का सम्मान करने के लिए कार्यकत्रियों व सहायिकाओं ने मुख्यमंत्री को दिया धन्यवाद

मीरजापुर। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की ओर से आंगनवाड़ी कार्यकत्रियों और सहायिकाओं के मानदेय में बढ़ोतरी व कैशलेस इलाज उपलब्ध कराए जाने की गई घोषणा से जिले की आंगनवाड़ी कार्यकत्रियों व सहायिकाओं में खुशी की लहर है। कार्यकत्रियों और सहायिकाओं ने मुख्यमंत्री की घोषणा को अपने सम्मान और उत्साह को बढ़ाने वाला कदम बताया है। उनका कहना है कि सरकार की ओर से उनकी मेहनत और जिम्मेदारियों को महत्व दिया जाना उनके लिए बेहद खुशी की बात है।

अयोध्या में आयोजित आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों व सहायिकाओं के नियुक्ति पत्र वितरण कार्यक्रम का यहां बरकछा स्थित बीएचयू के राजीव गांधी दक्षिणी परिसर के सभागार में लाइव प्रसारण किया गया। जिसमें सैकड़ों की संख्या में आंगनवाड़ी कार्यकत्रियां व सहायिकाएं मौजूद रहीं। आंगनवाड़ी केंद्र चिल्ह तृतीय की आंगनवाड़ी कार्यकत्री विद्यादेवी ने कहा कि आंगनवाड़ी केंद्रों के माध्यम से बच्चों, गर्भवती महिलाओं और धात्री माताओं तक सरकार की योजनाओं का लाभ पहुंचाने में कार्यकत्रियों की महत्वपूर्ण भूमिका है। उन्होंने कहा कि मानदेय बढ़ने से उन्हें बहुत खुशी हुई है। विद्यादेवी ने कहा कि सरकार ने कैशलेस इलाज की सुविधा से उन्हें जोड़कर उनके श्रम का सम्मान किया है। आंगनवाड़ी केंद्र मलाधरपुर प्रथम की सहायिका क्रांति देवी ने कहा कि आंगनवाड़ी केंद्र पर कार्यकत्री के साथ मिलकर बच्चों और महिलाओं से जुड़ी विभिन्न गतिविधियों में सहयोग करना उनकी नियमित जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि मानदेय बढ़ने व कैशलेस इलाज की सुविधा उपलब्ध कराए जाने की घोषणा से उनकी जैसी हजारों सहायिकाओं में उत्साह बढ़ा है। सरकार का यह कदम उनके परिवार के लिए भी राहत और खुशी लेकर आने वाला है। इसी तरह आंगनवाड़ी केंद्र अमोई द्वितीय की कार्यकत्री संजीता देवी ने कहा कि आंगनवाड़ी कार्यकत्रियां ग्रामीण क्षेत्रों में सरकार और लाभार्थियों के बीच महत्वपूर्ण कड़ी का काम करती हैं। बच्चों के पोषण, स्वास्थ्य और प्रारंभिक शिक्षा से लेकर महिलाओं को विभिन्न योजनाओं की जानकारी पहुंचाने में उनका अहम योगदान होता है। ऐसे में सरकार द्वारा मानदेय बढ़ाए जाने व कैशलेस चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराए जाने से उन्हें अपने दायित्वों को और बेहतर ढंग से निभाने की प्रेरणा मिलेगी।

सड़क किनारे लावारिस हालत में मिली बाइक, पुलिस जांच में जुटी

ड्रमंडगंज, मीरजापुर। क्षेत्र के ड्रमंडगंज देवघाट मार्ग स्थित देवहट गांव में सड़क किनारे एक बाइक लावारिस हालत में खड़ी देख ग्रामीणों ने पुलिस को सूचना दी। गुरुवार की देर रात से ही सड़क किनारे बाइक खड़ी देख ग्रामीणों ने शुक्रवार सुबह पुलिस को सूचना दी। सूचना पर पहुंची पुलिस लावारिस बाइक की जांच-पड़ताल करते हुए थाने ले गई। लावारिस हालत में मिली हीरो स्पलेंडर बाइक के नंबर प्लेट पर प्रयागराज जिले का नंबर अंकित है। वहीं गांव में लावारिस हालत में बाइक मिलने पर ग्रामीणों में तरह तरह की चचाएं व्याप्त हैं। ग्रामीणों का कहना है पूरी रात देवहट गांव में बाइक सड़क किनारे लावारिस हालत में पड़ी थी लेकिन पुलिस की नजर बाइक पर नही पड़ी। जिससे क्षेत्र में पुलिस की सक्रियता का अंदाजा लगाया जा सकता है। एसआई पुनीत गुप्ता ने बताया कि देवहट गांव में सड़क किनारे लावारिस हालत में मिली बाइक को थाना परिसर में खड़ी करवाया गया है। बाइक के नंबर प्लेट और चेचिस नंबर के आधार पर बाइक मालिक का पता लगाया जा रहा है। मामले की जांच की जा रही है।

48 लाख की लैब में सीपेज, बिजली गई तो थम जाती है मरीजों की जांच

लालगंज, मीरजापुर। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लालगंज में करीब 48 लाख रुपये की लागत से बनी 63 प्रकार की जांच प्रयोगशाला में बिजली व्यवस्था का कोई वैकल्पिक इंतजाम नहीं है। बिजली आपूर्ति बाधित होने पर मरीजों की जांच रुक जाती है और उन्हें बिजली आने का इंतजार करना पड़ता है। नवनिर्मित भवन में सीपेज भी मिला। शुक्रवार को सीएमओ डॉ. केके मिश्रा और डिप्टी सीएमओ मुकेश प्रसाद के निरीक्षण में यह स्थिति सामने आई। सीएमओ ने लैब टेक्नीशियन कृष्णा से जांच व्यवस्था की जानकारी ली। उसने बताया कि बिजली रहने पर ही जांच की जाती है। वैकल्पिक विद्युत व्यवस्था नहीं होने से बिजली कटने पर जांच प्रभावित होती है। इससे मरीजों को रिपोर्ट के लिए इंतजार करना पड़ता है। सीएमओ ने भवन में सीपेज की स्थिति भी देखी।निरीक्षण के दौरान उपस्थिति पंजिका की जांच में तीन कर्मचारी अनुपस्थित मिले। इनमें एक कर्मचारी चिकित्सकीय अवकाश पर था। सीएमओ ने ओपीडी, दवा वितरण, अल्ट्रासाउंड, डिजिटल एक्सरे और प्रसव व्यवस्था का भी जायजा लिया।अधीक्षक डॉ मनोज सिंह ने बताया कि ओपीडी नियमित चल रही है। वर्तमान में प्रतिदिन 450 से 500 मरीज उपचार के लिए पहुंच रहे हैं। सीएमओ ने चीफ फार्मासिस्ट एसएन सरोज और फार्मासिस्ट अवधेश द्विवेदी से दवाओं की उपलब्धता और वितरण की जानकारी ली।अल्ट्रासाउंड कक्ष में विशेषज्ञ डॉ संजय सिंह से गर्भवती महिलाओं की जांच के बारे में पूछा। डिजिटल एक्सरे केंद्र में प्रतिदिन होने वाली जांच की जानकारी ली। मरीज रमेश से अस्पताल की सुविधाओं के बारे में पूछा। रीता ने बताया कि घुटने में दर्द होने पर उसका एक्सरे कराया गया है। पांच दिन से बुखार से पीड़ित मनीराम ने बताया कि जांच में वायरल संक्रमण मिला है।सीएमओ ने आरबीएसके टीम के डॉ एसपी सिंह से क्षेत्र में चल रहे स्वास्थ्य कार्यक्रमों और डॉ अमर बहादुर से प्रसव व्यवस्था की जानकारी ली।निरीक्षण के दौरान डॉ. उपेंद्रनाथ पाठक, डॉ. शिवम, लैब टेक्नीशियन मुकेश सिंह, सिद्धार्थ उपाध्याय, राजेश श्रीवास्तव सहित अन्य स्वास्थ्यकर्मी मौजूद रहे।

सीसीटीवी तोड़कर दुकान में चोरी नगदी व सामान ले गये चोर

मड़िहान, मीरजापुर। थाना संतनगर क्षेत्र के दीपनगर में गुरुवार की रात करीब 1:30 बजे चोरों ने दुकान का ताला काटकर नगदी व सामान चोरी कर लिया। वारदात के दौरान चोरों ने सीसीटीवी कैमरा भी तोड़ दिया। घटना से दुकानदारों में दहशत है। जानकारी के अनुसार, ककरद निवासी सौरभ कुमार पुत्र स्वर्गीय मनोज कुमार दीपनगर में पान, टॉफी, बिस्कुट आदि की दुकान चलाते हैं। पीड़ित के मुताबिक, रात में अज्ञात चोर दुकान का ताला काटकर अंदर घुसे और सामान व नगदी लेकर फरार हो गए। इसी दौरान उदयराज का सीसीटीवी कैमरा भी तोड़ दिया गया। घटना से संबंधित कुछ दृश्य कैमरे में कैद होने की बात सामने आई है। पीड़ित ने अज्ञात चोरों के खिलाफ थाना प्रभारी संतनगर को प्रार्थना पत्र देकर कार्रवाई की मांग की है। पुलिस ने मामले की जांच का आश्वासन दिया है। अब देखना है कि पुलिस चोरी का खुलासा कर आरोपियों को कब तक गिरफ्तार करती है।

मारपीट में चार के खिलाफ मुकदमा दर्ज

आजमगढ़। सिधारी थाना क्षेत्र के सुरसी गांव में गुरुवार को घर में प्रवेश करने को लेकर हुए विवाद में पुलिस ने अंकित यादव समेत चार लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। प्रेमा देवी पत्नी स्व. श्यामलाल यादव ने आरोप लगाया है कि उनका बेटा संतोष यादव करीब 20 वर्षों से अपनी पत्नी सुमन यादव और बच्चों के साथ वर्धमान पश्चिम बंगाल में राजीरोटी के लिए रहता है। गुरुवार को संतोष अपनी पत्नी और बच्चों के साथ घर पहुंचा था। प्रेमा देवी का आरोप है कि परिवार के ही सुभाष चंद यादव, उनकी पत्नी विद्या देवी, उनका पुत्र और अंकित यादव, शनि यादव ने संतोष और उसके पत्नी को घर में प्रवेश नहीं करने दिया। उनका सामान भी बाहर फेंक दिया गया। विरोध करने पर प्रेमा देवी, उनके बेटे संतोष यादव और बहू सुमन यादव को आरोपियों ने लाठी डंडा से मारपीट कर घायल कर दिया। मारपीट के दौरान प्रेमा देवी का कर्ण फूल और सुमन का मंगलसूत्र भी गिर गया। आस-पास के लोगों ने बीच बचाव किया। प्रेमा की तहरीर पर पुलिस ने सुभाष चंद यादव, उनकी पत्नी विद्या देवी, उनका पुत्र और अंकित यादव, शनि यादव के विरूद्ध रिपोर्ट दर्ज कर जांच कर रही है।

युवक ने फांसी लगाकर दी जान

जौनपुर। केराकत कोतवाली क्षेत्र के थानागद्दी चैकी अंतर्गत मथुरापुर गांव में गुरुवार देर रात 22 वर्षीय युवक अरमान अली ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। घटना की जानकारी होते ही परिजनों में कोहराम मच गया। अरमान अपने मां-बाप का इकलौता बेटा था।सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। घटना के बाद परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। युवक ने यह कदम क्यों उठाया, इसका कारण स्पष्ट नहीं हो सका है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

छात्राओं को बताये आत्मनिर्भरता के गुर

जौनपुर। अतुल्य वेलफेयर ट्रस्ट द्वारा आयोजित 45 दिवसीय निःशुल्क सौंदर्य प्रशिक्षण शिविर ब्यूटी पार्लर टी डी कॉलेज दक्षिणी गेट पर आयोजित किया गया, इस शिविर में छात्राओं और महिलाओ ने सौंदर्य कला के साथ आत्मनिर्भरता और आत्मविश्वास के नए आयाम सीखे। समारोह का शुभारंभ मुख्य अतिथि बयालसी महाविद्यालय प्राचार्य डॉ अलकेश्वरी सिंह और विशिष्ट अतिथि तिलकधारी सिंह महाविद्यालय प्रोफेसर डॉ माया सिंह ने दीप प्रज्ज्वलन के साथ किया। मुख्य अतिथि ने कहा कि जिस तरह से प्रशिक्षणार्थियों ने सीखने की ललक और उत्साह के साथ प्रत्येक गतिविधि में भाग लिया, जिससे उनके भीतर की प्रतिभा दिखाई दे रही है बहुत ही सराहनीय कार्य है।

विशिष्ट अतिथि डॉ0 माया ने कहा कि हुनर केवल हाथों को दक्ष नहीं बनाता, बल्कि व्यक्ति को अपने पैरों पर खड़े होने का साहस भी देता है।भविष्य में ये बच्चियाँ किसी पर आश्रित नहीं रहेगी, खुद से अपनी एक पहचान बना सकती है, ऐसे बच्चों को सिर्फ एक उत्साहवर्धन की जरूरत होती है। कुल 30 बच्चियों ने प्रशिक्षण कार्यशाला में भाग लिया। सभी बच्चियों और महिलाओ को प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया! कार्यशाला में बेहतर प्रदर्शन मे सुशीला यादव वैक्स, जानकी हेयर स्टाइल कोमल अग्रहरि मेकअप मे रही जिनको मोमेंटो देकर सम्मानित किया गया! मुख्य अतिथि डॉ अलकेश्वरी सिंह और विशिष्ट अतिथि डॉ माया सिंह के साथ क्षमा सिंह, रेखा सिंह, उर्वशी सिंह ने सभी को बच्चियों को सर्टिफिकेट और मोमेंटो देकर सम्मानित किया! धन्यवाद और आभार ट्रस्ट परिवार की सदस्य रेखा सिंह ने किया और संचालन क्षमा सिंह ने किया!

युवक की रॉड और हॉकी से पीटकर हत्या

जौनपुर। लाइन बाजार थाना क्षेत्र के रामदयाल गंज बाजार में दिनदहाड़े एक युवक की लाठी-डंडे, लोहे की रॉड और हॉकी से हमला कर हत्या कर दिए जाने से सनसनी फैल गई। वारदात के बाद आरोपी मौके से फरार हो गए।

घटना से आक्रोशित परिजनों ने शव को सड़क पर रखकर जौनपुर-भदोही राष्ट्रीय राजमार्ग को दोनों तरफ से जाम कर दिया। करीब पांच घंटे तक चले प्रदर्शन के कारण आवागमन प्रभावित रहा।मृतक की पहचान लाइन बाजार क्षेत्र के तिवारीपुर निवासी विशाल यादव के रूप में हुई है। बताया गया कि शुक्रवार सुबह करीब सात बजे विशाल अपने भाई के साथ बाइक से रामदयाल गंज बाजार में हेयर कटिंग कराने गया था। वापस लौटते समय पहले से घात लगाए बैठे लोगों ने दोनों को रोक लिया और हमला कर दिया। परिजनों का आरोप है कि हमलावरों ने विशाल पर लोहे की रॉड और हॉकी समेत लाठी-डंडों से ताबड़तोड़ प्रहार किए। गंभीर चोट लगने के कारण विशाल की मौके पर ही मौत हो गई। उसे बचाने के प्रयास में उसका भाई भी घायल हो गया। घटना के बाद हमलावर मौके से फरार हो गए। मृतक के बड़े भाई विकास यादव के मुताबिक, जिन लोगों पर हमला करने का आरोप है, उनसे पहले से रंजिश चली आ रही थी। विकास का आरोप है कि इसी रंजिश को लेकर विशाल को निशाना बनाया गया। घटना के बाद दहशत के चलते कई दुकानदारों ने अपनी दुकानों के शटर गिरा दिए। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और स्थिति को नियंत्रित करने का प्रयास शुरू किया। पुलिस अधिकारियों ने काफी देर तक परिजनों को समझाने का प्रयास किया। करीब पांच घंटे बाद परिजन शांत हुए और शव को पोस्टमार्टम के लिए ले जाने पर सहमत हुए। परिजनों ने आरोप लगाया कि घटना के समय मौके के आसपास दो पुलिसकर्मी मौजूद थे, लेकिन उन्होंने हमले को रोकने या पीड़ितों की मदद करने के लिए प्रभावी हस्तक्षेप नहीं किया।

स्थायी विसर्जन स्थल, तमसा नदी के घाटों पर सुरक्षा जाली लगाये जाने की उठी मांग

आजमगढ़। दुर्गा पूजा एवं विजयादशमी पर्व को सुरक्षित, व्यवस्थित ढंग से संपन्न कराने के लिए आर्यमगढ़ दुर्गा पूजा महासमिति ने आजमगढ़ में स्थायी दुर्गा प्रतिमा विसर्जन स्थल बनाए जाने की मांग उठाई है। महासमिति के अध्यक्ष अरविन्द मोदनवाल ने जिलाधिकारी को ज्ञापन सौंपकर इस दिशा में ठोस एवं समयबद्ध पहल किए जाने का आग्रह किया।

महासमिति के अध्यक्ष अरविन्द मोदनवाल ने कहा कि स्थायी विसर्जन स्थल की मांग केवल धार्मिक आयोजन से जुड़ी नहीं है, बल्कि यह जनसुरक्षा, पर्यावरण संरक्षण और धार्मिक आयोजनों की गरिमा से भी संबंधित है। उन्होंने उम्मीद जताई कि जिलाधिकारी के नेतृत्व में इस दिशा में सकारात्मक पहल होगी और आजमगढ़ में विकसित होने वाला विसर्जन स्थल भविष्य में प्रदेश के लिए अनुकरणीय मॉडल बनेगा। उन्होंने बताया कि वर्तमान में नगर की दुर्गा प्रतिमाओं का विसर्जन हथिया एवं सिधारी तट के आस-पास अस्थायी व्यवस्था के तहत कराया जाता है। भीड़, यातायात, नदी सुरक्षा संबंधी परिस्थितियों के चलते यहां दुर्घटना की आशंका बनी रहती है। साथ ही श्रद्धालुओं की धार्मिक भावनाओं के अनुरूप विसर्जन के लिए स्थायी एवं सुविधाजनक व्यवस्था का अभाव है। महासमिति के नगर संयोजक हिमांशु राज ने मांग किया कि नगर में स्थायी, सुरक्षित एवं सर्वसुविधायुक्त विसर्जन स्थल विकसित किया जाए। स्थल पर पक्का घाट, प्रकाश व्यवस्था, बैरिकेडिंग, पाण्डाल स्थलों के आस-पास जर्जर तारों को समय रहते दुरूस्त कराया जाये, सड़क का मरम्मत कार्य, सुरक्षा व्यवस्था और पहुंच मार्ग जैसी मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएं। इसके साथ ही हथिया गांव की ओर नया सुव्यवस्थित घाट विकसित करने तथा तमसा नदी के पुलों एवं संवेदनशील स्थानों पर मजबूत सुरक्षा जाली अथवा रेलिंग लगाने की मांग की गई। वहीं मिथुन निषाद, लिली मौर्या ने आगामी दुर्गा पूजा को देखते हुए संबंधित विभागों के अधिकारियों के साथ स्थल का सर्वेक्षण कर स्थायी कार्ययोजना तैयार कर समयबद्ध कार्रवाई कराने का भी आग्रह किया गया। इस अवसर पर विकास वर्मा, मिथुन निषाद, श्री चन्द्र मौर्य, विशाल गुप्ता, हरिओम मोदनवाल, राजेंद्र गुप्ता, आदित्य सोनकर, विश्वजीत सिंह आदि शामिल रहे।

निरीक्षण में कई दुकानों मिली घटतौली

जौनपुर। वरिष्ठ निरीक्षक विधिक माप विज्ञान द्वारा टीम गठित करके मड़ियाहूँ बाजार में निरीक्षण किया गया। निरीक्षण में मे० चौरसिया मिष्ठान भंडार, सदरगंज, मड़ियाहूँ, जौनपुर में 1 किग्रा मिठाई पर 76 ग्रा एवं मे० बीकानेर मिष्ठान भंडार, सदरगंज, मड़ियाहूँ, में 1 किग्रा मिठाई पर 92 ग्रा की घटतौली पाए जाने पर विधिक कार्यवाही की गयी। इसी प्रकार मे० विनोद जलपान गृह, सिपाह रेलवे फाटक के समीप, जौनपुर में 1 लीटर स्प्राईट के विक्रय पर ओवरचार्जिंग पाए जाने पर विधिक कार्यवाही की गयी। धर्मेंद्र कुमार ओमप्रकाश ज्वेलर्स, बनारसी अलंकार मंदिर, हर्ष मोदनवाल (मीठा विक्रेता), मोहनलाल (मीठा विक्रेता), गारन्टी ज्वेलर्स, सुमित्रा देवी (मीठा विक्रेता), शाहआलम (सब्जी विक्रेता), एवं एम एन ट्रेडर्स जौनपुर के बाँट-माप नियमानुसार सत्यापित नहीं पाए जाने के कारण विधिक माप विज्ञान अधिनियम की संगत धाराओं के अंतर्गत कार्यवाही सम्पादित की गयी। दुकानदारों को निर्देशित किया गया कि वे अंकित मूल्य से अधिक मूल्य पर किसी भी सामान का विक्रय न करें एवं अपने बांटों-मापों का ससमय सत्यापन-मुद्रांकन कराना सुनिश्चित करें।

ट्रेन में कुरकुरे दिलाने के बहाने मासूम को ले भागा संदिग्ध

जिला संवाददाता(vol)

मीरजापुर। ट्रेन में सफर के दौरान मासूम बालिका को लेकर फरार हुए संदिग्ध व्यक्ति के सीसीटीवी फुटेज में कैद होने के बाद जीआरपी पुलिस उसकी तलाश में जुट गई है।

बताते चलें कि जिले के संतनगर थाना क्षेत्र स्थित कमलापुर ओबराडीह गांव निवासनी आशा देवी दिल्ली जाने के लिए घर से निकली थी। मिर्जापुर रेलवे स्टेशन से ट्रेन में सवार होकर वह आगे बढ़ी थी कि तभी मिर्जापुर से ही सवार हुआ एक व्यक्ति ट्रेन के सफर के दौरान उनसे घुल-मिल गया। अज्ञात व्यक्ति ने प्रयागराज रेलवे स्टेशन पर बेटी को कुरकुरे दिलाकर लाता हूं कहकर नौ वर्षीय मासूम को अपने साथ लिया और फिर वापस नहीं लौटा। देखते ही देखते कुछ मिनटों का इंतजार घंटों की बेचैनी में बदल गया। मां स्टेशन पर अपनी बेटी को खोजती रही, लेकिन मासूम का कहीं पता नहीं चला।मामले में पीड़ित मां की तहरीर पर जीआरपी प्रयागराज में अज्ञात आरोपी के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। वहीं घटना के बाद रेलवे स्टेशन पर लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली गई। बताया जा रहा है कि फुटेज के आधार पर संदिग्ध की पहचान करने के बाद पुलिस ने उसकी तलाश तेज कर दी है। पुलिस की टीमें बच्ची को सकुशल बरामद करने और आरोपी तक पहुंचने के प्रयास में जुटी हैं। घटना 08 सितंबर 2026 की बताई जा रही है। मड़िहान थाना क्षेत्र की रहने

● सीसीटीवी फुटेज में दिखे संदिग्ध की तलाश तेज

वाली आशा देवी अपनी नौ वर्षीय बेटी और मुंह बोले भाई अनुज के साथ दिल्ली जाने के लिए घर से निकली थीं। प्रयागराज से आगे की यात्रा के लिए वह मिजार्पुर रेलवे स्टेशन पहुंचीं। यहीं उनकी मुलाकात एक अजनबी व्यक्ति से हुई। उसने भी स्वयं को दिल्ली जाने वाला बताया। एक ही मंजिल की बात सुनकर सामान्य यात्री की तरह बातचीत शुरू हुई और परिवार को उस समय उस पर किसी तरह का संदेह नहीं हुआ। पीड़ित मां की ओर से पुलिस को दी गई तहरीर के मुताबिक, उस व्यक्ति ने भी उनके साथ टिकट लिया। शाम करीब छह बजे सभी ट्रेन से प्रयागराज के लिए रवाना हुए। कुछ घंटों का यह साथ धीरे-धीरे विश्वास में बदलता गया। किसी को अंदाजा नहीं था कि यही भरोसा आगे चलकर परिवार के लिए इतनी बड़ी परेशानी का कारण बन जाएगा। प्रयागराज रेलवे स्टेशन पहुंचने के बाद करीब साढ़े सात बजे शाम आरोपी ने मासूम से कुरकुरे दिलाने की बात कही और उसे अपने साथ लेकर चला गया। मां को लगा कि वह बच्ची को कुछ खाने का सामान दिलाकर कुछ ही मिनट में वापस आ जाएगा। वह इंतजार करती रही। पहले पांच-दस मिनट गुजरे, फिर समय बढ़ता चला गया। लेकिन न वह अजनबी लौटा और न ही उसके साथ गई बच्ची। दुकानों, प्लेटफॉर्म और आसपास के हिस्सों में मासूम को तलाशा गया, लेकिन हर कोशिश के बाद परिवार के हाथ मायूसी ही लगी। काफी खोजबीन के बाद भी जब मासूम का कोई सुराग नहीं लगा तो परिजन जीआरपी के पास पहुंचे और पूरी घटना बताई। मां की तहरीर के आधार पर अज्ञात व्यक्ति के विरुद्ध मुकदमा दर्ज कर पुलिस ने जांच शुरू कर दी। घटना रेलवे स्टेशन जैसे संवेदनशील और भीड़भाड़ वाले स्थान पर होने के कारण सीसीटीवी कैमरों को जांच का महत्वपूर्ण आधार बनाया गया। पुलिस ने स्टेशन तथा आसपास लगे कैमरों की फुटेज खंगालनी शुरू की। बताया जा रहा है कि कैमरों में बच्ची को साथ ले जाता संदिग्ध दिखाई पड़ा है।

संक्षेप

भाजपा नेता के पैट्रोल पंप का सांसद ने किया उद्घाटन

मथुरा। कृष्णापुरी चौराहे पर शुक्रवार को इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन द्वारा संचालित उमा शंकर फ्यूल पंप का विधिवत शुभारंभ हुआ। सांसद हेमा मालिनी और सांसद तेजवीर सिंह ने नारियल फोड़कर पेट्रोल पंप का उद्घाटन किया। इस मौके पर सांसद हेमा मालिनी ने कहा कि कृष्णापुरी जनरल गंज बंगाली घाट और आसपास के क्षेत्र में पेट्रोल पंप की लंबे समय से आवश्यकता महसूस की जा रही थी। नए पेट्रोल पंप के शुरू होने से क्षेत्र के वाहन स्वामियों को अब अपने घर के नजदीक ही पेट्रोलियम उत्पाद उपलब्ध हो सकेंगे। इससे लोगों को पेट्रोल-डीजल के लिए दूर नहीं जाना पड़ेगा। उद्घाटन के पहले दिन पेट्रोल पंप स्वामी भाजपा नेता संजय गोविल की ओर से वाहन चालकों के लिए विशेष ऑफर की घोषणा की गई। इसके तहत शुरूआती दो घंटे में 100 रुपये का पेट्रोल लेने वाले वाहन चालकों को 50 रुपये का पेट्रोल मुफ्त दिया गया। ऑफर की जानकारी मिलते ही पेट्रोल पंप पर वाहन चालकों की लंबी कतारें लग गई। उद्घाटन समारोह में राजनीतिक सामाजिक क्षेत्र से जुड़े लोगों के अलावा शहर के गणमान्य नागरिक भी मौजूद रहे।

कोसीकलां में खाद्य विभाग की बड़ी कार्रवाई, एक हजार किलो पनीर नष्ट

मथुरा। कमिश्नर खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन, उत्तर प्रदेश, लखनऊ और जिलाधिकारी, मथुरा के आदेशों के अनुपालन में खाद्य सुरक्षा विभाग की टीम ने कोसी कलां क्षेत्र में बड़ी कार्रवाई की है। सहायक आयुक्त (खाद्य) डॉ. जतिन कुमार सिंह के निर्देशन और कमलेश कुमार त्रिपाठी के नेतृत्व में खाद्य सचलदल ने कामा (राजस्थान) बॉर्डर से आ रही एक बोलेरो पिकअप गाड़ी (संख्या यूपी 85 ईटी 6299) को नंदगांव रोड स्थित जिंदल पुलिस चैकी के पास रोका। वाहन के निरीक्षण के दौरान चालक व मालिक अमर सिंह ने बताया कि वह कामा, राजस्थान स्थित पनीर निर्माण डेयरी से लगभग 1000 किलोग्राम पनीर बिक्री के लिए मथुरा ला रहा था। हालांकि, कारोबारकर्ता द्वारा वाहन में भंडारित पनीर से संबंधित कोई भी क्रय-विक्रय अभिलेख प्रस्तुत नहीं किए जा सके। भंडारित पनीर की गुणवत्ता संदिग्ध और अस्वच्छ पाए जाने पर खाद्य टीम ने मौके से पनीर के दो नमूने संग्रहित कर जांच के लिए राजकीय खाद्य प्रयोगशाला भेज दिए।

सपा महिला सभा राष्ट्रीय कार्यकारिणी की राष्ट्रीय सचिव बनीं डॉ. शबनम

मथुरा। सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव की अनुमति व निर्देशनुसार महिला सभा की राष्ट्रीय अध्यक्ष सीमा राजभर बागी ने डॉक्टर शबनम कुरैशी के पार्टी में निरंतर किए गए कार्यों एवं मेहनत और संघर्ष को देखते हुए मथुरा जिले से राष्ट्रीय कार्यकारिणी महिला सभा की राष्ट्रीय सचिव नामित किया। डॉ शबनम कुरैशी ने कहा कि मैं पार्टी की नीतियों को जन जन तक पहुंचाते हुए संगठन को और अधिक मजबूत एवं गतिशीलता प्रदान करूंगी और 2027 में पूर्ण रूप (पी डी ए) पिछड़े दलित अल्पसंख्यक की सरकार बनेगी बता दें कि इसके पूर्व में डॉक्टर शबनम कुरेशी अल्पसंख्यक सभा की जिला प्रवक्ता व महिला सभा महानगर अध्यक्ष व प्रदेश सचिव पद पर भी रही डॉ शबनम कुरैशी ने पार्टी में अपने कैरियर 2012 से लोहिया वाहिनी के जिला सचिव के पद साइकिल यात्रा से शुरूआत की।

270 सोलर स्ट्रीट लाइटों का उद्घाटन

इंडियन ऑयल व मथुरा रिफाइनरी की बड़ी पहल

मथुरा। इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड, मथुरा रिफाइनरी द्वारा अपनी कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व (सीएसआर) पहल के अंतर्गत मथुरा जनपद के विभिन्न स्थानों पर 270 सोलर स्ट्रीट लाइटों की स्थापना की गई है। इन सोलर स्ट्रीट लाइटों का उद्घाटन मथुरा की लोकप्रिय सांसद श्रीमती हेमा मालिनी द्वारा किया गया। उद्घाटन कार्यक्रम के अवसर पर मुकुल अग्रवाल, कार्यकारी निदेशक एवं रिफाइनरी प्रमुख, मथुरा रिफाइनरी, अनिल कुमार, मुख्य महाप्रबंधक (मानव संसाधन), अभिनव गोस्वामी, महाप्रबंधक (कर्मचारी सेवाएं), विवेक शर्मा, वरिष्ठ प्रबंधक (सीसी एवं सीएसआर) तथा दीपक कुमार साह, सीएसआर एवं हिंदी उपस्थित रहे।

इस अवसर पर हेमा मालिनी ने इंडियनऑयल मथुरा रिफाइनरी द्वारा क्षेत्र के विकास एवं जनकल्याण के लिए किए जा रहे सामाजिक कार्यों की सराहना की। उन्होंने कहा कि सोलर स्ट्रीट लाइटों की स्थापना से संबंधित क्षेत्रों में बेहतर प्रकाश व्यवस्था सुनिश्चित होगी तथा आमजन को आवागमन में सुविधा एवं सुरक्षा प्राप्त होगी। साथ ही, सौर ऊर्जा के उपयोग को बढ़ावा मिलने से पर्यावरण संरक्षण एवं सतत विकास के लक्ष्यों को भी बल मिलेगा। आगे उन्होंने कहा कि सौर ऊर्जा आधारित इन स्ट्रीट लाइटों से पारंपरिक विद्युत ऊर्जा पर निर्भरता कम होगी और स्वच्छ एवं हरित ऊर्जा के उपयोग को बढ़ावा मिलेगा। यह पहल पर्यावरण संरक्षण, ऊर्जा बचत और सतत विकास की दिशा में भी महत्वपूर्ण योगदान देगी। इस अवसर पर मुकुल अग्रवाल ने कहा कि इंडियनऑयल मथुरा रिफाइनरी अपने व्यावसायिक दायित्वों के साथ सामाजिक उत्तरदायित्वों के निर्वहन के लिए भी निरंतर प्रतिबद्ध है। कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व के माध्यम से मथुरा एवं आसपास के क्षेत्रों में समाज के विभिन्न वर्गों की आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए शिक्षा, स्वास्थ्य, पर्यावरण संरक्षण, कौशल विकास, महिला एवं बाल विकास तथा सामुदायिक आधारभूत सुविधाओं के क्षेत्र में विभिन्न जनकल्याणकारी पहल की जा रही हैं। उन्होंने कहा कि मथुरा के विभिन्न स्थानों पर सोलर स्ट्रीट लाइटों की स्थापना इसी सामाजिक प्रतिबद्धता का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। इस पहल का उद्देश्य स्थानीय समुदाय को बेहतर एवं सुरक्षित प्रकाश व्यवस्था उपलब्ध कराने के साथ स्वच्छ एवं नवीकरणीय ऊर्जा के उपयोग को बढ़ावा देना है।

पांच माह के सूर्या को पुलिस ने मुरैना से किया बरामद

- महिला ने प्रेमी संग चुराया मासूम, गिरफ्तार

मथुरा (मधुसूदन शर्मा)। श्रीकृष्ण जन्माष्टमी पर दर्शन करने आए उन्नाव के परिवार की खुशियां उस समय मातम में बदल गईं, जब पांच माह का मासूम अचानक लापता हो गया। पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज की मदद से बच्चे को चोरी करने वाले महिला और उसके प्रेमी को मुरैना से गिरफ्तार कर लिया। इस आशय की जानकारी आज सीओ रिफाइनरी प्रवीण कुमार तिवारी ने पुलिस लाइन सभागार में पत्रकारों को दी है।

पूछताछ में सामने आया कि महिला की बच्चेदानी खराब होने के कारण उसकी कोई संतान नहीं थी और संतान की चाह में उसने प्रेमी के साथ मिलकर मासूम को चुराने की योजना बनाई थी। उन्नाव जिले के असोहा थाना क्षेत्र के पाठकपुर निवासी 28 वर्षीय देवशंकर मिश्र मजदूरी करते हैं। वह चार सितंबर को पत्नी गौरी मिश्रा, तीन वर्षीय बेटी प्रिया और पांच माह के बेटे सूर्या के साथ मथुरा आए थे। छह सितंबर को दर्शन के बाद परिवार मथुरा जंक्शन के द्वितीय प्रवेश द्वार के बाहर सकुर्लेटिंग एरिया स्थित यात्री प्रतीक्षालय में ठहर गया।

हां उनकी मुलाकात एक युवक-युवती से हुई, जिन्होंने खुद को पति-पत्नी बताया। छह और सात सितंबर को दोनों देवशंकर के साथ ही रहे। सात सितंबर की सुबह करीब पांच बजे गौरी लघुशंका के लिए गईं। लौटकर देखा तो पांच माह का सूर्या गायब था। सूचना पर हाईवे थाना पुलिस और आरपीएफ ने स्टेशन के सीसीटीवी खंगाले। फुटेज में वही युवक-युवती मासूम को लेकर जाते दिखाई दिए। सीओ रिफाइनरी प्रवीण कुमार तिवारी ने बताया जांच में पता चला कि मुरैना के बिशनपुर निवासी सीमा की शादी वर्ष 2018 में देशराज से हुई थी। बच्चेदानी खराब होने के कारण उसकी संतान नहीं हुई। इसी बात को लेकर पति-पत्नी में अक्सर विवाद होता था। करीब तीन वर्ष से सीमा नूराबाद क्षेत्र के जरेरूआ निवासी संजीव के साथ लिव-इन में रह रही थी। बताया गया कि मथुरा में घूमते समय एक बाबा ने उसे जल्द संतान सुख मिलने की बात कही थी। इसके बाद दोनों ने मासूम को चोरी करने की साजिश रची। पुलिस ने दोनों को मुरैना के गांव बसइया मंदिर के पास से गिरफ्तार कर मासूम को बरामद कर लिया।

हॉकी में फिरोजाबाद पुलिस का शानदार आगाज

फिरोजाबाद। पुलिस लाइन के ग्राउंड में शुक्रवार को 19वीं अंतर्जनपदीय आगरा जोन आगरा पुलिस हॉकी प्रतियोगिता-2026 का भव्य शुभारंभ हुआ। प्रतियोगिता 11 से 13 सितंबर तक आयोजित की जा रही है, जिसमें आगरा जोन की आठ महिला एवं पुरुष पुलिस टीमें प्रतिभाग कर रही हैं। प्रतियोगिता का उद्घाटन मुख्य अतिथि पुलिस उपमहानिरीक्षक आगरा परिक्षेत्र आगरा शैलेश कुमार पाण्डेय ने किया। इस दौरान वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक फिरोजाबाद आदित्य लांग्हे आयोजन सचिव के रूप में मौजूद रहे। उद्घाटन समारोह में सभी टीमों ने मार्च पास्ट कर मुख्य अतिथि को मान-प्रणाम किया। इसके बाद फिरोजाबाद टीम के कप्तान अभिषेक ने खिलाड़ियों को सच्ची खेल भावना की शपथ दिलाई। मुख्य अतिथि ने खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करते हुए प्रतियोगिता के शुभारंभ की घोषणा की। उद्घाटन मैच फिरोजाबाद पुरुष पुलिस हॉकी टीम और मैनपुरी पुलिस हॉकी टीम के बीच खेला गया। फिरोजाबाद की टीम ने शानदार खेल का प्रदर्शन करते हुए मैनपुरी को 6-0 से करारी शिकस्त देकर प्रतियोगिता में विजयी आगाज किया। इस अवसर पर डीआईजी शैलेश कुमार पाण्डेय ने सभी प्रतिभागी खिलाड़ियों को उत्कृष्ट प्रदर्शन तथा प्रतियोगिता के सफल आयोजन के लिए शुभकामनाएं दीं। कार्यक्रम में आमंत्रित अतिथिगण, राजपत्रित अधिकारी आयोजन समिति के सदस्य टीम मैनेजर तथा विभिन्न जनपदों से आए खिलाड़ी मौजूद रहे।

जनपद पुलिस ने सीईआईआर पोर्टल से 151 गुम मोबाइल बरामद किये

फिरोजाबाद। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक आदित्य लांग्हे के निर्देशन में चलाए जा रहे अभियान के तहत सर्विलांस सेल एवं जनपद पुलिस की संयुक्त टीम ने सीईआईआर पोर्टल पर दर्ज शिकायतों के आधार पर 151 गुम मोबाइल फोन बरामद किए हैं। बरामद मोबाइलों की अनुमानित कीमत करीब 31 लाख रुपये बताई गई है। पुलिस ने सभी मोबाइल उनके आवेदकों के सुपुर्द कर दिए। अपर पुलिस अधीक्षक राजेश घुनावत के निकट पर्यवेक्षण तथा क्षेत्राधिकारी साइबर अपराध शेखर सेंगर के नेतृत्व में सर्विलांस सेल ने जनपद के सभी थानों की पुलिस टीमों के साथ समन्वय स्थापित कर मोबाइल गुमशुदगी की शिकायतों का संज्ञान लिया। इसके बाद विभिन्न कंपनियों के गुम मोबाइलों को ट्रेस कर बरामद किया गया। फिरोजाबाद पुलिस के अनुसार सीईआईआर पोर्टल के माध्यम से अब तक विभिन्न जनपदों एवं राज्यों की पुलिस के साथ समन्वय स्थापित कर कुल 1898 गुम मोबाइल फोन बरामद किए जा चुके हैं और उन्हें उनके आवेदकों के सुपुर्द किया गया है। गुम मोबाइल वापस मिलने पर आवेदकों ने फिरोजाबाद पुलिस का आभार व्यक्त किया। पुलिस ने बताया कि भारत सरकार द्वारा गुम अथवा चोरी हुए मोबाइल फोन की शिकायत दर्ज कराने और उनकी बरामदगी में सहायता के लिए सीईआईआर पोर्टल संचालित किया जा रहा है। बरामदगी टीम में निरीक्षक मुकेश कुमार प्रभारी सर्विलांस सेल मय टीम तथा जनपद के समस्त थाना प्रभारी/प्रभारी निरीक्षक मय पुलिस टीम शामिल रहे।

जिलाधिकारी ने लिया बाबा नीब करोली धाम के विकास कार्यों का जायजा

फिरोजाबाद। डीएम संतोष कुमार शर्मा ने शुक्रवार को बाबा नीब करोली जी की जन्मस्थली ग्राम अकबरपुर नागऊ पहुंचकर स्थलीय निरीक्षण किया। उन्होंने उप्र पर्यटन नीति-2022 के अंतर्गत स्वीकृत नीम करौरी बाबा सर्किट तथा जन्मस्थली पर चल रहे और प्रस्तावित विकास कार्यों की प्रगति की समीक्षा की। जिलाधिकारी ने बताया कि प्रदेश सरकार द्वारा पर्यटन नीति-2022 में संशोधन कर नीम करौरी बाबा सर्किट को शामिल किया गया है। इस सर्किट में लखनऊ फरुर्खाबाद फिरोजाबाद स्थित बाबा की जन्मस्थली अकबरपुर-नागऊ तथा मथुरा-वृंदावन को जोड़ा गया है। इससे क्षेत्र में पर्यटन को बढ़ावा मिलने के साथ स्थानीय स्तर पर रोजगार और निवेश के नए अवसर भी सृजित होंगे। उन्होंने बताया कि फेज-1 में 865.98 लाख रुपये की लागत से डॉरमेट्री, रेस्तरां सभा स्थल, डिजिटल लाइब्रेरी, सीसी रोड, सेप्टिक टैंक समरसेबल पंप और साइट डेवलपमेंट के कार्य कराए जा रहे हैं। वहीं फेज-2 में 222.47 लाख रुपये की लागत से टॉयलेट ब्लॉक, गार्ड रूम, सीसी रोड, नाली, पेवर ट्यूबवेल, बाह्य विद्युत एवं म्यूरल वर्क सहित विभिन्न कार्य स्वीकृत हैं। ग्रामीण पर्यटन विकास योजना के तहत 55.44 लाख रुपये की लागत से प्रवेश द्वार, साइनेज, बेंच, डस्टबिन सहित अन्य अवस्थापना सुविधाएं विकसित की जा रही हैं। डीएमने बताया कि बाबा नीम करोली जी की जन्मस्थली के समग्र विकास के लिए पर्यटन विभाग द्वारा भव्य कॉरिडोर निर्माण प्रस्तावित है। इसके लिए जन्मस्थली के समीप पांच हेक्टेयर से अधिक भूमि के क्रय की प्रक्रिया तेजी से चल रही है। भूमि क्रय के बाद भव्य प्रवेश द्वार, पर्यटन सुविधा केंद्र एवं आश्रम ध्यान एवं वेलनेस सेंटर, बहुउद्देशीय सभा स्थल, पार्किंग, फूड कोर्ट, म्यूजियम एवं इंटरप्रिटेशन सेंटर, ओपन एयर थिएटर तथा प्रसाद मंडप डाइनिंग हॉल जैसी सुविधाएं विकसित की जाएंगी। निरीक्षण के दौरान डीएम ने संबंधित अधिकारियों को सभी विकास एवं निर्माण कार्यों को गुणवत्तापूर्ण ढंग से निर्धारित समयसीमा में पूरा करने के कड़े निर्देश दिए। इस दौरान एसडीएम टूंडला सहित संबंधित जिला स्तरीय अधिकारी मौजूद रहे।

ग्रामीण महिलाओं को स्वावलंबी बनाने के लिए अभियान शुरू

- जिलाधिकारीने विकास भवन में आईसीआरपी ड्राइव का किया शुभारंभ, महिलाओं को स्वयं सहायता समूहों से जोड़ने पर कदया जोर

फिरोजाबाद। जनपद की ग्रामीण महिलाओं को स्वावलंबी एवं आर्थिक रूप से सशक्त बनाने के उद्देश्य से 45 दिवसीय विशेष अभियान एवं आईसीआरपी (इंटरनल कम्युनिटी रिसोर्स पर्सन) ड्राइव का शुभारंभ डीएम संतोष कुमार शर्मा ने विकास भवन परिसर में किया। कार्यक्रम में पीडी डीआरडीए सुभाष चंद्र त्रिपाठी एवं डीसी एनआरएलएम तुलिका श्रीवास्तव प्रमुख रूप से मौजूद रहीं। डीएम् ने कहा कि अभियान के माध्यम से ग्रामीण क्षेत्रों की ऐसी महिलाओं को स्वयं सहायता समूहों से जोड़ा जाएगा, जो वर्तमान में किसी रोजगार अथवा आजीविका गतिविधि से नहीं जुड़ी हैं। समूहों के गठन एवं सुदृढ़ीकरण के लिए 45 दिनों का सुनियोजित अभियान चलाया जा रहा है। उन्होंने बताया कि आईसीआरपी

टीम की सदस्य गांव-गांव जाकर महिलाओं को स्वयं सहायता समूहों से जुड़ने के लिए प्रेरित एवं जागरूक करेंगी। अभियान में शामिल आईसीआरपी सदस्यों को निर्धारित लक्ष्य आवंटित करने के साथ ही प्रभावी क्रियान्वयन के लिए प्रशिक्षण भी दिया गया है। डीएम् ने बताया कि स्वयं सहायता समूहों के गठन के बाद शासन के निर्देशों के अनुरूप महिलाओं को विभिन्न व्यवसायों के लिए आवश्यक प्रशिक्षण दिया जाएगा। साथ ही शासकीय योजनाओं के माध्यम से वित्तीय सहायता एवं अन्य सुविधाएं उपलब्ध कराकर उन्हें स्वरोजगार और कारोबार शुरू करने के लिए प्रोत्साहित किया जाएगा। इस अवसर पर पीडी डीआरडीए सुभाष चंद्र त्रिपाठी एवं डीसी एनआरएलएम तुलिका श्रीवास्तव ने भी आईसीआरपी सदस्यों एवं उपस्थित महिलाओं को अभियान को सफल बनाने के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। डीएम्ने कहा कि जनपद की प्रत्येक ग्रामीण महिला को स्वयं सहायता समूहों के माध्यम से आजीविका एवं स्वरोजगार से जोड़ना अभियान का प्रमुख लक्ष्य है, ताकि महिलाएं आत्मनिर्भर बनकर समाज के विकास में सक्रिय भागीदारी निभा सकें।

आज आयोजित होगी राष्ट्रीय लोक अदालत

फिरोजाबाद। जनपद न्यायाधीश के निर्देशन में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, फिरोजाबाद द्वारा दिनांक 12 सितम्बर 2026 को राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन जनपद न्यायालय परिसर सहित जनपद के समस्त संबंधित न्यायालयों में किया जा रहा है। राष्ट्रीय लोक अदालत के माध्यम से अधिक से अधिक लंबित एवं प्री-लिटिगेशन वादों का आपसी सुलह-समझौते के आधार पर त्वरित एवं प्रभावी निस्तारण कराया जाएगा। राष्ट्रीय लोक अदालत में वादकारियों एवं आमजन की सुविधा को विशेष प्राथमिकता देते हुए न्यायालय परिसर में हेल्प डेस्क स्थापित की जाएगी, जहां वादकारी अपने वाद से संबंधित जानकारी प्राप्त करने के साथ-साथ लोक अदालत की प्रक्रिया एवं निस्तारण संबंधी आवश्यक जानकारी प्राप्त कर सकेंगे। इसके अतिरिक्त परिवहन एवं यातायात विभाग से संबंधित विशेष स्टॉल भी लगाए जाएंगे, जहां वाहन चालान एवं यातायात से संबंधित मामलों के संबंध में आवश्यक जानकारी एवं सहायता उपलब्ध कराई जाएगी। लोक अदालत में बैंक ऋण, विद्युत, दूरसंचार, मोटर दुर्घटना प्रतिकर, पारिवारिक एवं वैवाहिक विवाद चेक बाउंस, श्रम विवाद, राजस्व संबंधी मामले तथा अन्य शमनीय एवं सुलह योग्य वादों सहित विभिन्न प्रकार के मामलों का निस्तारण आपसी सहमति एवं समझौते के आधार पर कराया जाएगा। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा आमजन से अपील की गई है कि वे राष्ट्रीय लोक अदालत का अधिक से अधिक लाभ उठाएं। लोक अदालत विवादों के त्वरित एवं सौहार्दपूर्ण समाधान का प्रभावी माध्यम है, जिसमें दोनों पक्षों की सहमति से विवाद का समाधान कराया जाता है। इससे समय एवं धन की बचत होने के साथ-साथ पक्षकारों के मध्य आपसी संबंध भी बेहतर बनाए रखने में सहायता मिलती है। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, फिरोजाबाद द्वारा राष्ट्रीय लोक अदालत को सफल बनाने हेतु समस्त संबंधित विभागों न्यायिक अधिकारियों, अधिवक्ताओं एवं अन्य सहयोगी संस्थाओं के समन्वय से आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की गई हैं।

संस्कृति विवि में आत्महत्या रोकथाम दिवस पर हुई गंभीर चर्चा

मथुरा। संस्कृति स्कूल आफ साइकोलॉजी, स्कूल आफ एजूकेशन, स्कूल ऑफ ह्यूमैनिटीज एंड सोशल साइंसेज और इंटरनल कंप्लेट कमेटी एवं काउंसलिंग सेल के संयुक्त तत्वाधान में विश्वविद्यालय के सभागार में आत्महत्या रोकथाम दिवस का आयोजन किया गया। इस महत्वपूर्ण कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों में आत्महत्या की रोकथाम, मानसिक स्वास्थ्य और मानसिक परेशानी से जूझ रहे लोगों को समय पर मदद देने के महत्व के बारे में विशेषज्ञों ने विचार व्यक्त किए।

मुख्य वक्ता सुश्री इति महेश्वरी जो चार साल से ज्यादा के पेशेवर अनुभव के साथ, वह लोगों को थेराप्यूटिक सहायता देने, मुश्किल हालात से निपटने, ठीक होने, आगे बढ़ने और अपनी आंतरिक शक्ति को फिर से खोजने में मदद करने के लिए समर्पित हैं और विशिष्ट अतिथि रिहैबिलिटेशन काउंसलर सुश्री लवलीन कौर ने आत्महत्या की रोकथाम और मानसिक स्वास्थ्य जागरूकता पर केंद्रित एक जानकारीपूर्ण और इंटरैक्टिव पावरपॉइंट प्रेजेंटेशन दिया। प्रेजेंटेशन में जरूरी बातों को स्पष्ट और दिलचस्प तरीके से समझाया गया और छात्रों को पूरे सेशन में सक्रिय रूप से भाग लेने के लिए प्रोत्साहित किया गया। छात्रों की भागीदारी बढ़ाने, चर्चा को बढ़ावा देने और चर्चा किए गए विषयों के बारे में उनकी समझ को स्पष्ट करने का मौका देने के लिए एक सवाल-जवाब गतिविधि भी आयोजित की गई। वक्ताओं ने छात्रों को श्इन्फ्रीहीलश और इसके मानसिक स्वास्थ्य प्लेटफॉर्म श्हीलोश से भी परिचित कराया। उन्होंने इसके उद्देश्य को समझाया और बताया कि कैसे मानसिक स्वास्थ्य तकनीक मनोवैज्ञानिक सहायता को अधिक सुलभ बनाने में योगदान दे सकती है। इस सेशन ने छात्रों को पेशेवर मानसिक स्वास्थ्य प्रथाओं, काउंसलिंग, भावनात्मक समर्थन और मनोवैज्ञानिक कठिनाइयों का सामना कर रहे लोगों के लिए एक सुरक्षित और सहानुभूतिपूर्ण माहौल बनाने के महत्व के बारे में बहुमूल्य जानकारी दी।

कार्यक्रम के माध्यम से आत्महत्या की रोकथाम के बारे में जागरूकता के साथ ही छात्रों को सहानुभूति, सक्रिय रूप से सुनने, प्रभावी संचार, भावनात्मक समझ, आलोचनात्मक सोच और मानसिक स्वास्थ्य संबंधी चिंताओं के प्रति संवेदनशीलता विकसित करने के लिए प्रोत्साहित किया गया। इंटरैक्टिव प्रेजेंटेशन और सवाल-जवाब गतिविधि ने सेशन को दिलचस्प बनाया और छात्रों को आत्महत्या की रोकथाम और मानसिक स्वास्थ्य के प्रति अधिक जानकारीपूर्ण और सहानुभूतिपूर्ण दृष्टिकोण अपनाने में मदद की। कार्यक्रम का आयोजन संस्कृति स्कूल आफ साइकोलॉजी की विभागाध्यक्ष प्रो. मोनिका अब्रोल की देखरेख एवं संयोजन में आयोजित किया गया। कार्यक्रम की शुरूआत मुस्कान कौशिक द्वारा मुख्य अतिथि वक्ताओं, सुश्री इति माहेश्वरी और सुश्री लवलीन कौर के गर्मजोशी भरे स्वागत के साथ हुई। स्वागत और सम्मान के बाद, सुश्री रेनू ने छात्रों को संबोधित किया। उनके भाषण में आत्महत्या की रोकथाम के संदर्भ में मानसिक स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता, संवेदनशीलता, सहानुभूति और सार्थक बातचीत के महत्व पर जोर दिया गया।

अरुणांचल प्रदेश के सीएम ने लिया स्वामी अधोक्षजानंद देवतीर्थ महाराज का आशीर्वाद

मथुरा। गोवर्धन मठ पुरी के ब्रह्मलीन शंकराचार्य स्वामी श्री निरंजनदेव तीर्थ जी महाराज की 30वीं पुण्यतिथि के उपलक्ष्य में दो दिवसीय महोत्सव का शुभारंभ वैदिक मंत्रोच्चार के साथ भव्य रूप से हुआ। इस पावन अवसर पर अरुणाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री पेमा खांडू ने कार्यक्रम में शिरकत की और ब्रह्मलीन शंकराचार्यजी के चित्र पर माल्यार्पण कर विधि-विधान से पूजन-आरती की। कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री ने गोवर्धन मठ पुरी के वर्तमान 145वें पीठाधीश्वर शंकराचार्य स्वामी अधोक्षजानंद देवतीर्थ जी महाराज का दर्शन कर आशीर्वाद प्राप्त किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने उन्हें बौद्ध धर्म का पवित्र अंगवस्त्र खादा, मां तारा का छायाचित्र, विशेष हस्तशिल्प हाथी तथा राज्य सरकार के 10 वर्षों की उपलब्धियों पर आधारित पुस्तक एवं अरुणाचल प्रदेश सरकार का राजकीय स्मृति चिह्न भेंट किया। समारोह को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री पेमा खांडू ने कहा, ब्रह्मलीन शंकराचार्य स्वामी श्री निरंजनदेव तीर्थ जी महाराज ने सदैव देश और समाज को एक नई और सही दिशा दिखाने का महान कार्य किया है। आज वर्तमान शंकराचार्य स्वामी अधोक्षजानंद देवतीर्थ जी महाराज भी उसी गौरवशाली परंपरा और सेवा भाव को निरंतर आगे बढ़ा रहे हैं।

सपा के विकास कार्यों को जनता तक पहुंचायेंगे हम : ऋतु गोयल

मथुरा। डैम्पियर नगर स्थित समाजवादी पार्टी के महानगर कार्यालय पर महानगर अध्यक्ष श्रीमती ऋतु गोयल ने शुक्रवार दोपहर मीडिया के समक्ष भाजपा सरकार की विफलताओं और सपा के शासनकाल की उपलब्धियों पर विस्तार से चर्चा की। महानगर अध्यक्ष ऋतु गोयल ने कहा कि सत्ता में आने से पहले भाजपा ने बड़े-बड़े वादे किए थे, जो धरातल पर शून्य साबित हुए हैं। यमुना स्वच्छता, बेरोजगारी, महंगाई, शिक्षा, स्वास्थ्य सेवाएं और मथुरा में जलभराव की समस्या आज भी जस की तस बनी हुई है। उन्होंने कहा कि किसानों की आय दोगुनी करने, गन्ने का 14 दिनों में भुगतान, हर युवा को रोजगार और 24 घंटे बिजली आपूर्ति के वादे भी पूरी तरह खोखले साबित हुए हैं। ऋतु गोयल ने पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव के कार्यकाल में मथुरा-वृंदावन में कराए गए विकास कार्यों को गिनाया, जिनमें गोवर्धन परिक्रमा मार्ग का सुंदरीकरण एवं विकास और गोवर्धन बाईपास, मथुरा-यमुना पुल एवं वृंदावन में मल्टीलेवल पार्किंग, मथुरा में 400 केवी विद्युत उपकेंद्र तथा छाता में 220 केवी बिजलीघर, मुरगा फाटक एवं मछली फाटक ओवरब्रिज, गोकुल बैराज प्रभावित किसानों को मुआवजा, आईएसबीटी, बरसाना रोपवे एवं साइकिल ट्रैक, प्रदेश स्तर पर कराए गए ऐतिहासिक कार्य प्रमुख है। प्रेस वार्ता में सपा शासन की प्रदेश स्तरीय योजनाओं का भी उल्लेख किया गया, जैसे आगरा-लखनऊ एक्सप्रेसवे, लखनऊ मेट्रो, 108/102 एम्बुलेंस सेवा, 1090 महिला हेल्पलाइन, यूपी-100, मुफ्त लैपटॉप वितरण, कन्या विद्याधन, बेरोजगारी भत्ता और विधवा पेंशन योजनाएं। प्रेस वार्ता में बल्लभ भाई कुशवाहा, अनिल निषाद, कोमल किशोर शर्मा, भगवती चतुर्वेदी, अनिल मिश्रा, इमरान अब्बास, गिर्राज कश्यप, जय शर्मा, विकास सिंह, अशोक यादव, योगेंद्र जसावत, सादाब खान, कृष्णा यादव आदि उपस्थित रहे।

संत प्रेमानंद पर फिल्म बनायेंगी महामंडलेश्वर हिमांगी सखी

मथुरा। संत प्रेमानंद महाराज के जीवन, साधना और आध्यात्मिक यात्रा को अब बड़े पर्दे पर उतारने की तैयारी है। शुक्रवार आध्यात्मिक यात्रा पर वृंदावन पहुंचीं किन्नर जगद्गुरु महामंडलेश्वर हिमांगी सखी ने संत प्रेमानंद महाराज के जीवन पर आधारित बायोपिक बनाने की घोषणा की है। फिल्म का प्रस्तावित नाम 'प्रेमानंद महाराज एंड राधा अंश' रखा गया है।

बाबा नीम करोली महाराज पर आधारित फिल्म हनुमान अंश की बंपर सफलता के बाद, वैष्णव किन्नर अखाड़े की जगद्गुरु शंकराचार्य हिमांगी सखी ने संत प्रेमानंद महाराज के जीवन पर राधा अंश नाम से फिल्म बनाने की घोषणा की है। हनुमान अंश फिल्म पिछले 35 दिनों से सिनेमाघरों में सफलतापूर्वक चल रही है और जल्द ही 200 करोड़ क्लब में शामिल होने वाली है। इस फिल्म की सफलता और बाबा नीम करोली महाराज के प्रति लोगों की गहरी भक्ति को देखकर ही हिमांगी सखी को संत प्रेमानंद महाराज के जीवन पर फिल्म बनाने की प्रेरणा मिली है। हिमांगी सखी ने फिल्म की प्रोडक्शन टीम से चर्चा कर ली है और टीम इसके निर्माण के लिए सहमत भी हो गई है। हालांकि, संत प्रेमानंद महाराज और उनके सहयोगियों की ओर से अभी तक आधिकारिक अनुमति मिलना बाकी है। हिमांगी सखी ने स्पष्ट किया है कि जैसे ही महाराज जी और उनके सहयोगियों से अनुमति मिल जाएगी, फिल्म का टीजर और प्रोमो बहुत जल्द तैयार कर लिया जाएगा। हिमांगी सखी का बचपन ब्रज की कुंज गलियों में बीता है और उनका मन पूरी तरह से राधा-भाव से ओतप्रोत है, इसलिए उनके लिए यह प्रोजेक्ट सिर्फ एक फिल्म नहीं, बल्कि एक गहरा आध्यात्मिक जुड़ाव है। फिल्म की कास्टिंग को लेकर उन्होंने स्पष्ट किया है कि केवल उन्हीं कलाकारों को प्राथमिकता दी जाएगी जिनकी सिफारिश संत प्रेमानंद जी के सहयोगी करेंगे। इसके साथ ही, उन्होंने भारतीय क्रिकेटर विराट कोहली और अभिनेत्री अनुष्का शर्मा से भी इस प्रोजेक्ट में सहयोग मांगने की इच्छा जताई है। विराट कोहली और अनुष्का शर्मा अक्सर वृंदावन जाकर संत प्रेमानंद महाराज का आशीर्वाद लेते रहे हैं, जिसके चलते उनके फिल्म में शामिल होने को लेकर कयास लगाए जा रहे हैं, हालांकि उनकी तरफ से इस फिल्म में काम करने को लेकर अभी तक कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है।

जेन-जी पर सियासी होड़

हालांकि अभी जेन-जी की ताकत एक मतदाता वर्ग के रूप में कभी प्रमाणित नहीं हुई है। लेकिन कुछ पड़ोसी देशों में जेन-जी के आंदोलन के बाद सत्ता पलट और नीट पेपर लीक के बाद दिल्ली में हुए जेन-जी के प्रदर्शन और देवेन्द्र प्रधान के इस्तीफे के बाद अचानक सभी पार्टियां जेन-जी को लेकर अति सतर्क हो गयी हैं। यही कारण है कि आजकल युवाओं, जेन-जी को साधने, लुभाने, पुचकारने और उसके तराने गाने की होड़ मची है। इसमें पीएम मोदी सबसे आगे हैं। वह जिस आयोजन में जा रहे हैं वहां युवा ही युवा दिखायी दे रहे हैं। कमाल यह है कि जेन-जी भी प्रधानमंत्री से जुड़ाव महसूस कर रहे हैं और उन्हें ही विकसित भारत की बुनियाद का नेता मान रहे हैं। संभव है कि ऐसे बयान प्रायोजित हों! प्रधानमंत्री मोदी ने हाल ही में कुछ दीक्षांत समारोहों और श्रीराम कॉलेज ऑफ कॉमर्स के शताब्दी समारोह के मंचों से भी जेन-जी को साधने के प्रयास किए। नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी बीते कुछ समय से 'छात्रों की गूंज' के जरिए जेन-जी के 'सबसे बड़े हमदर्द' साबित होने की राजनीति कर रहे हैं। वह अपने आवास पर युवाओं से मुलाकातें कर रहे हैं और देश का विमर्श साझा कर रहे हैं। जेन-जी के कुछ चेहरों के साथ पुलिस स्टेशन तक जाकर और छोटा-सा धरना देकर प्राथमिकी दर्ज करवा रहे हैं, ताकि युवाओं का जन-समर्थन बटोरा जा सके। यहां तक कि सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने भी माना है कि नई पीढ़ी, नई सोच के साथ नई पोशाक भी होनी चाहिए। नतीजतन उन्होंने 'समाजवाद' का रंग भी 'नीला' कर दिया है। समाजवादी नौजवान सभा से जुड़े काडर की वेशभूषा लाल-हरी के बजाय 'गहरी नीली' कर दी गई है। वह 'काली-सी' लगती है। अखिलेश की एक आंख जेन-जी पर है, तो दूसरी आंख

दलितों पर है, लिहाजा बाबा अंबेडकर का राग अलापना और हर पार्टी-कार्यालय में अंबेडकर के चित्र को 'अनिवार्य' घोषित किया है। जेन-जी के प्रति ये तराने निस्वार्थ नहीं हैं। चुनाव जीतने के मद्देनजर जेन-जी के सुर बजाए जाने लगे हैं। यदि हमारी राजनीतिक जमात की युवाओं के प्रति चिंता और प्रतिबद्धता वाकई गंभीर होती, तो कमोबेश देश में 8.70 करोड़ युवा ऐसे न होते, जो न तो पढ़ रहे हैं, न काम कर रहे हैं और न ही कोई ट्रेनिंग प्राप्त कर रहे हैं। यह कोई निजी डाटा नहीं, बल्कि भारत सरकार के नीति आयोग के अध्ययन का निष्कर्ष है। 2027 में 7 राज्यों में विधानसभा चुनाव होने हैं। उनमें उप्र, गुजरात, पंजाब आदि राज्यों के चुनाव बेहद महत्वपूर्ण हैं। उप्र में अब 4.54 करोड़ जेन-जी मतदाता हैं। गुजरात में 1.23 करोड़ अर्थात करीब 28 फीसदी युवा मतदाता हैं। पंजाब में यह संख्या 53.87 लाख है। मणिपुर में 4.71 लाख और गोवा में 2.10 लाख जेन-जी मतदाता हैं। ये मतदाता किसी भी दल की सरकार बनवाने और स्थापित परिवर्तन करने में सक्षम है। मजबूरन जेन-जी के तराने गाने पड़ रहे हैं। 2029 के लोकसभा चुनाव की घंटियां अभी से बजनी शुरू हो गई हैं। जेन-जी आबादी 37-38 करोड़ बताई जा रही है। अब हर चार मतदाताओं में से एक मतदाता जेन-जी है। कल्पना करें कि यदि अमरीकी आबादी से अधिक इतने मतदाताओं में ध्रुवीकरण होता है, तो चुनाव के नतीजे क्या हो सकते हैं? शायद इसी चुनाव-नीति के मद्देनजर प्रधानमंत्री मोदी ने सभी मंत्रियों और पार्टी स्तर पर सांसदों, विधायकों और पदाधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि वे सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर सक्रिय हों और जेन-जी से खुद संपर्क बनायें। मंत्री और सांसद आदि विश्वविद्यालयों में भी जाएंगे और एक पूरा दिन युवा छात्रों के बीच बिताएंगे। उनकी समस्याओं को समझने के प्रयास करेंगे। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन भी जेन-जी युवाओं को जोड़ने की पहल करेंगे। क्या ऐसी कवायदों से जेन-जी को पटाया जा सकता है? वैसे 2024 के आम चुनाव में 40 फीसदी से अधिक युवाओं ने भाजपा के पक्ष में वोट दिया था। ऐसे में युवाओं को जोड़ने की इस पहल की सियासी महत्ता को समझना कठिन नहीं है।

भारत के परमाणु प्रोग्राम पर अमरीकी रिपोर्ट

विजय कपूर

सामयिक

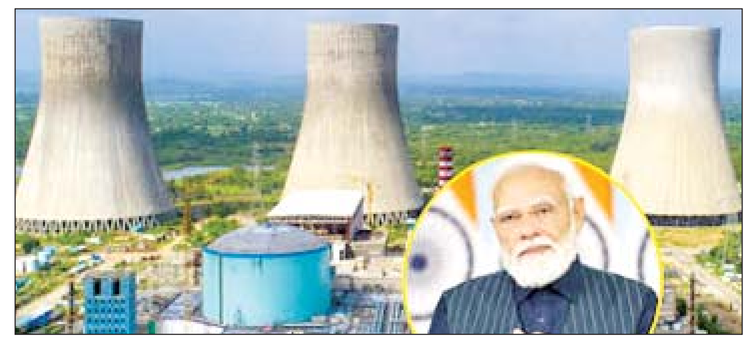

नई दिल्ली में 18वें ब्रिक्स सम्मेलन (12 व 13 सितम्बर 2026) के आयोजन से पहले 9 सितम्बर 2026 को अमेरिका के एक रिपोर्ट में दावा किया गया कि भारत ने कम से कम 30 अतिरिक्त परमाणु वॉरहेड (विस्फोटक) अपने नये निमार्णाधीन मिसाइलों के लिए जोड़े हैं, जिससे उसके ऑपरेशनल लांचर्स के लिए जो पहले से ही 160 वॉरहेड्स मौजूद हैं, उनकी संख्या बढ़कर 190 हो गई है। अमेरिका के गैर-मुनाफे वाले पालिसी थिंक टैंक द्वारा तैयार की गई इस रिपोर्ट के प्रकाशन की टाइमिंग को अनदेखा नहीं किया जा सकता है। ब्रिक्स के जरिये चीन, रूस व ईरान की तिगड़ी नई विश्व व्यवस्था स्थापित करने के प्रयास में है, जिसे अमेरिकी दादागीरी के विकल्प के रूप में देखा जा रहा है। ब्रिक्स की कोशिश है कि वह अपने सदस्यों के बीच में क्रॉस-बॉर्डर पेमेंट्स का सिलसिला आरंभ करे, जिसमें डिजिटल पेमेंट सिस्टम्स और सेंट्रल बैंक डिजिटल करेंसीज (सीबीडीसी) के बीच लिंक भी शामिल हो।

अगर यह व्यवस्था हो जाती है तो विश्व व्यापार में डॉलर का महत्व कम हो जायेगा। अमेरिका यही नहीं चाहता है। अभी तक नई दिल्ली का झुकाव वाशिंगटन की तरफ रहा है, इसलिए भारत ने अध्यक्ष होते हुए भी ब्रिक्स की तरफ से अमेरिका व इजरायल द्वारा 28 फरवरी 2026 को ईरान पर थोपे गये युद्ध के खिलाफ निंदा प्रस्ताव जारी नहीं किया था। लेकिन हाल ही में बिश्केक (किर्गिस्तान) में आयोजित एससीओ सम्मेलन के हाशिये पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन व ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियान से मुलाकात करके अमेरिका को स्पष्ट संदेश दिया कि भारत के पास नई विश्व व्यवस्था में शामिल होने का विकल्प खुला हुआ है। यह संकेत इस लिहाज से अधिक प्रबल प्रतीत हुआ कि 7 वर्ष बाद चीन के राष्ट्रपति शि जिनपिंग 67-सदस्यों के सरकारी दल, जिसमें जिनपिंग के अति विश्वसनीय काई ची (सीपीसी पोलितब्यूरो की तदर्थ समिति के सदस्य) व विदेश मंत्री वांग यी भी शामिल हैं, के साथ भारत आये हैं। चीन का व्यापार दल अलग से आ रहा है। दरअसल, वाशिंगटन को नई विश्व व्यवस्था की ओर नई दिल्ली का झुकना पसंद नहीं है। अमेरिकी रिपोर्ट और उसके जारी करने के समय को इसी पृष्ठभूमि में समझने की आवश्यकता है, विशेषकर इसलिए भी कि अमेरिका ने ईरान पर हमला यह कहते हुए किया था कि वह तेहरान को परमाणु बम नहीं बनाने देगा, जबकि अब यह बेमतलब व बेमकसद का युद्ध तेल व्यापार पर नियंत्रण में बदल गया है, जिससे कच्चे तेल की कीमत एक बार फिर 100 डॉलर प्रति बैरल से ऊपर चली गई है। बहरहाल, 'भारत के परमाणु हथियार- 2026' रिपोर्ट 9 सितम्बर 2026 को प्रकाशित की गई। इसमें कहा गया है, 'भारत अपने परमाणु शस्त्रागार के आधुनिकीकरण को जारी रखे हुए है कि उसने हाल के वर्षों में अनेक नये हथियार सिस्टम्स फील्ड किये हैं और अन्य अनेक विकसित किये जा रहे हैं ताकि मजबूती प्रदान की जा सके या जो परमाणु-सक्षम एयरक्राफ्ट, भूमि-आधारित डिलीवरी सिस्टम्स व समुद्र-आधारित सिस्टम्स मौजूद हैं, उन्हें बदला जा सके। हमारा अनुमान है कि भारत ने 140 से 225 वॉरहेड्स के लिए पर्याप्त मात्रा में सैन्य प्लूटोनियम का उत्पादन कर लिया है और उसने 190 तक वॉरहेड्स असेम्बल कर लिए हैं। चूंकि अधिक हथियार सिस्टम्स विकसित किये जा रहे हैं, इसलिए भारत के वॉरहेड भंडार में अतिरिक्त वृद्धि हो सकती है।' इस परमाणु नोटबुक का शोध व लेखन फेडरेशन ऑफ अमेरिकन साइंटिस्ट्स न्यूक्लिर इनफार्मेशन प्रोजेक्ट के स्टाफ ने किया है, जिसने अपनी रिपोर्ट में लिखा है, 'हमारा अनुमान है कि भारत वर्तमान में 9 अलग-अलग परमाणु-सक्षम सिस्टम्स ऑपरेट करता है- दो एयरक्राफ्ट, छह भूमि-आधारित बैलिस्टिक मिसाइलें और एक समुद्र-आधारित बैलिस्टिक मिसाइल। कम से कम दो अतिरिक्त सिस्टम्स विकसित किये जा रहे हैं, जो पूर्ण होने की कगार पर हैं और उन्हें एक या कुछ वर्षों के भीतर सशस्त्र बलों के साथ तैनात किया जायेगा।' गौरतलब है कि भारत अपने परमाणु हथियारों के भंडार की संख्या प्रकाशित नहीं करता है। रिपोर्ट में जो समीक्षा की गई है वह अनुमान के आधार पर है यानी वह खुले स्त्रोतों के मिश्रण पर आधारित है- राज्य से निकले डाटा जैसे सरकारी वक्तव्य, डीक्लासिफाइड डाक्यूमेंट्स, गैर-सरकारी डाटा जैसे मीडिया रिपोर्ट्स, थिंक टैंक समीक्षा व उद्योग प्रकाशन और कमर्शियल सैटेलाइट इमेजरी।

भारत उन चंद देशों में शामिल है जिनके बारे में माना जाता है कि वह दोनों अति संवर्धित यूरेनियम (एचईयू) व हथियार ग्रेड के प्लूटोनियम का उत्पादन कर रहा है। अनुमान यह है कि एचईयू उत्पादन का अधिकतर फोकस ईंधन बनाने के लिए है। ऐसा रिपोर्ट में कहा गया है। रिपोर्ट में आगे कहा गया है, 'भारत जो हथियार ग्रेड का प्लूटोनियम बना रहा है, उसका स्त्रोत पुराना हो चुका 100-मेगावाट ध्रुव प्लूटोनियम प्रोडक्शन रिएक्टर है, जोकि भाभा एटॉमिक रिसर्च सेंटर कॉम्प्लेक्स में है, मुंबई के निकट, जबकि 2010 तक इसी लोकेशन पर स्थित सीआईआरयूएस रिएक्टर में यह काम हो रहा था। एक दशक से भी अधिक देरी के बाद कलपक्कम के निकट इंदिरा गांधी सेंटर फॉर एटॉमिक रिसर्च में भारत के नये 500 मेगावाट प्रोटोटाइप फास्ट ब्रीडर रिएक्टर (पीएफबीआर) ने अप्रैल 2026 में अपनी पहली क्रिटिकैलिटी हासिल की। नया रिएक्टर यूरेनियम या थोरियम का विकिरण करता है प्लूटोनियम-239 व यूरेनियम-233 का उत्पादन करने के लिए और इसके लिए ईंधन उस भंडार से मिलता है, जिसे भारत के फर्स्ट-जनरेशन पॉवर रिएक्टर्स के रिएक्टर-ग्रेड प्लूटोनियम से अलग किया गया है।' रिपोर्ट का दावा है कि अनेक अतिरिक्त फास्ट ब्रीडर रिएक्टर्स बनाने की योजना है, जिनमें से दो एफबीआर-1 व एफबीआर-2 पहले से बनी योजना के स्तर पर हैं और वह प्रोटोटाइप फास्ट ब्रीडर रिएक्टर, कलपक्कम के बराबर में स्थापित किये जायेंगे। अगर इनका सफलतापूर्वक संचालन कर लिया गया तो यह भारत के परमाणु वॉरहेड भंडार के लिए उपलब्ध प्लूटोनियम की मात्रा में जबरदस्त इजाफा कर देंगे।

यह सही है कि फेडरेशन ऑफ अमेरिकन साइंटिस्ट्स परमाणु कार्यक्रम की वैश्विक स्थिति पर अपनी अप-डेट की गई रिपोर्ट नियमित प्रकाशित करता है, लेकिन यह रिपोर्ट इस समय इसलिए जारी की गई है क्योंकि संसार के क्षेत्रीय समीकरण बहुत तेजी से बदल रहे हैं। भारत के पड़ोस में दो परमाणु शक्तियां हैं- चीन व पाकिस्तान। उनको मद्देनजर रखते हुए भारत को अपनी परमाणु क्षमताओं में विस्तार करने की आवश्यकता है, जो वह कर भी रहा है। लेकिन भारत अपने परमाणु भंडार का ढिंढोरा नहीं पीटता है, क्योंकि इन बातों का गोपनीय रहना ही बेहतर होता है। इसके बावजूद स्टॉकहोम इंटरनेशनल पीस रिसर्च इंस्टिट्यूट और अन्य सामरिक संस्थाओं के बाद अमेरिकी थिंक टैंक ने भी इस बात पर बल दिया है कि भारत के परमाणु वॉरहेड्स की संख्या बढ़कर 190 हो गई है। इसका सीधा सा अर्थ यह है कि अमेरिका व अन्य पश्चिमी देश यह प्रचारित करना चाहते हैं कि भारत परमाणु हथियारों की दौड़ में है (जोकि वह नहीं है क्योंकि भारत का पामाणु कार्यक्रम अपनी ऊर्जा पूर्ति व आत्मरक्षा के लिए है)। इसके अतिरिक्त नई दिल्ली पर नई विश्व व्यवस्था में शामिल न होने के लिए दबाव बनाने का भी प्रयास है।

> यह सही है कि फेडरेशन ऑफ अमेरिकन साइंटिस्ट्स परमाणु कार्यक्रम की वैश्विक स्थिति पर अपनी अप-डेट की गई रिपोर्ट नियमित प्रकाशित करता है, लेकिन यह रिपोर्ट इस समय इसलिए जारी की गई है क्योंकि संसार के क्षेत्रीय समीकरण बहुत तेजी से बदल रहे हैं।

सोशल मीडिया

आरएसएस के माननीय सरसंघचालक श्रद्धेय डॉ. मोहन भागवत जी को जन्म दिवस की हार्दिक बधाई एवं अनन्त शुभकामनाएं। प्रभु श्रीराम से आपके सुदीर्घ व यशस्वी जीवन की प्रार्थना है। सीएम योगी.

अध्यात्म साधना

बुरी संगत हमेशा नुकसान का कारण बनती है। अपने प्रभाव में आने वाले हर हर इंसान को यह प्रभावित जरूर करती है। विचारों की एक विशेषता है कि वह अपने प्रभावों एवं संपर्क में आने वालों पर प्रभाव अवश्य डालता है। मजबूत एवं स्पष्ट विचारों का दूसरों पर असर जरूर पड़ता है। अगर आप अपृ हों और आरम्भिक अभ्यास हों तो बुरे चरित्र और दुष्ट विचार वालों से दूर रहिए। उनके कार्यों में कोई दिलचस्पी मत लीजिए। हो सके तो अरुचि प्रकट कीजिए। इससे आप उनके संक्रामक असर से बचे रहेंगे। सत्संग की महिमा अपार है। श्रेष्ठ पुरुषों का साथ गंगा के समान है। जिसमें गोता लगाने से क्लेष कटने से श्रेष्ठ पुरुषों के साथ रहने से, उनके मौखिक या लेखबद्ध विचारों मनन करने से आत्मोत्थान होता है। यदि आप अपने को अत्यंत सुदृढ़ समझते हैं तो संसार की दृष्टि से बुरे विचार वाले को अपने साथ ले जा सकते हैं। परन्तु सावधान कहीं उसका उलटा असर आप पर न हो जाये। दूसरे के अवगुण देखना अपनी बुद्धि को दूषित करना है। फोटो खींचने के कैमरे के सामने जो चीज रखी जाती है उसी का अक्स भीतर प्लेट पर खिंच जाता है। यदि आप दूसरों की बुराइयां देखेंगे तो उनके चित्र अपने अंदर अंकित करके उन्हें खुद भी ग्रहण कर लेंगे। इसलिए दूसरों के सद्गुणों पर ही दृष्टि रखिये। सबमें परमात्मा का स्वरूप देखिये और उन्हें प्रेम की दृष्टि से देखिये, आपका हृदय प्रसन्न रहेगा। यदि किसी में बुराई दिखाई पड़े तो उससे घृणा मत कीजिए और जहां तक हो सके, सुधारने का प्रयत्न कीजिए। परदोष दर्शन के कारण जो घृणा और द्वेष मन में उत्पन्न होते हैं, वह भीतर ही भीतर अशान्ति उत्पन्न करके मन को निश्चित पथ से ढिगा देते हैं। साधना को सुरक्षित रखने के लिए जरूरी है कि किसी की गंदगी टटोल कर अपनी नाक को दुर्गंधित न किया जाये। अपने मजहब, विचार, या विश्वासों पर दृढ़ रहना उचित है। परन्तु दूसरों के विश्वासों को घृणा की दृष्टि से देखना या झूठा समझना अनुचित है। हम सब सत्य के आसपास चक्कर काट रहे हैं। किन्तु कोई पूर्ण सत्य तक नहीं पहुंच सका है। इसलिए हमें एक दूसरे के प्रति उदार होना चाहिए। दूसरों के दृष्टिकोण को ध्यान पूर्वक देखना चाहिए और सत्य को स्वीकार करने को उद्यत रहना चाहिए। कट्टरता ऐसा दुर्गण है जिसके कारण आदमी न तो अपनी बुराइयों को छोड़ सकता है और न अच्छाइयों को ग्रहण कर सकता है। आध्यात्मिक साधक का मार्ग अत्यंत दुर्गम है। यह मार्ग अनेक बाधाओं, समस्याओं तथा संशयात्मक भीषण अरण्यों से होकर जाता है। इसमें एक विरोधी तत्व यह है कि हमारा मन ही हमारा शत्रु है, जिसे हमारा मित्र बनना चाहिए था और सत् परामर्श देना चाहिए था।

अंतर्दृष्टि

विचार

काम और क्रोध का मूल स्थान इन्द्रियां हैं। इन्हीं इन्द्रियों से कर्म प्रवृत्ति पैदा होती है। इसलिए सबसे पहले इन इन्द्रियों को ही वश में करना चाहिए।

-ज्ञानेश्वरी.

जब तक मनुष्य के मन में काम, क्रोध, अहंकार और लोभ की अल्प मात्रा भी शेष रहती है, तब तक पंडित और मूर्ख दोनों एक समान होते हैं।

-संत कबीर.

असफलता के विचार से सफलता का उत्पन्न होना उतना ही असंभव है जितना बबूल के पेड़ से गुलाब के फूल का निकलना।

-स्वेट मॉर्डेन.

ऐसी पुस्तक का प्रतिदिन अवश्य अध्ययन करें जो आपके आत्मिक, शारीरिक, सामाजिक अथवा आर्थिक उन्नति में सहायक हो।

-जैन धर्मग्रंथ.

बाद में उत्पन्न होने वाली इच्छाओं की पूर्ति करने की अपेक्षा अपनी पहली इच्छा का दमन कर देना ही सरल और श्रेयस्कर है।

-फ्रेंकलिन.

गणेशोत्सवः घर की पूजा से जन-जन तक

भगवान गणेश भारतीय जनमानस के सबसे निकट देवताओं में माने जाते हैं। वे बुद्धि के देवता हैं, शुभारंभ के प्रतीक हैं और विघ्नों को दूर करने वाले हैं भगवान गणपति हैं। कोई बच्चा पहली बार स्कूल जाता है, कोई विद्यार्थी परीक्षा देने निकलता है, नया घर बनाता है, नई दुकान खुलती है या किसी शुभ कार्य का आरंभ होता है, तो सबसे पहले स्मरण गणेश जी का ही किया जाता है।

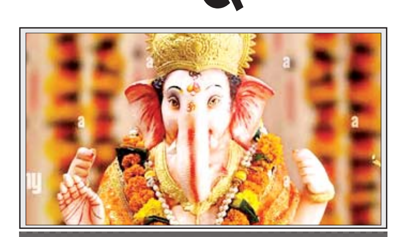

गणेश चतुर्थी (14-25 सितम्बर) पर विशेष

'गणपति बप्पा मोरया।' गणपति बप्पा का उद्घोष सुनते ही फिजा का रंग बदल जाता है। ढोल, ताशों की थाप, फूलों की महक, मोदक की मिठास और सजे हुए पंडालों के बीच जब विघ्नहर्ता गणपति विराजते हैं, तो लगता है कि केवल एक देवता का आगमन नहीं हुआ बल्कि पूरे समाज के भीतर छिपी खुशी, आस्था और सामूहिक ऊर्जा जाग उठी है। गणेशोत्सव भारत के उन अद्भुत पर्वों में से है, जिसने समय के साथ अपना स्वरूप बदला है। कभी यह मुख्यतः घरों और मंदिरों की पूजा था। लेकिन आज यह गलियों, मुहल्लों, शहरों और विशाल जन-समुदायों का उत्सव बन चुका है। गणेशोत्सव की खूबसूरती शायद यही है कि इसमें घर की आत्मीयता और समाज की विशालता एक साथ दिखायी देती है। भगवान गणेश भारतीय जनमानस के सबसे निकट देवताओं में माने जाते हैं। वे बुद्धि के देवता हैं, शुभारंभ के प्रतीक हैं और विघ्नों को दूर करने वाले हैं भगवान गणपति हैं। कोई बच्चा पहली बार स्कूल जाता है, कोई विद्यार्थी परीक्षा देने निकलता है, नया घर बनाता है, नई दुकान खुलती है या किसी शुभ कार्य का आरंभ होता है, तो सबसे पहले स्मरण गणेश जी का ही किया जाता है। यही कारण है कि गणेश केवल मंदिरों के देवता नहीं हैं, वे भारतीय परिवारों के जीवन का हिस्सा हैं।

जब घर आते हैं बप्पा

गणेश चतुर्थी के अवसर पर घरों में गणपति की प्रतिमा स्थापित करने की परंपरा अत्यंत भावपूर्ण है। परिवार के लोग घर की सफाई करते हैं, पूजा का स्थान सजाते हैं और पूरे मनोयोग से बप्पा के स्वागत की तैयारी करते हैं। किसी घर में छोटी-सी मिट्टी की प्रतिमा होती है, तो कहीं सजे हुए मंडप में गणपति विराजते हैं। लेकिन आकार चाहे जो हो, भावना एक ही होती है- आज हमारे घर बप्पा आएंगे। यही भाव गणेशोत्सव को दूसरे धार्मिक अनुष्ठानों से अलग और विशेष बनाता है। यहां भक्त केवल दर्शन करने नहीं जाता बल्कि भगवान को अपने घर का सदस्य मानकर उनका स्वागत करता है। उन्हें भोग लगाया जाता है, उनकी आरती की जाती है, उनकी वंदना में गीत गाये जाते हैं और परिवार के सभी लोग उनके सामने एकत्र होते है। मोदक को गणपति का प्रिय भोग माना जाता है। इसलिए गणेशोत्सव के दौरान रसोई भी श्रद्धा का एक सुंदर संसार बन जाती है। कहीं भाप में पके उकडीचे (मिश्रित सामग्री के) मोदक बनते हैं, तो कहीं गुड़ और नारियल की मिठास घर में घुल जाती है। बच्चों के यह उत्सव रंगों और मिठाईयों का पर्व है। बुजुर्गों के लिए परंपरा की स्मृति और युवाओं के लिए परिवार के साथ जुड़ने का उल्लास है।

जब उत्सव ने समाज को जोड़ा

भले इस पूजा की परंपरा अत्यंत प्राचीन है, लेकिन गणेशोत्सव का यह सार्वजनिक और संगठित स्वरूप सिर्फ लगभग डेढ़ सदी पुराना है। 19वीं सदी के अंतिम दौर में लोकमान्य बाल गंगाधर तिलक ने सार्वजनिक गणेशोत्सव को एक व्यापक सामाजिक स्वरूप दिया। उस समय भारत ब्रिटिश शासन के अधीन था और लोगों के संगठित होने पर अनेक प्रकार की पाबंदियां थीं। तिलक ने गणेशोत्सव की सामूहिक शक्ति को पहचाना। इसलिए उन्होंने इसे केवल धार्मिक आयोजन न रहने देकर समाज को जोड़ने का माध्यम बना लिया। सार्वजनिक पंडालों में पूजा के साथ-साथ सभाएं, सांस्कृतिक कार्यक्रम और सामाजिक संवाद होने लगे। इन पंडालों में जाति, वर्ग और आर्थिक स्थिति की दीवारों के पार लोग एक साथ आने लगे और सामूहिक उत्सव तथा संवाद का हिस्सा होने लगे। इस प्रकार गणेशोत्सव श्रद्धा के साथ राष्ट्रीय चेतना और सामाजिक एकता का भी रूप ग्रहण किया। फिर धीरे-धीरे यह उत्सव परंपरा महाराष्ट्र से निकलकर सार्वजनिक गणेशोत्सव के रूप में पूरे देश में लोकप्रिय होती गयी। आज महानगरों से लेकर छोटे शहरों और गांवों तक गणपति पंडाल सजते हैं और हर पंडाल का अपना स्वरूप, अपनी सजावट और अपनी पहचान होती है।

पंडालों का संसार

गणेशोत्सव के दौरान पंडाल केवल पूजास्थल भर नहीं रहते। कुछ दिनों के लिए ये समाज की सामूहिक बैठक बन जाते हैं। बच्चे वहां खेलते हैं, युवा आयोजन की जिम्मेदारी संभालते हैं, महिला पूजा और सांस्कृतिक कार्यक्रमों को सम्पन्न करने में लगी होती हैं और बुजुर्ग परंपराओं का मार्गदर्शन कर रहे होते हैं। कहीं भजन-कीर्तन हो रहा होता है, कहीं शास्त्रीय संगीत की प्रस्तुति सम्पन्न हो रही होती हैं, कहीं नाटक तो कहीं बच्चों की विभिन्न किस्म की प्रतियोगिताएं चल रही होती है। कई स्थानों पर रक्तदान शिविर, स्वास्थ्य जांच, पुस्तक वितरण और सामाजिक सेवा के कार्यक्रम भी आयोजित किये जाते हैं। यही सार्वजनिक गणेशोत्सव की सबसे बड़ी शक्ति है। यह लोगों को केवल एक जगह इकट्ठा भर नहीं करती बल्कि यह शक्ति इन्हें आपस में जोड़ती है। आज के तेज रफ्तार जीवन में जब लोग पड़ोसी का नाम तक नहीं जानते, उस दौर में जब पूरे मुहल्ले, सोसायटी के लोग एक जगह मिलते हैं, तो उनमें न चाहते हुए एक आत्मीय परिचय हो ही जाता है। वास्तव में गणेशोत्सव के दौरान पूरा मुहल्ला एक साझा परिवार बन जाता है।

श्रद्धा और उल्लास साथ-साथ

गणेशोत्सव में गंभीर धार्मिकता और जीवन का उल्लास साथ-साथ चलते हैं। सुबह मंत्रों और आरती की ध्वनि गूंजती हैं, तो शाम को ढोल, ताशों की गूंज होती है। कहीं शांति से गणपति अथर्वशीर्ष का पाठ होता है, तो कहीं गणपति बप्पा मोरया के उत्साहपूर्ण स्वर पूरे वातावरण में गूंज रहे होते हैं। इस पर्व की यही खासियत है कि यहां आस्था उदास नहीं होती, वह मुस्कुराती है, गाती है, नाचती है और लोगों को साथ लेकर चलती है। विशेष रूप से बच्चों के लिए गणेशोत्सव जीवनभर की याद बन जाता है। प्रतिमा के आगमन से लेकर आरती, प्रसाद और विसर्जन तक हर दिन उनके लिए एक नया अनुभव होता है। शायद इसी तरह त्योहार पीढ़ी दर पीढ़ी आगे बढ़ते हैं। पुस्तकों से नहीं बल्कि अनुभवों और स्मृतियों के सहारे।

विदाई में भी उम्मीद का संदेश

गणेशोत्सव का सबसे भावुक क्षण वह होता है, जिसे विसर्जन कहते हैं। जिन गणपति को कुछ दिन पहले बड़े प्रेम से घर या पंडाल में स्थापित किया गया होता है, जब उन्हें विदा करने का समय आता है, तो सबकी आंखें नम हो जाती हैं, लेकिन समूचे वातावरण में उदासी नहीं होती बल्कि एक अनोखे किस्म का उत्साह होता है। क्योंकि इस विदाई में वापसी का संदेश मौजूद होता है। ढोल बजते हैं और हजारों कंठ एक साथ पुकार उठते हैं- 'गणपति बप्पा मोरया, अगले बरस तू जल्दी आ!'

आर सी शर्मा.

आप की बात

आयात पर निर्भरता

सभ्यता के प्रारम्भ से आधुनिक और स्मार्ट दौर तक हर चीज में बदलाव आया है। परिवर्तन समाज का नियम है। जो इसे समझने में देर करता है वह पिछड़ जाता है। आयात पर अत्यधिक निर्भरता को घटाने, प्रदूषण फैलाने वाले जीवाश्म ईंधन के स्थान पर स्वच्छ ईंधन की तरफ बढ़ने और ऊर्जा आत्म निर्भरता को मजबूत करने के लिए पिछले कुछ सालों में सरकार ने कई पहल की है। ऊर्जा आज समाज की एक ऐसी जरूरत है जिसके बिना किसी भी व्यक्ति का एक मिनट भी गुजारा संभव नहीं है। ऊर्जा की इस अपरिहार्यता के मद्देनजर ही आज पूरी दुनिया ऊर्जा के नये-नये विकल्पों की तलाश में है। राष्ट्रों की डिप्लोमेसी ऊर्जा हितों के संरक्षण के आसपास घूमती है। ऑयल मोनोपोली को खत्म करने के लिए अमरीका ने शेल गैस का प्रभावी एवं स्वच्छ विकल्प विकसित किया है तो जापान सोलर एनर्जी में बहुत आगे बढ़ चुका है। अब परमाणु ऊर्जा या कोयले से चलने वाले प्रदूषणकारी थर्मल पॉवर की उतनी चर्चा नहीं हो रही जितनी की सोलर एनर्जी, ग्रीन गैस और बायो फ्यूल पर फोकस किया जा रहा है। भारत विशाल आबादी वाला देश है और यहां की ऊर्जा जरूरतें भी बहुत ही संवेदनशील हैं। इसलिए भारत के लिए यह बेहतर विकल्प होगा कि अपनी ऊर्जा जरूरतों को पूरा करने के लिए एक तो आयात से निर्भरता कम करे और दूसरे स्वच्छ ईंधन की तरफ आगे बढ़े। स्वच्छ एवं वैकल्पिक परिवहन ईंधन की दिशा में देश तेजी से आगे बढ़ भी रहा है। शहरों में डीजल एवं पेट्रोल के वाहनों पर नियंत्रण के लिए तमाम पाबंदियां लगायी जा रही हैं। अब सौर ऊर्जा क्रांति तेजी से आगे बढ़ रही है।

अमित कुमार वर्मा, लखनऊ.

आर्थिक प्रगति की चुनौतियां

देश के आर्थिक विकास में अनेक चुनौतियां सामने आकर खड़ी हुई हैं। लेकिन फिर भी भारत धीरे-धीरे आगे बढ़ रहा है। सांख्यिकी एवं कार्यक्रम क्रियान्वयन मंत्रालय ने वित्तीय वर्ष 2025-26 की पहली तिमाही के जो आंकड़े दिये, उसके मुताबिक पहली तिमाही में भारत की आर्थिक प्रगति दर 7.8 रही जो कि बीती पांच तिमाहियों में सबसे अधिक तो है ही लेकिन आरबीआई के अनुमान से भी 1.3 फीसद अधिक है। ये आंकड़े इसलिए भी बहुत महत्वपूर्ण हैं कि अमरीकी टैरिफ को लेकर अर्थव्यवस्था में जिस तरह की चिंताएं देखी जा रही थीं, वे चिंताएं इन आंकड़ों से जरूर कुछ कम होंगी। विकास की यह रफ्तार आगे भी बनी रहेगी ऐसी उम्मीद है, क्योंकि सरकार कई प्रयास कर र ही है।

बिपिन त्रिपाठी, लखनऊ.

संक्षेप

युवा मजबूत मनोबल से चुनौतियों का सामना करें

देवरिया। विश्व आत्महत्या रोकथाम दिवस पर परमहंस विचार मंच तथा दीनानाथ पाण्डेय राजकीय महिला स्नातकोत्तर महाविद्यालय देवरिया के संयुक्त तत्वाधान में महाविद्यालय में आयोजित व्याख्यानमाला के अन्तर्गत अपने व्याख्यान में मुख्य वक्ता मनोविज्ञान की सेवानिवृत्त प्रोफेसर डा० नाज़िश बानो ने कहा कि व्यक्ति के जीवन पर आरंभ से परिवार, परिवेश, समाज, परिवार तथा रहन सहन का प्रभाव पड़ता है।

सबका रहन सहन तथा मन की स्थिति एक जैसी नहीं होती। आजकल माता पिता अपने पाल्यों पर दबाव डालते हैं कि वे निश्चित रूप से डाक्टर, इंजीनियर, प्रोफेसर या बड़े अफसर बनें। इसमें सफल न होने पर युवा हताश होकर गलत रास्ता चुनते हैं।

अपने अध्यक्षीय सम्बोधन में समाजशास्त्र के प्रोफेसर तथा प्राचार्य डा० राजेश कुमार ने आत्महत्या के सामाजिक कारणों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि अत्यधिक भौतिक सुख की लालसा तथा देखादेखी महत्वाकांक्षा के शिकार होकर युवा कुंठित होकर गलत रास्ते पर जा रहे हैं।

अतिवृष्टि से फसल की क्षति पर बीमित किसानों को मिलेगी राहत

जिला संवाददाता

ललितपुर। पिछले दिनों हुई अत्यधिक भारी वर्षा से फसलों को हुए नुकसान को देखते हुए जिला प्रशासन ने प्रभावित किसानों को राहत पहुंचाने की प्रक्रिया तेज कर दी है।

- 1.02 लाख से अधिक किसानों को मिलेगा फसल बीमा का लाभ
- राजस्व-कृषि विभाग व बीमा कंपनी की संयुक्त टीम करेगी सर्वे

जिलाधिकारी सत्य प्रकाश ने किसान हितों को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए फसल नुकसान का त्वरित और पारदर्शी आकलन कराने के निर्देश दिए हैं।

इसके लिए जनपद की सभी ग्राम पंचायतों में राजस्व विभाग, कृषि विभाग और फसल बीमा कंपनी के प्रतिनिधियों की संयुक्त टीमें गठित कर दी गई हैं। जिलाधिकारी ने बताया कि संयुक्त टीमें खेतों में पहुंचकर वर्षा से हुई फसल क्षति का वास्तविक आकलन करेंगी। सर्वे की प्रक्रिया में जनपद के सभी बीमित किसानों को शामिल किया गया है। इनमें 99,051 ऋणी कृषक तथा 3,162 गैर- ऋणी कृषक, यानी कुल 1,02,213 बीमित किसान शामिल हैं। जिलाधिकारी ने स्पष्ट किया कि अत्यधिक वर्षा से प्रभावित बीमित ऋणी एवं गैर-ऋणी किसानों को प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के प्रावधानों के तहत आर्थिक सहायता उपलब्ध कराई जाएगी।

इसके लिए मध्यावस्था प्रतिकूलता के तहत विशेष प्रस्ताव तैयार कर उत्तर प्रदेश की निदेशक, कृषि सांख्यिकी एवं फसल बीमा को पहले ही भेजा जा चुका है। प्रशासन की ओर से बताया गया कि प्रस्ताव के माध्यम से प्रभावित किसानों को योजना के निर्धारित प्रावधानों के अनुसार फसल क्षति की क्षतिपूर्ति दिलाने की प्रक्रिया को गति दी जा रही है। जिलाधिकारी सत्य प्रकाश ने संयुक्त सर्वे टीमों और बीमा कंपनी के अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि फसल नुकसान के आकलन की कार्रवाई युद्धस्तर पर और बिना किसी अनावश्यक देरी के पूरी की जाए। उन्होंने सर्वे में पूरी पारदर्शिता बरतने तथा वास्तविक क्षति का सही आकलन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं, ताकि पात्र किसानों को समय से बीमा योजना का लाभ मिल सके। जिलाधिकारी ने कहा कि भारी वर्षा से उत्पन्न संकट की इस घड़ी में जिला प्रशासन पूरी तरह किसानों के साथ खड़ा है।

प्रभावित बीमित किसानों को प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के प्रावधानों के अनुसार जल्द से जल्द क्षतिपूर्ति दिलाने के लिए प्रशासन द्वारा हर संभव कदम उठाया जा रहा है। जिला प्रशासन की इस पहल से भारी बारिश के कारण फसल नुकसान झेल रहे 1,02,213 बीमित किसानों को राहत मिलने की उम्मीद है।

अग्निवीर भर्ती में बड़ा फर्जीवाड़ा

ललितपुर। अग्निवीर भर्ती प्रक्रिया में फर्जी दस्तावेज और फोटो बदलकर नौकरी हासिल करने के कथित मामले ने पुलिस महकमे में खलबली मचा दी है। जिला मजिस्ट्रेट ललितपुर के निर्देश पर चयनित अग्निवीर अभ्यर्थियों के चरित्र एवं पूर्ववृत्त सत्यापन के दौरान फर्जीवाड़े का खुलासा हुआ। मामले में थाइबर थाना प्रभारी निरीक्षक शावेज खान की तहरीर पर कोतवाली में तीन नामजद

- दूसरे युवकों के दस्तावेज पर फोटो बदलकर तीन ने हासिल किया चयन

आरोपियों कन्हैया, आकाश और वीरेन्द्र के खिलाफ बीएनएस के तहत एफआईआर दर्ज की गई है। जांच में सामने आया कि यशवंत लोधी के नाम से अग्निवीर के रूप में 58 गोरखा ट्रेनिंग सेंटर, शिलॉन्ग, मेघालय में चयन हुआ था, लेकिन संबंधित दस्तावेजों पर लगी फोटो यशवंत की जगह उसके मित्र कन्हैया पुत्र आशाराम निवासी बिरारी की थी। आरोप है कि कन्हैया ने अपने मित्र के नाम और दस्तावेजों का इस्तेमाल करते हुए अपनी फोटो लगाकर फर्जी तरीके से अग्निवीर के रूप में चयन हासिल किया। इसी तरह जांच में आकाश पुत्र मुन्नालाल निवासी बीघाखेत महर्रा पर रामचरन नामक व्यक्ति के दस्तावेजों का कथित रूप से दुरुपयोग कर कूटरचित दस्तावेज तैयार करने और अग्निवीर भर्ती में चयन हासिल करने का आरोप सामने आया। वहीं तीसरे आरोपी वीरेन्द्र पुत्र कृष्णपाल लोधी निवासी बीघामहावत पर रामकुमार के दस्तावेजों का कथित दुरुपयोग कर फर्जी दस्तावेजों के माध्यम से अग्निवीर के रूप में चयन प्राप्त करने का आरोप है। पुलिस की प्रारंभिक जांच के अनुसार आरोपियों ने दूसरे व्यक्तियों के नाम और दस्तावेजों का इस्तेमाल कर पहचान संबंधी हेरफेर की तथा कूटरचित दस्तावेजों के आधार पर भर्ती प्रक्रिया में चयन प्राप्त किया। मामले में सरकारी धन के दुरुपयोग का पहलू भी जांच के दायरे में रखा गया है। कोतवाली पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ बीएनएस की धारा 318(4), 319(2), 336(3), 338, 340(2) के तहत मुकदमा दर्ज किया है। मामले की विवेचना उपनिरीक्षक मनीष कुमार शुक्ला को सौंपी गई है। पुलिस अब भर्ती प्रक्रिया से संबंधित दस्तावेज, फोटो, पहचान संबंधी अभिलेख और अन्य साक्ष्यों की जांच कर रही है। फर्जीवाड़े में अन्य लोगों की भूमिका अथवा दस्तावेजों के इस्तेमाल से जुड़े तथ्यों की भी विवेचना के दौरान पड़ताल की जाएगी।

विश्व हिंदू महासंघ के जिलाध्यक्ष दीप्तांशु निगम ने की प्रेस वार्ता

बाराबंकी। आगामी 12 सितंबर को ब्रह्मलीन राष्ट्रीय संत, गोरक्षपीठाधीश्वर महंत अवैद्यनाथ महाराज की 12वीं पुण्यतिथि, श्रीकृष्ण विजय यज्ञ एवं शोभायात्रा की तैयारियों को लेकर आज शुक्रवार को विश्व हिन्दू महासंघ जिलाध्यक्ष दीप्तांशु निगम ने प्रेस वार्ता का आयोजन किया। प्रेस वार्ता में विश्व हिन्दू महासंघ जिलाध्यक्ष श्री निगम ने बताया कि कार्यक्रम को व्यवस्थित एवं शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने के लिए सभी पदाधिकारी और कार्यकर्ता जिम्मेदारियां सौंप दी गई है। 12 सितम्बर को सभी कार्यकर्ता शहीद उद्यान पार्क पर एकत्रित होकर शांतिपूर्ण ढंग से शोभायात्रा निकालेंगे। शोभायात्रा पार्क से शुरू होते हुये पटेल तिराहा, कोतवाली, निबलेट, धनोखर हनुमान मंदिर पर समाप्त होगी। तत्पश्चात श्रीकृष्ण जन्मभूमि को अतिक्रमण से मुक्त कराने हेतु विजय यज्ञ व हवन पूजन किया जायेगा। प्रेस वार्ता में विश्व हिन्दू महासंघ जिलाध्यक्ष ने आगे बताया कि इस राष्ट्रव्यापी स्मृति पर्व और शोभायात्रा का उद्देश्य संपूर्ण सनातन समाज और विभिन्न हिंदू संगठनों को एकजुट करने, धर्म एवं भारतीय संस्कृति के संरक्षण के प्रति जन-जागरण फैलाने, शोभायात्रा के माध्यम से श्रीकृष्ण जन्मभूमि को अतिक्रमण मुक्त कराने के संकल्प को जन-जन तक पहुँचाने का कार्य किया जायेगा। प्रेस वार्ता के दौरान जिला महामंत्री आशीष पाठक, जिला संयोजक ललित सिंह, जिला संगठन मंत्री रामू गुप्ता, जिला उपाध्यक्ष जितेंद्र सिंह, प्रदीप जायसवाल, तेजपाल सिंह, जिला संयोजक आलोक अवस्थी, जिला मंत्री आशीष सिंह, सोशल मीडिया प्रभारी रंजीत, जिला मीडिया प्रभारी सोनू कुमार, नगर अध्यक्ष प्रबल कुमार, हिंदू जागरण मंच अवध प्रांत अध्यक्ष मनीष श्रीवास्तव, राष्ट्रीय बजरंग दल अध्यक्ष ललित रस्तोगी, संजय रावत आदि मौजूद रहे।

डीएम की पहल पर रास्ते के विवाद का हुआ समाधान, आरसीसी सड़क का निर्माण पूरा

देवरिया। बरियारपुर नगर पंचायत में रास्ते को लेकर चल रहे विवाद का जिलाधिकारी के निर्देश पर समाधान करा दिया गया। नगर पंचायत निवासी राज कुमार यादव द्वारा एक शिकायती प्रकरण प्रस्तुत किए, जाने पर जिलाधिकारी ने मामले की गंभीरता से लेते हुए टीम गठित कर उप जिलाधिकारी सदर को प्रकरण का तत्काल निस्तारण कराने के निर्देश दिए, जिलाधिकारी के निर्देश के क्रम में नायब तहसीलदार शिवेंद्र कौण्डिल्य के नेतृत्व में टीम ने मौके पर पहुंचकर मामले की जांच की। अधिशासी अधिकारी नगर पंचायत बरियारपुर और नगर पंचायत अध्यक्ष की मौजूदगी में दोनों पक्षों से बातचीत कर विवाद का समाधान कराया गया। इसके बाद विवादित रास्ते पर आरसीसी सड़क निर्माण का कार्य पूरा करा दिया गया। बताया गया कि नगर पंचायत की ओर से सड़क निर्माण के लिए पूर्व में ही टेंडर समेत अन्य प्रक्रिया पूरी कर ली गई थी, लेकिन विरोध के चलते निर्माण कार्य नहीं हो पा रहा था। जबकि इस मार्ग पर करीब तीन-चार वर्ष पूर्व खड़ंजा लगा था और लगभग 15 वर्षों से लोगों का आवागमन होता रहा है।

जांच के दौरान यह भी स्पष्ट हुआ कि रकबा संख्या 658 पर यथास्थिति बनाए रखने का निर्देश है, जबकि रकबा संख्या 657 गैर-विवादित है तथा इस पर किसी प्रकार का यथास्थिति बनाए रखने का कोई आदेश नहीं है। सड़क का निर्माण रकबा संख्या 657 में कराया गया है। विवाद का समाधान होने और सड़क निर्माण पूरा होने पर स्थानीय लोगों को आवागमन में सुविधा मिलेगी। रास्ते का निर्माण पूरा होने पर नगरवासियों ने प्रसन्नता जताई मौके पर नायब तहसीलदार शिवेंद्र कौण्डिल्य, अधिशासी अधिकारी नगर पंचायत बरियारपुर आदि उपस्थित रहे।

हर गांव-हर वार्ड में लगाया जायेगा एक हरिशंकरी पौधा

ललितपुर। जिले में गौ आधारित खेती एवं गौ उत्पादों को बढ़ावा देने के साथ-साथ पर्यावरण संरक्षण की दिशा में हरिशंकरी वृक्षारोपण को व्यापक अभियान के रूप में संचालित किया जाएगा। राज्य गौसेवा आयोग अध्यक्ष श्याम बिहारी गुप्ता के मुख्य आतिथ्य में कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित बैठक में जनपद के प्रत्येक राजस्व ग्राम और नगरीय क्षेत्र के प्रत्येक वार्ड में हरिशंकरी पौधरोपण कराने का निर्णय लिया गया। बैठक की अध्यक्षता जिलाधिकारी सत्य प्रकाश ने की। बैठक में गौसेवा आयोग अध्यक्ष ने शासन की नीति के अनुरूप जनभागीदारी से हरिशंकरी पौधरोपण अभियान संचालित किए जाने पर जोर दिया। तय किया गया कि जिले के 415 राजस्व ग्रामों तथा नगरीय क्षेत्र के सभी 58 वार्डों में एक-एक हरिशंकरी पौधा लगाया जाएगा। पौधरोपण का कार्यक्रम एक ही तिथि पर समारोहपूर्वक आयोजित किए जाने

की तैयारी है। अभियान की तैयारियों को अंतिम रूप देने के लिए 15 सितंबर को शाम चार बजे विकास भवन में बैठक आयोजित की जाएगी। बैठक में यह तय किया जाएगा कि आगामी सप्ताह में जनभागीदारी के माध्यम से जिलेभर में हरिशंकरी पौधरोपण अभियान किस प्रकार संचालित किया जाए। वन विभाग को समय से पौध उपलब्ध कराने की जिम्मेदारी दी गई है। अध्यक्ष ने बताया कि हरिशंकरी पौध में पाकर, पीपल और बरगद के पौधों का विधि-विधान से एक ही गड्ढे में रोपण किया जाता है। धार्मिक मान्यताओं में इन्हें ब्रह्मा, विष्णु और महेश का प्रतीक माना जाता है। अभियान के दौरान पौधों के रोपण के साथ आगामी चार वर्षों तक उनके संरक्षण का संकल्प भी दिलाया जाएगा। उन्होंने कहा कि हरिशंकरी वृक्षारोपण केवल पौधे लगाने तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि इसके संरक्षण और संवर्धन के लिए प्रशासन के साथ जनसमुदाय की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित की जाएगी। इससे पर्यावरण संरक्षण के साथ ग्रामीण क्षेत्रों में प्रकृति आधारित जागरूकता को भी बढ़ावा मिलेगा। जिलाधिकारी सत्य प्रकाश ने कहा कि जिले में हरिशंकरी वृक्षारोपण अभियान पर्यावरण विकास की दिशा में मील का पत्थर साबित होगा। इससे लोगों में पर्यावरण संरक्षण के प्रति नई जागरूकता पैदा होगी और पौधों के संरक्षण की सामुदायिक जिम्मेदारी भी मजबूत होगी। बैठक में पाकर, पीपल और बरगद से निर्मित हरिशंकरी वृक्ष पर्यावरण की दृष्टि से अत्यंत उपयोगी माने जाते हैं। ये वायुमंडल को शुद्ध करने, तापमान को नियंत्रित करने, भूमिगत जल संरक्षण, छाया उपलब्ध कराने तथा पक्षियों एवं पशुओं को आश्रय और आहार उपलब्ध कराने में सहायक होते हैं। इनके माध्यम से जैव विविधता को भी बढ़ावा मिलता है। बैठक में सीडीओ शेषनाथ चौहान, डीएफओ नवीन प्रकाश शाक्य, सिंह, उपायुक्त मनरेगा आरके यादव, रअधिकारी मौजूद रहे। इसके अलावा लखनऊ से लोक भारती के गोपाल मोहन उपाध्याय, झांसी से आचार्य लोगों ने बैठक में भाग लेकर अभियान को सफल बनाने के संबंध में अपने सुझाव दिए।

निषाद समाज नेता विनोद साहनी निषाद के अंतिम संस्कार में जा रहे सपाइयों को पुलिस ने रोका, डाक बंगले में पहुंचाया

बाराबंकी। गोंडा के कस्बा कर्नलगंज में निषाद समाज के प्रमुख नेता विनोद साहनी निषाद की निर्मम हत्या किये जाने की सूचना पर समाजवादी पार्टी के प्रतिनिधिमण्डल को पीड़ित परिवार से मिलने जाते समय विधानसभा रामनगर के बुढ़वल चैराहे पर जिला प्रशासन द्वारा गिरफ्तार कर रामनगर डाक बंगले में नजरबंद किया गया। आज समाजवादी पार्टी पूर्व कैबिनेट मंत्री अरविन्द सिंह गोप, पूर्व कारागार मंत्री राकेश वर्मा, रामनगर विधायक हाजी फरीद महफूज किदवई, सदर विधायक धर्मराज सिंह, जिलाध्यक्ष हाफिज अयाज अहमद सहित अन्य कार्यकर्ता को विनोद साहनी के परिजनों से मुलाकात एवं अंतिम संस्कार में शामिल होने के लिये जाते समय प्रशासन द्वारा हिरासत में लेते हुये रामनगर डाक बंगले में पहुंचाया। इस मौके पर बहराइच के पूर्व जिलाध्यक्ष लक्ष्मी नारायण यादव, प्रीतम सिंह वर्मा, अतीक चैधरी, प्रभात सिंह, मोहम्मद इरशाद, आकाश यादव, बाबुल मिश्रा, राजकुमार वर्मा सहित तमाम पदाधिकारी, कार्यकर्ताओ ने गिरफ्तारी का विरोध करते हुए शासन प्रशासन के खिलाफ जोरदार नारेबाजी की तथा सभी को तत्काल रिहा करने की मांग की।

जिला मुख्यालय का मतगणना सेल बना आरामगाह, 3 कर्मचारी मौजूद

भूपिंदर पाल सिंह शैन्की

बाराबंकी। जिला मुख्यालय पर स्थापित जनगणना सेल का हाल इस फोटो को देखकर लगाया जा सकता है। कहने को तो यहाँ कंप्यूटर भी है। ऑपरेटर भी है। स्टाफ भी है। लेकिन हाल बेहाल है। या यू कहे कि वर्तमान समय में आरामगाह सेल बनकर रह गया। यहाँ काम के नाम पर आराम किया जाता है। वो भी बेतरीके से! कुर्सी है तो उस पर टाँग रखी गई है। वो भी बिना किसी रोक टोक के।

- बेतरकीब कुर्सी पर टांग रख विराजमान कार्यालय कर्मी, दूसरा मोबाइल और तीसरा कंप्यूटर में व्यस्त

जिलाधिकारी कार्यालय के पीछे चंद कदमों पर स्थापित मतगणना सेल कार्यालय का हाल देख लीजिए। शुक्रवार को दिन के समय 1 बजकर 26 मिनट पर कार्यालय में तीन कर्मचारी मौजूद है।

एक कर्मचारी कंप्यूटर में कार्यरत है। दूसरा टोपी लगाकर मोबाइल में व्यस्त है। तीसरा कर्मचारी दिन भर की थकान मिटाने के लिए अपने शरीर को कुर्सी पर विराजमान किए हुए है। और टांगो को दूसरी कुर्सी पर हवा में लटका कर बैठे हुए है। और अधीनस्थों का ऐसा कृत्य बदनामी का कारण बनता है। शासन की मंशा और प्रशासन की साफ छवि को बदनाम करने में कहीं न कहीं ऐसे कारनामे ही उसकी वजह बनते है। बात मामूली सी हो या फिर बड़ी बदनामी होती है। कार्यालय बड़ा हो या छोटा उसका सम्मान होना चाहिए।

कार्यालय में कर्मचारी है तो उसको सेवा नियमावली के अनुरूप कार्यालय में अपनी मर्यादा और व्यवहार का पालन करना चाहिए। लेकिन ऐसा ना करके कर्मचारियों का ऐसा व्यवहार ना समाज के लिए, अच्छा है और ना प्रशासन के लिए?

प्राकृतिक खेती अपनाकर जल स्रोतों और नदियों को प्रदूषण से बचायें

ललितपुर। नमामि गंगे के तत्वावधान में जिला गंगा समिति द्वारा कृषि विभाग के सहयोग से कृषि विज्ञान केंद्र में प्राकृतिक खेती विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में विशेषज्ञों ने किसानों को प्राकृतिक खेती की तकनीकों की जानकारी देते हुए रासायनिक उर्वरकों एवं कीटनाशकों के अत्यधिक प्रयोग से

होने वाले दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक किया। विशेषज्ञों ने बताया कि खेतों में रासायनिक उर्वरकों और कीटनाशकों का अत्यधिक इस्तेमाल पर्यावरण के साथ-साथ जल स्रोतों के लिए भी नुकसानदायक हो सकता है। वर्षा अथवा सिंचाई के पानी के साथ इन रसायनों के अवशेष बहकर नालों, तालाबों और नदियों तक पहुंच सकते हैं, जिससे जल स्रोतों के प्रदूषित होने का खतरा बढ़ जाता है। उन्होंने कहा कि प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देकर रासायनिक पदार्थों के प्रयोग को कम किया जा सकता है। इससे जहां मिट्टी की उर्वरता और स्वास्थ्य बेहतर होता है, वहीं जल स्रोतों एवं नदियों के संरक्षण में भी महत्वपूर्ण योगदान मिलता है। कार्यशाला में विशेषज्ञों ने किसानों को प्राकृतिक खेती की विभिन्न तकनीकों के बारे में विस्तार से जानकारी दी। इस दौरान जीवामृत, घनजीवामृत, बीजामृत, आच्छादन (मल्चिंग) तथा मिश्रित फसल प्रणाली के उपयोग और उनके लाभों के बारे में बताया गया। किसानों को प्राकृतिक खेती को व्यवहारिक रूप से अपनाने के तरीकों की जानकारी भी दी गई। कार्यक्रम में कृषि विज्ञान केंद्र के वरिष्ठ वैज्ञानिक डा.मुकेश चंद, उप निदेशक कृषि अख्तर हुसैन, विषय वस्तु विशेषज्ञ डा.दिनेश तिवारी एवं डा.सरिता देवी ने किसानों को प्राकृतिक खेती से संबंधित महत्वपूर्ण एवं व्यवहारिक जानकारी प्रदान की। कार्यशाला के दौरान किसानों को कृषि विभाग की विभिन्न सरकारी योजनाओं, उन्नत बीजों तथा खाद प्रबंधन से संबंधित जानकारी भी दी गई। विशेषज्ञों ने किसानों से प्राकृतिक खेती की तकनीकों को अधिक से अधिक अपनाने तथा अपने आसपास के अन्य किसानों को भी इसके लिए प्रेरित करने का आह्वान किया। कार्यक्रम में के.पी.एस. डिग्री कॉलेज में अध्ययनरत कृषि संकाय के छात्र-छात्राओं ने भी बढ़-चढ़कर प्रतिभाग किया। कार्यशाला के माध्यम से विद्यार्थियों और किसानों को प्राकृतिक खेती के पर्यावरणीय एवं कृषि संबंधी महत्व को समझने का अवसर मिला। इस अवसर पर डा.विकास मंडेलोई, पुष्पेन्द्र पुरोहित, अंकेश यादव सहित बड़ी संख्या में क्षेत्रीय प्रगतिशील किसान उपस्थित रहे। संचालन जिला परियोजना अधिकारी जिला गंगा समिति केतन दुबे ने किया।

सेवा नियमावली बनाने, 62 वर्ष तक सेवा और स्थानांतरण प्रक्रिया पूरी कराने की भी मांग

ललितपुर। आदर्श समायोजित शिक्षक/शिक्षामित्र वेलफेयर एसोसिएशन जिलाध्यक्ष भगवत सिंह बैंस के नेतृत्व में शिक्षामित्रों ने बीएसए के माध्यम से मुख्यमंत्री को संबोधित ज्ञापन भेजकर विभिन्न मांगों के शीघ्र निस्तारण की मांग की। ज्ञापन में शिक्षामित्रों को नवंबर 2026 में प्रस्तावित विशेष शिक्षक पात्रता परीक्षा में आवेदन करने का अवसर प्रदान किए जाने की प्रमुख मांग उठाई गई। एसोसिएशन ने ज्ञापन में कहा कि वर्तमान वित्तीय वर्ष से शिक्षामित्रों को प्रतिमाह 18 हजार रुपये की दर से मानदेय प्राप्त हो रहा है तथा उन्हें कैशलेस चिकित्सा सुविधा भी उपलब्ध कराई जा रही है। संगठन ने इसके लिए प्रदेश सरकार के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि बेसिक शिक्षा विभाग में शिक्षक पात्रता परीक्षा की अनिवार्यता को देखते हुए सरकार द्वारा सेवारत शिक्षकों के लिए नवंबर 2026 में विशेष टीईटी का आयोजन किया जा रहा है। शिक्षामित्रों ने कहा कि वह भी लगभग 25 वर्षों से बेसिक शिक्षा विभाग में निष्ठापूर्वक शिक्षण कार्य कर रहे हैं। ऐसे में उन्हें भी विशेष शिक्षक पात्रता परीक्षा में आवेदन करने का अवसर दिया जाना न्यायोचित होगा। संगठन ने मुख्यमंत्री से इस संबंध में आवश्यक आदेश जारी करने की मांग की। ज्ञापन में शिक्षामित्रों की सेवा को स्थायित्व प्रदान करने के लिए सेवा नियमावली बनाए जाने की मांग भी की गई। इसके साथ ही शिक्षामित्रों की सेवा अवधि 62 वर्ष की आयु तक किए जाने तथा लंबित स्थानांतरण प्रक्रिया को शीघ्र पूरा कराने की मांग रखी गई।

रबी अभियान से पहले उर्वरकों की उपलब्धता सुनिश्चित करने के निर्देश

ललितपुर। आगामी रबी अभियान को देखते हुए, जनपद में उर्वरकों की पर्याप्त उपलब्धता बनाए रखने तथा किसानों को निर्धारित दरों पर सुगमता से खाद उपलब्ध कराने के लिए शुक्रवार को जिलाधिकारी सत्य

- डीएम ने थोक विक्रेताओं को दी सख्त चेतावनी
- ओवररेटिंग या अन्य उत्पादों की टैगिंग पर होगी विधिक कार्रवाई

प्रकाश की अध्यक्षता में जनपद स्तरीय समिति, उर्वरक कंपनियों के प्रतिनिधियों एवं थोक उर्वरक विक्रेताओं की बैठक आयोजित की गई। बैठक में किसानों को समय से और निर्धारित मूल्य पर उर्वरक उपलब्ध कराने को लेकर अधिकारियों एवं विक्रेताओं को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। बैठक में जिलाधिकारी ने थोक उर्वरक विक्रेताओं को स्पष्ट निर्देश दिए कि जनपद के फुटकर उर्वरक विक्रेताओं को उर्वरकों की आपूर्ति निर्धारित दर पर ही की जाए। उन्होंने किसी भी उर्वरक के साथ अन्य उत्पादों की अनिवार्य रूप से टैगिंग न करने के निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने चेतावनी दी कि यदि उर्वरकों की ओवररेटिंग अथवा किसानों से निर्धारित मूल्य से अधिक राशि वसूलने की शिकायत प्राप्त होती है तो संबंधित के विरुद्ध विधिक कार्रवाई की जाएगी। बैठक में फुटकर उर्वरक विक्रेताओं के साथ-साथ सभी साधन सहकारी समितियों के सचिवों को भी निर्देशित किया गया कि किसानों को उनकी कृषि भूमि के आधार पर संतुलित मात्रा में उर्वरकों का वितरण किया जाए।

उर्वरकों की बिक्री निर्धारित दरों पर ही सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए, ताकि रबी सीजन में किसानों को खाद के लिए किसी प्रकार की परेशानी का सामना न करना पड़े। अधिकारियों ने कहा कि उर्वरकों की उपलब्धता एवं वितरण व्यवस्था पर लगातार निगरानी रखी जाए तथा किसानों को पारदर्शी तरीके से खाद उपलब्ध कराई जाए।

आबकारी विभाग के ऑपरेशन क्लीन अभियान ने पकड़ी रफ्तार

जिला संवाददाता

बाराबंकी। शराब माफियाओं के खिलाफ आबकारी विभाग का ऑपरेशन क्लीन अभियान अब जोरो पर है। लगातार विभाग द्वारा कार्यवाही की मुहिम जारी है। शासन के निर्देशों के पालन के अंतर्गत विशेष प्रवर्तन अभियान को भी प्रभावी रूप से लागू किया जा रहा है। जिला आबकारी अधिकारी कुलदीप दिनकर के नेतृत्व में गठित टीमों द्वारा लगातार अपने अपने सर्किलों में सक्रियता से अवैध शराब अड्डों पर कार्यवाही की जा रही है। आज आबकारी निरीक्षक सर्किल रामनगर उमाशंकर चैधरी की टीम ने कच्ची शराब माफियाओं के खिलाफ थाना रामनगर अंतर्गत अभियान

- जिला आबकारी अधिकारी कुलदीप दिनकर के नेतृत्व में आबकारी निरीक्षकों की अवैध शराब अड्डों पर ताबड़तोड़ कार्यवाही
- 200 किलोग्राम तैयार लहन नष्ट, 70 लीटर कच्ची शराब बरामद, 4 गिरफ्तार

चलाया। टीम ने ग्राम मल्लाहन का पुरवा, बरसाती का पुरवा, बढ़नपुर डिपो सहित 11 संदिग्ध ठिकानों पर छापेमारी की। मौके से 40 लीटर कच्ची शराब को बरामद किया गया। 100 किलोग्राम तैयार लहन को मौके पर नष्ट कराया गया। छापेमारी के दौरान 2 आरोपियों के खिलाफ आबकारी अधिनियम के तहत 2 अभियोग पंजीकृत किये गए। तो वही आबकारी निरीक्षक सर्किल हैदरगढ़ राजेश कुमार तिवारी की टीम ने थाना असन्द्रा क्षेत्रान्तर्गत ग्राम जरगवा, नैपुरा मे छापेमारी कर 30 लीटर कच्ची शराब को बरामद किया। मौके पर 100 किलोग्राम तैयार लहन को नष्ट कराया। तथा 2 अभियोग पंजीकृत किये गये। छापेमारी के पश्चात ग्रामवासियों को अवैध शराब के सेवन से होने वाले दुष्परिणामों के बारे में जागरूक किया गया। तथा अवैध शराब का कारोबार करने वाले के खिलाफ सूचना दिये जाने की अपील की गई। छापेमारी वाली टीम में प्रधान आबकारी सिपाही महेश त्रिपाठी, सत्य प्रकाश उपाध्याय, महेश दत्त त्रिपाठी, शशि प्रकाश वर्मा, आबकारी सिपाही ओमप्रकाश सिंह, इमरान खान, महिला आबकारी सिपाही सोनम वर्मा, रामसवारी मौजूद रहे।

छात्रवृत्ति आवेदनों की समस्याओं के समाधान के लिए पांच तहसीलों में लगा कैंप

देवरिया। जिलाधिकारी के निर्देश पर कल्याण विभाग के अंतर्गत संचालित छात्रवृत्ति योजनाओं में छात्र-छात्राओं के आवेदन से जुड़ी समस्याओं के त्वरित समाधान के लिए शुक्रवार को जिले की पांचों तहसीलों में एक साथ छात्रवृत्ति कैंप का आयोजन किया गया। कैंप का आयोजन संबंधित विकासखंडों के नामित नोडल खंड विकास अधिकारियों की अध्यक्षता में हुआ। कैंप में जिला पिछड़ा वर्ग कल्याण, जिला समाज कल्याण और जिला अल्पसंख्यक कल्याण विभाग से संबंधित छात्रवृत्ति आवेदनों की समस्याओं का समाधान किया गया कैंप में संबंधित शिक्षण संस्थानों के प्रधानाचार्य, तहसील के लेखपाल, कंप्यूटर ऑपरेटर समेत अन्य संबंधित कर्मचारी मौजूद रहे। छात्र-छात्राओं की समस्याओं को मौके पर सुना गया और जहां संभव हुआ, उनका तत्काल निस्तारण कराया गया। भाटपाररानी तहसील के बाबा आरएसडी इंटर कॉलेज में आयोजित कैंप में 70 छात्र-छात्राएं अपनी समस्याएं लेकर पहुंचे। इनमें से 18 की समस्याओं का मौके पर समाधान किया गया रुद्रपुर तहसील के बीबी राव इंटर कॉलेज में 53 छात्र-छात्राएं पहुंचे, जिनमें से 15 की समस्याओं का मौके पर निस्तारण किया गया। बरहज तहसील के बाबा गयादास इंटर कॉलेज में आयोजित कैंप में 75 छात्र-छात्राएं पहुंचे। इनमें से 25 की समस्याओं का मौके पर समाधान किया गया। सलेमपुर तहसील के भारत भारती श्री जमुना जगन्नाथ इंटर कॉलेज में 90 छात्र-छात्राएं उपस्थित हुए। इनमें से 35 की समस्याओं का मौके पर निस्तारण किया गया। इसके अलावा नवीनीकरण के 20 छात्र-छात्राओं का डाटा भी अग्रसारित कराया गया। देवरिया सदर तहसील के इंदिरा गांधी इंटर कॉलेज में आयोजित कैंप में सर्वाधिक 140 छात्र-छात्राएं पहुंचे। इनमें से 53 की समस्याओं का मौके पर समाधान किया गया। जिन छात्रों के आय, जाति एवं निवास प्रमाण-पत्र नहीं बन पाए थे, उनकी सूची कैंप में मौजूद लेखपालों को उपलब्ध कराई गई। संबंधित लेखपालों को सूची में दर्ज मोबाइल नंबरों के माध्यम से छात्रों से संपर्क कर आवश्यक प्रमाण-पत्र बनवाना सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए।

सेंसेक्स में 121 अंकों की गिरावट

मुंबई। घरेलू शेयर बाजार शुक्रवार को कारोबार के दौरान करीब एक प्रतिशत तक गिरने के बाद संभल गए और मामूली नुकसान के साथ बंद हुए। कच्चे तेल की ऊंची कीमतों में नरमी और एचडीएफसी बैंक तथा सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) कंपनियों के शेयर में खरीदारी से बाजार को निचले स्तर से उबरने में मदद मिली।

बीएसई का 30 शेयर वाला मानक सूचकांक सेंसेक्स 120.83 अंक यानी 0.16 प्रतिशत गिरकर 74,781.76 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान एक समय यह 742.43 अंक यानी 0.99 प्रतिशत तक गिरकर 74,160.16 अंक पर आ गया था। इसी तरह, नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का मानक सूचकांक निफ्टी भी 79.70 अंक यानी 0.34 प्रतिशत गिरकर 23,398.10 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान यह 246.4 अंक यानी 1.04 प्रतिशत तक गिरकर 23,231.40 अंक पर आ गया था। सेंसेक्स में शामिल कंपनियों में से टाटा स्टील, रिलायंस इंडस्ट्रीज, सन फार्मा, बजाज फाइनेंस, एनटीपीसी, पावर ग्रिड, लार्सन एंड टुब्रो और एक्सिस बैंक प्रमुख रूप से नुकसान में रहीं। दूसरी तरफ, एचडीएफसी बैंक, टेक महिंद्रा, एचसीएल टेक्नोलॉजीज, इटर्नल और इन्फोसिस के शेयर चढ़कर बंद हुए। वैश्विक तेल मानक ब्रेंट क्रूड 3.19 प्रतिशत गिरकर 104.2 डॉलर प्रति बैरल पर आ गया। इसके पहले ब्रेंट क्रूड 108 डॉलर प्रति बैरल के करीब पहुंच गया था। यूरोपीय बाजारों में सकारात्मक शुरुआत के बाद घरेलू बाजार में अभी भी सुधार जारी है। कच्चे तेल की ऊंची कीमतें, विदेशी निवेशकों की बिकवाली और भू-राजनीतिक अनिश्चितता बाजार में उतार-चढ़ाव को बढ़ा सकती हैं। हालांकि, घरेलू अर्थव्यवस्था के मजबूत बुनियादी कारक और संस्थागत निवेशकों का समर्थन निचले स्तरों पर खरीदारी का मौका दे रहा है। बीएसई स्मॉलकैप सेलेक्ट सूचकांक 0.67 प्रतिशत गिरा, जबकि मिडकैप सेलेक्ट सूचकांक 0.07 प्रतिशत की मामूली बढ़त के साथ बंद हुआ। बीएसई के क्षेत्रवार सूचकांकों में रियल एस्टेट क्षेत्र में 2.69 प्रतिशत, धातु में 2.40 प्रतिशत, जिंस में 1.61 प्रतिशत, ऊर्जा में 1.06 प्रतिशत, यूटिलिटी में एक प्रतिशत और वाहन क्षेत्र में 0.88 प्रतिशत की गिरावट रही। वित्तीय सेवाएं, निजी बैंक, सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी), दूरसंचार, बैंकएक्स और फोकस्ड आईटी सूचकांक बढ़त में रहे। विशेषज्ञों ने कहा कि निचले स्तरों पर खरीदारी आने से बाजार दिन के निचले स्तर से उबर गया। हालांकि, बाजार में बढ़त वाले शेयरों की कमजोर संख्या बताती है कि व्यापक स्तर पर

विदेशी मुद्रा भंडार रिकॉर्ड 44.9 अरब डॉलर बढ़कर अबतक के उच्चतम स्तर 785.71 अरब डॉलर पर

मुंबई। देश का विदेशी मुद्रा भंडार चार सितंबर को समाप्त सप्ताह में रिकॉर्ड 44.90 अरब डॉलर उछलकर अबतक के उच्चतम स्तर 785.71 अरब डॉलर पर पहुंच गया। भारतीय रिजर्व बैंक ने शुक्रवार को यह जानकारी दी।

इससे पिछले सप्ताह में भी विदेशी मुद्रा भंडार 11.47 अरब डॉलर बढ़कर 740.80 अरब डॉलर के नए सर्वकालिक उच्च स्तर पर पहुंच गया था। इस साल की शुरुआत में पश्चिम एशिया में संघर्ष शुरू होने के बाद से विदेशी मुद्रा भंडार में लगातार गिरावट आ रही थी। उस दौरान रुपये पर दबाव बढ़ने के कारण आरबीआई को डॉलर की बिक्री के जरिये विदेशी मुद्रा बाजार में हस्तक्षेप करना पड़ा था। हालांकि, घरेलू मुद्रा में तेज गिरावट के बीच आरबीआई ने इस साल जून में रियायती दर पर विदेशी मुद्रा अदला-बदली की योजनाओं की घोषणा की, जिसके बाद विदेशी मुद्रा भंडार बढ़ना शुरू हुआ। इस कदम से 136 अरब डॉलर से अधिक का नया पूंजी प्रवाह हुआ है। आरबीआई के आंकड़ों के अनुसार, चार सितंबर को समाप्त सप्ताह में विदेशी मुद्रा भंडार का प्रमुख घटक विदेशी मुद्रा परिसंपत्तियां 47.498 अरब डॉलर बढ़कर 648.17 अरब डॉलर हो गई। डॉलर के संदर्भ में बताई जाने वाली विदेशी मुद्रा परिसंपत्तियों में विदेशी मुद्रा भंडार में रखी यूरो, पाउंड और येन जैसी गैर-अमेरिकी मुद्राओं की कीमत में होने वाली बढ़ोतरी या गिरावट का असर भी शामिल होता है। आरबीआई ने कहा कि सप्ताह के दौरान स्वर्ण भंडार का मूल्य 2.59 अरब डॉलर घटकर 113.82 अरब डॉलर रह गया। वहीं, विशेष आहरण अधिकार (एसडीआर) 40 लाख डॉलर घटकर 18.81 अरब डॉलर रहा। केंद्रीय बैंक के आंकड़ों के अनुसार, समीक्षाधीन सप्ताह के अंत में अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) में भारत की आरक्षित स्थिति 20 लाख डॉलर बढ़कर 4.92 अरब डॉलर हो गई।

संक्षेप

महिला नेतृत्व पर एक बाध्यकारी घोषणा की भाषा की मांग

नई दिल्ली। ब्रिक्स प्लस देशों में महिलाओं का नेतृत्व आगे बढ़ाने के लिए बाध्यकारी घोषणा की भाषा और संस्थागत तंत्र जरूरी हैं। यह बात महिला नेताओं के एक उच्च स्तरीय पैनल ने ब्रिक्स प्लस डायलॉग 2026 में कही। 18वें ब्रिक्स समिट से पूर्व इस कार्यक्रम का आयोजन गैर लाभकारी संस्था ब्रिक्स चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री द्वारा की गई जो ब्रिक्स प्लस और साझीदार देशों में व्यापार एवं वाणिज्य को बढ़ावा देती है। हाशिए से मुख्यधारा तकः ब्रिक्स नवाचार पारितंत्र में महिलाओं के नेतृत्व को संस्थागत रूप देना विषय पर आयोजित सत्र के लिए इस संस्था के वुमेन्स बिजनेस एलायंस (डब्लूबीए) चैप्टर्स और संस्थागत समुदाय से प्रमुख नेता एकत्रित हुए।

पुलिस के लिए फुटवियर कलेक्शन लॉन्च

नई दिल्ली। 'वैलेंटिनो' ने खास तौर पर पुलिस के लिए एक कलेक्शन पेश किया है। इसे पुलिस में काम करने वाले पुरुषों और महिलाओं की जरूरतों को ध्यान में रखकर डिजाइन किया गया है। हाल ही में, एक्टर और फि टनेस के शौकीन अक्षय कुमार ने महाराष्ट्र पुलिस के लिए ज्यादा आरामदायक जूते की मांग की है, जिससे बेहतर पुलिस फुटवियर की जरूरत पर ज्यादा ध्यान दिया जाने लगा है। कुमार ने बताया कि कैसे आम तौर पर इस्तेमाल होने वाले सख़्त सोल और हील वाले जूते पुलिसकर्मियों के लिए दौड़ने और देर तक चलने-फिरने में मुश्किल पैदा कर सकते हैं। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि बेहतर जूते से अफसर तेजी से चल-फिर सकेंगे और अपनी ड्यूटी ज्यादा बेहतर ढंग से निभा सकेंगे।

बीआईएस मानकों के अनुरूप हेलमेट अनिवार्य

गाजियाबाद। उपभोक्ताओं को गुणवत्तापूर्ण और मानक-अनुरूप उत्पाद उपलब्ध कराने तथा भारतीय मानक ब्यूरो के मानक चिह्न के दुरुपयोग पर प्रभावी अंकुश लगाने के उद्देश्य से भारतीय मानक ब्यूरो की गाजियाबाद शाखा ने जिले में बड़ी प्रवर्तन कार्रवाई की है। बीआईएस की टीमों ने गाजियाबाद के लोनी और मोहननगर क्षेत्र में दो अलग-अलग स्थानों पर तलाशी एवं जब्ती अभियान चलाया। प्रारंभिक जांच में सामने आया कि इन उत्पादों पर ऐसे बीआईएस लाइसेंस नंबर का इस्तेमाल किया जा रहा था, जो पहले ही रद्द किया जा चुका था। इस तरह रद्द लाइसेंस नंबर के माध्यम से आईएसआई मार्क का इस्तेमाल किए जाने का मामला सामने आया है। बीआईएस की कार्रवाई में गाजियाबाद, दिल्ली और नोएडा शाखाओं की संयुक्त टीमें शामिल रहीं। इसलिए हेलमेट की गुणवत्ता और उसका निर्धारित मानकों के अनुरूप होना बेहद महत्वपूर्ण है।

फ्लिपकार्ट मिनट्स का विस्तार 150 से अधिक शहरों तक हुआ

नई दिल्ली। फ्लिपकार्ट की क्विक कॉमर्स पेशकश, फ्लिपकार्ट मिनट्स को 2 साल पूरे हो चुके हैं। अगस्त, 2024 में अपने लॉन्च के बाद से इस प्लेटफॉर्म ने साल दर साल 4 गुना की वृद्धि हासिल की है और इसका विस्तार 150 से अधिक शहरों में लगभग 1,200 माईक्रो फुलफिलमेंट सेंटर्स तक हो चुका है। इस प्लेटफॉर्म ने अपनी शुरुआत के बाद से अब तक 4 लाख से अधिक प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष नौकरियाँ दी हैं। वहीं, फ्लिपकार्ट मिनट्स के लगभग 60 प्रतिशत ग्राहक इस प्लेटफॉर्म पर खरीदारी करने के लिए वापस आते हैं। इससे देश में क्विक कॉमर्स का बढ़ता एडॉप्शन प्रदर्शित होता है। इस विकास में टियर 2+ बाजारों का महत्वपूर्ण योगदान है। प्लेटफॉर्म के कस्टमर बेस में लगभग 25 गुना की सालाना वृद्धि हुई है। इन बाजारों में माँग भी लगातार बढ़ रही है, जिसमें ग्राहक दैनिक जरूरत की वस्तुओं के साथ कोरियन नूडल्स, सॉस और रेडी-टू-ईट मील्स एवं प्रीमियम स्किनकेयर और पर्सनल केयर कैटेगरीज में भी सामान खरीद रहे हैं फ्लिपकार्ट मिनट्स पर सबसे तेजी से बढ़ने वाले ग्राहक जेन जी कैटेगरी से हैं। इस प्लेटफॉर्म पर जेन जी कस्टमर बेस पिछले 12 महीनों में लगभग 5 गुना बढ़ा है, जो ब्यूटी, इलेक्ट्रॉनिक्स, गेमिंग, वियरेबल्स, फ्रैग्रेंस, हैल्थ एवं न्यूट्रिशन और ग्रूमिंग कैटेगरीज में 45 प्रतिशत से अधिक ऑर्डर देते हैं। फ्लिपकार्ट मिनट्स पिछले दो सालों में एक सुविधा बढ़ाने वाली पेशकश की बजाय एक व्यापक शॉपिंग चैनल बन गया है। इसका दायरा दैनिक जरूरत की वस्तुओं से काफी बड़ा हो चुका है।

बैंकर बही साक्ष्य अधिनियम एक अक्टूबर से होगा लागू

नयी दिल्ली। बैंकिंग रिकॉर्ड को साक्ष्य के रूप में इस्तेमाल करने के लिए आधुनिक कानूनी ढांचा उपलब्ध कराने वाला बैंकर बही साक्ष्य अधिनियम, 2026 एक अक्टूबर से लागू हो जाएगा। वित्त मंत्रालय ने शुक्रवार को एक बयान में कहा कि 10 सितंबर को जारी अधिसूचना के जरिये एक अक्टूबर, 2026 को इस कानून के प्रावधानों के लागू होने की तारीख तय की गई है। राष्ट्रपति ने पिछले महीने इस कानून को मंजूरी दी थी।

यह कानून समकालीन बैंकिंग गतिविधियों के अनुरूप बैंकिंग रिकॉर्ड के साक्ष्य के रूप में इस्तेमाल के लिए आधुनिक ढांचा उपलब्ध कराने के उद्देश्य से लाया गया है। मंत्रालय ने कहा कि कानून में प्रौद्योगिकी-तटस्थ दृष्टिकोण अपनाया गया है। इसके तहत भौतिक, इलेक्ट्रॉनिक, डिजिटल, वर्चुअल, क्लाउड आधारित और अन्य आधुनिक स्वरूपों में रखे गए बैंकिंग रिकॉर्ड को मान्यता दी गई है।

इसमें बैंकिंग रिकॉर्ड के प्रमाणीकरण की प्रक्रिया को भी सरल और एकरूप बनाया गया है। रिकॉर्ड के प्रमाणीकरण के लिए मैनुअल, डिजिटल या इलेक्ट्रॉनिक हस्ताक्षर का इस्तेमाल किया जा सकता है। मंत्रालय के मुताबिक, ऐसे मामलों में बैंक अधिकारियों को अदालत में बुलाने के संबंध में भी अधिक स्पष्टता दी गई है।

रुपया पांच पैसे टूटकर 95.57 प्रति डॉलर पर

मुंबई। रुपया शुक्रवार को अमेरिकी डॉलर के मुकाबले पांच पैसे की गिरावट के साथ 95.57 (अस्थायी) पर रहा। कच्चे तेल की कीमत में सुधार और भारतीय रिजर्व बैंक के संभावित हस्तक्षेप से रुपये को मदद मिली।

विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि वैश्विक बाजारों में जोखिम से बचने की प्रवृत्ति और कच्चे तेल की ऊंची कीमत रुपये पर दबाव डाल रही हैं। रुपया शुक्रवार को लगातार पांचवें सत्र में गिरावट के साथ बंद हुआ। कारोबारियों ने बताया कि रुपया गिरावट के साथ खुला लेकिन आरबीआई के संभावित हस्तक्षेप, घरेलू शेयर बाजार में दिन के निचले स्तर से मामूली सुधार और ऊंचे स्तर पर कच्चे तेल में मुनाफावसूली से उसने कुछ नुकसान की भरपाई की। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपया 95.70 पर खुला और बाद में 95.79 के निचले स्तर पर आ गया। हालांकि, बाद में स्थानीय मुद्रा ने नुकसान की भरपाई की और दिन के उच्च स्तर 95.51 प्रति डॉलर पर पहुंची। रुपया अंत में अमेरिकी डॉलर के मुकाबले पांच पैसे की गिरावट के साथ 95.57 (अस्थायी) पर बंद हुआ। रुपया बृहस्पतिवार को 44 पैसे टूटकर 95.52 प्रति डॉलर पर बंद हुआ था। रुपया अपनी गिरावट जारी रखते हुए... 15 मई के बाद से अपने सबसे बड़े साप्ताहिक नुकसान की ओर बढ़ा है। इसकी वजह कच्चे तेल की कीमतों में तेज वृद्धि और बॉन्ड पर प्रतिफल बढ़ना है। उन्होंने कहा कि निकट अवधि में डॉलर के मुकाबले रुपया का हाजिर भाव 95.80 से 95.15 के आसपास रह सकता है। इस बीच, दुनिया की छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी मुद्रा की स्थिति को दर्शाने वाला डॉलर सूचकांक 0.09 प्रतिशत बढ़कर 99.13 पर आ गया।

अंतरराष्ट्रीय तेल मानक ब्रेंट कच्चा तेल का भाव वायदा कारोबार में 3.28 प्रतिशत टूटकर 104.10 डॉलर प्रति बैरल पर रहा।

मौद्रिक समीक्षा बैठक में वृद्धि, मुद्रास्फीति की स्थिति का नये सिरे से करेंगे आकलनः मल्होत्रा

नयी दिल्ली। भारतीय रिजर्व बैंक के गवर्नर संजय मल्होत्रा ने शुक्रवार को कहा कि पश्चिम एशिया संकट के कारण कच्चे तेल की कीमतों में बढ़ोतरी के बीच मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) अगले महीने अपनी बैठक में वृद्धि और मुद्रास्फीति की स्थिति का पुनर्मूल्यांकन करेगी।

मल्होत्रा ने कहा कि कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों का मुद्रास्फीति पर असर पड़ेगा, लेकिन यह इस बात पर निर्भर करेगा कि बढ़ी हुई लागत का कितना बोझ उपभोक्ताओं पर डाला जाता है। कच्चे तेल के दाम बढ़े हैं। भारत के लिए कच्चे तेल की औसत कीमत जुलाई में 82 डॉलर प्रति बैरल थी जो अगस्त में बढ़कर 90 डॉलर प्रति बैरल हो गई। इसका निश्चित रूप से कुछ असर होगा, लेकिन यह फिर से लागत के उपभोक्ताओं तक पहुंचने पर निर्भर करेगा। मल्होत्रा ने कहा कि सरकार ने काफी हद तक इस झटके को अपने ऊपर लिया और उसका असर कम किया है, जिससे भारतीय अर्थव्यवस्था इस स्थिति से अच्छी तरह निपटी है। उन्होंने कहा कि आरबीआई मुद्रास्फीति पर नजर रखेगा। जोखिम दोनों तरफ है... एमपीसी करीब एक महीने में जब बैठक करेगी, तब वृद्धि-मुद्रास्फीति की स्थिति का पुनर्मूल्यांकन करेगी। मैं अपना आकलन नहीं बताना चाहता। एमपीसी की अगली बैठक पांच से सात अक्टूबर, 2026 को होनी है।

यूनाइटेड फोरम ऑफ बैंक यूनियंस की हड़ताल से झारखंड में बैंक सेवाओं पर पड़ा असर

रांची। यूनाइटेड फोरम ऑफ बैंक यूनियंस की तरफ से विभिन्न मांगों को लेकर बुलाई गई देशव्यापी हड़ताल में कर्मचारियों के शामिल होने के कारण शुक्रवार को झारखंड में, विशेषकर सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों में बैंकिंग सेवाएं प्रभावित रहीं।

हालांकि, राज्य में निजी बैंकों की सेवाएं हड़ताल से प्रभावित नहीं हुईं। बैंक ऑफ इंडिया एम्प्लॉइज यूनियन के झारखंड क्षेत्र के उप महासचिव उमेश दास ने कहा कि राज्य में राष्ट्रीयकृत बैंकों, भारतीय स्टेट बैंक और ग्रामीण बैंकों की शाखाओं में नकदी जमा और निकासी, चेक निपटान तथा प्रशासनिक कामकाज प्रभावित हुआ। उन्होंने कहा कि कर्मचारियों की प्रमुख मांग सभी शनिवार को अवकाश घोषित करना और पांच दिन का कार्यसप्ताह लागू करना है। यह मांग मार्च, 2024 में भारतीय बैंक संघ (आईबीए) के साथ हुए 12वें द्विपक्षीय समझौते में कथित तौर पर स्वीकार की गई थी, लेकिन इसके लिए, सरकार की अधिसूचना अभी जारी नहीं हुई है। दास ने कहा कि शीर्ष स्तर के कुछ अधिकारियों को छोड़कर लगभग सभी कर्मचारी हड़ताल पर रहे। उन्होंने कहा कि कर्मचारी प्रदर्शन से जुड़े प्रोत्साहन (पीएलआई) नीति में एकरूपता, पेंशन में संशोधन एवं सुधार, सभी पेंशनभोगियों के लिए महंगाई भत्ते की एक समान गणना तथा राष्ट्रीय पेंशन प्रणाली (एनपीएस) के दायरे में आने वाले कर्मचारियों को पुरानी पेंशन योजना (ओपीएस) में जाने का विकल्प देने की भी मांग कर रहे हैं। स्टेट बैंक स्टाफ एसोसिएशन की सदस्य नेहा श्रीवास्तव ने कहा कि यदि उनकी मांगें नहीं मानी गई तो कर्मचारी 28 सितंबर से 30 सितंबर तक तीन दिन की हड़ताल करेंगे और 26 अक्टूबर से अनिश्चितकालीन हड़ताल पर जाएंगे।

एमएनआरई ने आयोजित किया बीआरई समिट 2026 रोडशो

लखनऊ। जयपुर, मुंबई, हैदराबाद, अहमदाबाद और बेंगलुरु में आयोजित पाँच क्षेत्रीय रोडशो से प्राप्त उत्साह और गति को आगे बढ़ाते हुए, सरकार, उद्योग और नवीकरणीय ऊर्जा क्षेत्र की अग्रणी हस्तियाँ आज विश्व के सबसे बड़े अक्षय ऊर्जा समिट एवं एक्सपो भारत रिन्यूएबल एनर्जी समिट एंड एक्सपो, 2026 की क्षेत्रीय रोडशो श्रृंखला के छठे संस्करण के लिए लखनऊ में एकत्रित हुईं। लखनऊ संस्करण ने इस जनसंपर्क अभियान को एक विशिष्ट क्षेत्रीय आयाम प्रदान करते हुए उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड और बिहार के प्रतिनिधियों को एक साझा मंच पर साथ लाया तथा भारत के स्वच्छ ऊर्जा संक्रमण में उत्तर भारत की बढ़ती भूमिका को चर्चा के केंद्र में स्थापित किया। 2 से 5 नवंबर तक अंतरराष्ट्रीय सौर गठबंधन असेंबली के 9वें सत्र तथा ग्रीन हाइड्रोजन पर चौथे अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन के साथ किया जाएगा।

भारत को 2047 तक विकसित देश बनने को समावेशी वृद्धि की जरूरत

मुंबई। भारत ने आर्थिक वृद्धि के क्षेत्र में अच्छी प्रगति की है और 2047 तक विकसित देश बनने के लिए उसे समावेशी वृद्धि की जरूरत है।

कुछ राज्यों ने स्वास्थ्य और शिक्षा के मानकों पर भी बहुत अच्छा प्रदर्शन किया है। लेकिन कुछ राज्य पीछे रह गए हैं, इसलिए हमें उन पर भी ध्यान देने की जरूरत है। आर्थिक समावेश के जरिये 2047 तक समृद्धि हासिल करने के लिए, भारत के पास मजबूत आधार है। इसके तहत सभी लोगों को उचित शिक्षा और लाभकारी रोजगार या उद्यमिता के लिए कौशल तक पहुंच सुनिश्चित करनी होगी। हम विकसित राष्ट्र बनने के लिए समावेशी वृद्धि चाहते हैं... साथ ही, आय के स्तर पर जब आप प्रति व्यक्ति आय को मापते हैं, तो केवल इतना ही पर्याप्त नहीं है... हमें यह सुनिश्चित करना होगा कि आबादी के सबसे निचले 10 प्रतिशत या 20 प्रतिशत में वास्तव में कितने लोग हैं। प्रौद्योगिकी के बारे में बात करते हुए उन्होंने कहा कि कोई नहीं जानता कि भविष्य कैसा होगा। जो नई प्रौद्योगिकी आई है और जो आगे आएगी, वह मानव उत्पादकता में वृद्धि करेगी और जब उत्पादकता बढ़ेगी तो आय भी बढ़ेगी। इसलिए इसका वितरण होना चाहिए, जब तक कि कुछ लोग इसका लाभ अपने तक सीमित न कर लें। नीति आयोग के सीईओ ने कहा कि सरकार नियमन के जरिये प्रतिस्पर्धा को बढ़ावा देगी और बाजार में गड़बड़ी, एकाधिकार या अल्पाधिकार की अनुमति नहीं देगी। इसी कार्यक्रम में भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) के प्रबंध निदेशक राम मोहन राव अमारा ने कहा कि भारत का सबसे बड़ा बैंक प्रधानमंत्री जन धन योजना के बैंक खातों में 30 प्रतिशत हिस्सेदारी रखता है। हम देख पा रहे हैं कि इन खातों की शुरुआत भले ही शून्य शेष राशि के साथ हुई थी, लेकिन अब इन खातों में औसत शेष राशि 5,000 रुपये है। इसलिए, अब हम इन ग्राहकों को बचत से बीमा सुरक्षा की ओर ले जाने पर भी ध्यान केंद्रित कर रहे हैं।

पेज एक का शेष

देशव्यापी हड़ताल

आई। मध्य प्रदेश बैंक कर्मचारी संघ के अध्यक्ष मोहनकृष्ण शुक्ला ने पीटीआई-भाषा से कहा कि राज्य की 8,707 बैंक शाखाओं में से करीब 7,000 शाखाओं के लगभग 42,000 कर्मचारी और अधिकारी हड़ताल में शामिल हुए।

हिमाचल प्रदेश में बैंक कर्मचारियों और अधिकारियों ने अपनी मांगों के समर्थन में प्रदर्शन किया। यूएफबीयू के राज्य संयोजक नरेंद्र शर्मा और ऑल इंडिया बैंक ऑफिसर्स कन्फेडरेशन (एआईबीओसी) के राज्य अध्यक्ष आशुतोष शर्मा ने शिमला में जारी बयान में कहा कि बैंक कर्मचारी अपनी मांगों को लेकर हड़ताल करने को मजबूर हुए। झारखंड में भी सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों की सेवाएं प्रभावित रहीं। बैंक ऑफ इंडिया एम्प्लॉइज यूनियन, झारखंड के उप महासचिव उमेश दास ने कहा कि राष्ट्रीयकृत बैंकों, भारतीय स्टेट बैंक और ग्रामीण बैंकों की शाखाओं में नकद जमा, निकासी, चेक निपटान और प्रशासनिक कार्य प्रभावित हुए।

ऑल इंडिया बैंक ऑफिसर्स कन्फेडरेशन के महासचिव रूपम रॉय ने कहा कि यदि सरकार मांगों पर विचार नहीं करती है तो 28 सितंबर से तीन दिवसीय देशव्यापी हड़ताल की जाएगी।

खराब सड़कों

एवं शहरी नियोजन तथा अवस्थापना एवं औद्योगिक विकास विभाग की कार्ययोजनाओं की समीक्षा की गई। उन्होंने सभी संबंधित विभागों के बीच बेहतर समन्वय के साथ काम करने पर जोर दिया। विभाग के प्रस्तुतिकरण में बताया गया कि गड्ढामुक्ति अभियान में 09 विभागों के मार्ग शामिल हैं। इन विभागों के अधीन करीब 4.36 लाख किलोमीटर सड़कें हैं। वर्तमान लक्ष्य के तहत करीब 50 हजार किलोमीटर मार्गों को गड्ढामुक्त किया जाना है, जिसमें अब तक करीब 5,751 किलोमीटर पर काम पूरा किया जा चुका है। क्षतिग्रस्त मार्गों के सर्वे के बाद विभागवार लक्ष्य को अंतिम रूप दिया जाएगा। नवीनीकरण और विशेष मरम्मत के कार्यों की भी समीक्षा की गई। विभाग के अनुसार नवीनीकरण के लिए करीब 30 हजार किलोमीटर और विशेष मरम्मत के लिए करीब 5 हजार किलोमीटर का लक्ष्य रखा गया है। अब तक नवीनीकरण में करीब 14 हजार किलोमीटर और विशेष मरम्मत में करीब 700 किलोमीटर की प्रगति बताई गई। मुख्यमंत्री ने कहा कि सड़क आम आदमी के रोजमर्रा के जीवन से सीधे जुड़ी है। शिक्षण संस्थानों, अस्पतालों, मुख्य बाजारों, सरकारी कार्यालयों और ऐसे अन्य स्थानों, जहां आमजन का आवागमन अधिक रहता है, वहां की सड़कों को प्राथमिकता पर लिया जाए। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि इन मार्गों पर तत्काल काम शुरू कराया जाए और जहां मरम्मत की जरूरत है, वहां बिना देरी किए सड़क को आवागमन योग्य बनाया जाए। उन्होंने कहा कि काम में तेजी के साथ गुणवत्ता का भी पूरा ध्यान रखा जाए।

ब्रिक्स सम्मेलन

प्रौद्योगिकी, सेमीकंडक्टर, महत्वपूर्ण खनिजों और जैव प्रौद्योगिकी में नई क्षमताओं का उल्लेख किया मोदी ने भारत को वैश्विक बाजारों के लिए विनिर्माण केंद्र के साथ-साथ प्रौद्योगिकी और नवाचार के स्रोत के रूप में पेश किया। और कहा, मेक इन इंडिया, भारत के साथ नवाचार करें और दुनिया के लिए विस्तार करें।

प्रधानमंत्री ने भारत को विनिर्माण आधार और वैश्विक बाजारों के लिए प्रौद्योगिकी तथा नवाचार के स्रोत के रूप में प्रस्तुत किया।

उन्होंने ब्रिक्स सहयोग के लिए भारत के डिजिटल सार्वजनिक बुनियादी ढांचे (डीपीआई) को एक मंच के रूप में उपयोग करने की बात भी कही। मोदी ने यूपीआई के व्यापक स्तर पर प्रसार का जिक्र किया और कहा कि ब्रिक्स नवप्रवर्तक अपने स्वयं के बाजारों के अनुकूल डिजिटल समाधान विकसित करने के लिए, भारत के अनुभव का लाभ उठा सकते हैं।

प्रधानमंत्री ने भारत में दो लाख से अधिक स्टार्टअप और 120 से अधिक यूनिकॉर्न का उल्लेख करते हुए कहा कि ब्रिक्स को ऐसे नवाचारों को वैश्विक बाजारों में ले जाने में मदद करनी चाहिए। भारत की अध्यक्षता के तहत की गई पहलों में ब्रिक्स इनक्यूबेटर नेटवर्क, ब्रिक्स एमएसएमई पोर्टल और ब्रिक्स स्टार्टअप इनोवेशन फंड के साथ ही कृषि, स्वास्थ्य सेवा, कौशल और स्मार्ट ग्रिड में नए सहयोग नेटवर्क शामिल हैं। व्यापार संपर्क एक अन्य केंद्रीय विषय था। मोदी ने कहा कि भारत ने 2014 से अब तक लगभग 40 देशों के साथ मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) किए हैं और उन्होंने तर्क दिया कि ब्रिक्स को भी इसी तरह बाधाओं को कम करने और कंपनियों के लिए अवसरों का विस्तार करने पर ध्यान देना चाहिए। उन्होंने वैश्विक व्यापार के लिए सुरक्षित समुद्री रास्ते और खुले आपूर्ति मार्गों के महत्व पर भी जोर दिया तथा नौवहन की स्वतंत्रता और नाविकों की सुरक्षा के लिए भारत के समर्थन को दोहराया।

पीएम मोदी

किया। पुतिन के ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में भाग लेने के लिए तीन दिवसीय यात्रा पर शुक्रवार सुबह नयी दिल्ली पहुंचने के कुछ घंटे बाद दोनों नेताओं के बीच वार्ता हुई। वार्ता के बाद दोनों नेता भारत मंडपम परिसर के भीतर एक ही कार में सवार होकर कारोबारी मंच के आयोजन स्थल पर पहुंचे। विदेश मंत्रालय की ओर से जारी बयान के अनुसार, विभिन्न क्षेत्रों में गहरे सहयोग को बनाए रखने के अपने दृढ़ संकल्प का संकेत देते हुए दोनों नेताओं ने भारत-रूस विशेष रणनीतिक साझेदारी को और मजबूत करने के प्रयास जारी रखने पर सहमति जताई। बयान में कहा गया कि यह साझेदारी महत्वपूर्ण वृद्धि दर्ज कर रही है और भू-राजनीतिक अनिश्चितताओं के बीच भी मजबूत बनी हुई है।

भारत की

स्थानीय कारीगरों को बढ़ावा देना और उन्हें बड़े बाज़ारों से जोड़ना है। वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय में एक जिला- एक उत्पाद प्रभाग में वरिष्ठ उपाध्यक्ष सोनिया दुहन ने पीटीआई-भाषा को बताया, 'एक जिला- एक उत्पाद के तहत, सभी राज्य मिलकर काम कर रहे हैं। इस पहल में सभी 36 राज्य और केंद्र शासित प्रदेश शामिल हैं। इसमें 750 से ज़्यादा ज़िले शामिल हैं और हर ज़िले से एक उत्पाद को बढ़ावा देने के लिए चुना गया है। उन्होंने कहा, 'राष्ट्रीय स्तर पर हम इन उत्पादों को बढ़ावा देने, उनके विकास में मदद करने और उन्हें आगे बढ़ाने के लिए राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के साथ मिलकर काम कर रहे हैं। हम पैकेजिंग जैसी चीज़ों पर भी काम करते हैं और उनके निर्यात को आसान बनाने के तरीके खोजते हैं। इस पहल में कई तरह के उत्पाद शामिल हैं जिसमें कृषि क्षेत्र, हथकरघा, हैंडलूम, वस्त्र और सेवा क्षेत्र खास तौर पर प्रमुख है। एक ज़िला- एक उत्पाद पहल के तहत आयोजित प्रदर्शनी में प्रदर्शित 70 उत्पाद भारत की विविधता को बखूबी दिखाते हैं। इनमें सहारनपुर की काष्ठ कला, पीतल की ढलाई और शतरंज के बोर्ड, लखनऊ की ज़री-ज़रदोज़ी और राजस्थान के मेवाड़ इलाके की पिछवाई कला से सजे उत्पाद शामिल हैं। यह प्रदर्शनी देश के 770 ज़िलों के 1,200 से ज़्यादा अनोखे उत्पादों को दुनिया भर में बढ़ावा देने के लिए विभाग द्वारा चलाए जा रहे अभियान का हिस्सा है।

ब्रिक्स में

(जीडीपी) का 40 प्रतिशत से अधिक हिस्सा ब्रिक्स देशों से आया, जबकि जी7 की हिस्सेदारी 29 प्रतिशत रही। उन्होंने कहा कि इस अवधि में वैश्विक आर्थिक वृद्धि में ब्रिक्स देशों का योगदान आधे से भी अधिक रहा।

उन्होंने कहा कि आर्थिक वृद्धि के पारंपरिक केंद्रों की जगह अब नए वृद्धि केंद्र ले रहे हैं। पुतिन ने कहा कि ब्रिक्स का बढ़ता आर्थिक सहयोग अन्य देशों को बाहर करने के बजाय सदस्य देशों के राष्ट्रीय हितों को आगे बढ़ाने के लिए है। सरकारों, कारोबार और शैक्षणिक जगत के बीच सहयोग से ब्रिक्स नवाचार और राष्ट्रीय प्राथमिकताओं के आधार पर वैश्विक वृद्धि के लिए एक मजबूत मंच तैयार कर रहा है। उन्होंने कहा, इस वृद्धि के सबसे महत्वपूर्ण तत्व किसी पर बाहर से नहीं थोपे जा रहे हैं। पुतिन ने भारत की कंपनी महिंद्रा को ब्रिक्स की कारोबारी सफलता के कई उदाहरणों में से एक बताया। उन्होंने चीन की हुआवेई, ब्राजील की एम्ब्रेयर, संयुक्त अरब अमीरात की डीपीओ और रूस की रोसाटॉम के साथ महिंद्रा के सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) और एआई क्षेत्र में काम का भी उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि इन कंपनियों का उभार ब्रिक्स समूह के बड़े घरेलू बाजारों, तेजी से हो रहे शहरीकरण और बढ़ती प्रौद्योगिकी क्षमताओं की ताकत को दर्शाता है।

वैश्विक व्यापार

का एक पूरक इंजन बनाने के लिए करना चाहता है। साथ ही, वह अमेरिका और अन्य पश्चिमी ताकतों के संवेदनशील रुख का भी ध्यान रख रहा है, खासकर व्यापार और ऊर्जा के क्षेत्रों में। ब्रिक्स के अध्यक्ष के तौर पर, भारत ने ग्लोबल साउथ को विकास के एजेंडे में सबसे अहम जगह दी है। इसका मकसद मुख्य रूप से विकासशील देशों को यूक्रेन और पश्चिम एशिया में संघर्षों से होने वाले आर्थिक असर से बचाना है, जिसके लिए भारत खाद्य सामग्री, ऊर्जा और आपूर्ति श्रृंखला की सुरक्षा से जुड़े व्यावहारिक समाधान तलाश रहा है।

शी और पुतिन के अलावा, नयी दिल्ली ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में शामिल होने वाले अन्य नेताओं में ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेश्कियान, दक्षिण अफ्रीका के राष्ट्रपति सिरिल रामफोसा, इंडोनेशिया के राष्ट्रपति प्रबोवो सुबियांतो, मिस्र के राष्ट्रपति अब्देल फतह अल-सिसी, मलेशिया के प्रधानमंत्री अनवर इब्राहिम, अबू धाबी के क्राउन प्रिंस मोहम्मद बिन जायद अल नाहयान, इथियोपिया के प्रधानमंत्री अबिय अहमद अली और वियतनाम के प्रधानमंत्री ले मिन्ह हंग शामिल हैं।

संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुतारेस, विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के महानिदेशक नगोजी ओकोन्जो-इवेला, डब्ल्यूएचओ प्रमुख टेड्रोस अधानोम घेब्रेयसस, न्यू डेवलपमेंट बैंक (एनडीबी) के अध्यक्ष डिल्मा रूसेफ और एशियन इंफ्रास्ट्रक्चर इन्वेस्टमेंट बैंक के प्रमुख जो जियायी भी ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में भाग लेंगे।

पीएम मोदी

हुई। राष्ट्रपति के रूप में पेजेश्कियान की यह पहली भारत यात्रा है। पेजेश्कियान का यह दौरा इसलिए अहम है क्योंकि यह ऐसे समय में हो रहा है जब ईरान के खिलाफ अमेरिका द्वारा नए दंडात्मक आर्थिक उपाय लागू किए जाने के बाद पश्चिम एशिया में तनाव फिर से बढ़ गया है।

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने सोशल मीडिया पर कहा, भारत और ईरान के बीच सभ्यतागत संबंध हैं, जो मजबूत सांस्कृतिक और लोगों के बीच आपसी रिश्तों से जुड़े हैं। ब्रिक्स साझेदारों के तौर पर, दोनों देश मिलकर तरक्की और खुशहाली की दिशा में काम कर रहे हैं। नयी दिल्ली के लिए रवाना होने से पहले, पेजेश्कियान ने इस बात पर जोर दिया कि ब्रिक्स को अपनी आर्थिक मजबूती बढ़ाने पर ध्यान देना चाहिए। उन्होंने कहा, नया ब्रिक्स बैंक देशों को डॉलर पर निर्भरता से मुक्त करने और अमेरिका के दबदबे की कोशिशों का मुकाबला करने के लिए बनाया गया था। मोदी ने 31 अगस्त को बिश्केक में ईरानी नेता से मुलाकात की थी और कहा था कि भारत संघर्ष को खत्म करने की दिशा में सभी प्रयासों का समर्थन करता है।

जमीन बंटवारे से

की गई है। नए एहर पोर्टल के माध्यम से अब ऑनलाइन आवेदन किया जा सकेगा। आवेदन के बाद प्रकरण लेखपाल और तहसीलदार स्तर पर ऑनलाइन भेजा जाएगा और संबंधित अधिकारी भी पोर्टल के माध्यम से इसका निस्तारण कर सकेंगे। आवेदक अपने प्रकरण की स्थिति और उसकी प्रगति को डिजिटल माध्यम से देख सकेंगे।

भारत के खिलाफ ऐतिहासिक टी20 मैच से देश में क्रिकेट को बढ़ावा मिलेगा : चार्ली

एजेंसी

नयी दिल्ली। जापान के कप्तान केंडल कादोवाकी-फ्लेमिंग और युवा आल राउंडर चार्ली हारा-हिंजे का मानना है कि भारत के खिलाफ 22 सितंबर को होने वाला ऐतिहासिक टी20 मुकाबला सिर्फ एक यादगार मौका नहीं होगा बल्कि बेसबॉल के प्रति जुनूनी देश में क्रिकेट के विकास के लिए एक महत्वपूर्ण शुरुआत साबित हो सकता है।

भारतीय टीम दोनों देशों के बीच पहले पुरुष अंतरराष्ट्रीय मैच के लिए जापान का दौरा करेगी और सानो अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैदान पर होने वाला यह मुकाबला आइची-नागोया में एशियाई खेलों से पहले होगा। कादोवाकी-फ्लेमिंग के लिए एशियाई खेलों में भारत के साथ अफगानिस्तान और नेपाल की मेजबानी करना इस बात का प्रमाण है कि जापान में क्रिकेट ने कम समय में कितनी प्रगति की है। उन्होंने पीटीआई वीडियो से कहा, यह बेहद रोमांचक है। और मुझे लगता है कि अफगानिस्तान और नेपाल जैसे देशों का जापान आना यहां क्रिकेट के लिए बहुत बड़ा विकास है। कुछ साल पहले तक हमने शायद सोचा भी नहीं होगा कि इसे आयोजित करना संभव होगा। हालांकि यह मौका ऐतिहासिक होगा लेकिन जापान के कप्तान का कहना है कि उनकी टीम सिर्फ इस मौके का जश्न मनाने के लिए मैदान पर नहीं उतरेगी। उन्होंने कहा कि भारत के खिलाफ खेलने का मौका जितना भी रोमांचक होगा, हम सिर्फ इस मौके का जश्न मनाने के लिए नहीं उतर रहे हैं। हम यह दिखाने के लिए उतरेंगे कि पुरुष टीम के रूप में हम क्या कर सकते हैं। निश्चित रूप से भारत जैसी टीम के पास तेज गेंदबाजी, बल्लेबाजी और स्पिन हर विभाग में बेहतरीन खिलाड़ी मौजूद हैं। उन्होंने कहा, इसलिए विश्व स्तरीय खिलाड़ियों और उस प्रारूप में दुनिया की सर्वश्रेष्ठ टीम को खेलते हुए देखना हमारे लिए शानदार अनुभव होगा। जापान के लिए यह मुकाबला केवल भारत के स्टार खिलाड़ियों के खिलाफ खुद को परखने तक सीमित नहीं है। कादोवाकी-फ्लेमिंग ने कहा, उम्मीद है कि यह पूर्ण सदस्य देशों के खिलाफ खेलने और प्रतिस्पर्धा करने के लंबे इतिहास की दिशा में पहला कदम होगा। सत्रह वर्षीय हारा-हिंजे भारत की युवा प्रतिभाओं से वाकिफ हैं। जापान ने 2024 अंडर-19 एशिया कप के ग्रुप चरण में भारत का सामना किया था जिसमें आयुष म्हात्रे और वैभव सूर्यवंशी जैसे युवा खिलाड़ी मौजूद थे। हारा-हिंजे ने कहा, हम उस मैच में काफी रोमांचित थे। हमने इन खिलाड़ियों को गेंदबाजी करते हुए काफी कुछ सीखा। तभी हमने देखा कि वे कितने बेहतरीन हैं।

उमर अब्दुल्ला ने दी तीरंदाजी पैरा सीरीज में स्वर्ण पदक जीतने पर शीतल देवी को बधाई

जम्मू। जम्मू कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने शुक्रवार को पैरा तीरंदाज शीतल देवी को विश्व तीरंदाजी पैरा सीरीज 2026 के तीसरे चरण में स्वर्ण पदक जीतने पर बधाई दी। उन्होंने कहा कि उनकी उपलब्धि पूरे देश के लिए गर्व का क्षण है। मुख्यमंत्री कार्यालय ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, मुख्यमंत्री ने पैरा तीरंदाज शीतल देवी को विश्व तीरंदाजी पैरा सीरीज 2026 के तीसरे चरण में स्वर्ण पदक जीतने पर बधाई दी। उन्होंने कहा कि महिला कंपाउंड व्यक्तिगत स्पर्धा में स्वर्ण और कंपाउंड मिश्रित टीम स्पर्धा में कांस्य पदक जीतना पूरे देश के लिए गर्व का क्षण है तथा उन्होंने शीतल को भविष्य के सभी प्रयासों में निरंतर सफलता की शुभकामनाएं दीं।

जम्मू क्षेत्र के किश्तवाड़ जिले में जन्मी 19 वर्षीय शीतल देवी ने अहमदाबाद में आयोजित विश्व तीरंदाजी पैरा सीरीज में कंपाउंड महिला फाइनल में अपना पहला व्यक्तिगत स्वर्ण पदक जीता है।

संक्षेप

भारत एशिया कप फाइनल के लिए तैयार है: दीप्ति शर्मा

दुबई। भारत की अनुभवी ऑलराउंडर दीप्ति शर्मा ने एशिया कप क्रिकेट टूर्नामेंट में अब तक के शानदार प्रदर्शन के बावजूद खराब क्षेत्ररक्षण को लेकर जताई जा रही चिंताओं को खारिज करते हुए कहा कि कैच छूटना खेल का हिस्सा है और टीम फाइनल में हर विभाग में अच्छा प्रदर्शन करने के लिए प्रतिबद्ध है। भारत ने इस टूर्नामेंट में अभी तक अपने सभी मैच जीते हैं लेकिन उसका क्षेत्ररक्षण अच्छा नहीं रहा है। विशेषकर उसने कई कैच छोड़े। सेमीफाइनल में भी बांग्लादेश के खिलाफ भारतीय टीम ने चार मौके गंवाए थे। दीप्ति ने भारत की सेमीफाइनल में बांग्लादेश के खिलाफ 40 रन की जीत के बाद कहा, क्षेत्ररक्षण में एक टीम के तौर पर हम अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं। हम अभ्यास के दौरान भी क्षेत्ररक्षण पर काफी ध्यान दे रहे हैं। मुझे लगता है कि कभी-कभी ऐसा होता है, लेकिन हम फाइनल में तीनों विभागों में अच्छा प्रदर्शन करने के लिए पूरी तरह से तैयार हैं। फाइनल में भारत का सामना अपने चिर प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान या मौजूदा चैंपियन श्रीलंका से होगा। दीप्ति ने कहा कि टीम इन दोनों टीमों के बीच होने वाले दूसरे सेमीफाइनल को देखने के बाद अपनी रणनीति बनाएगी।

श्रीलंका में लय नहीं बन पा रही थी: सिराज

चेन्नई। भारतीय तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज ने स्वीकार किया कि दो महीने के विश्राम के बाद उन्हें श्रीलंका दौरे में अपनी गति और लय हासिल करने के लिए संघर्ष करना पड़ा था लेकिन दलीप ट्रॉफी में लंबे स्पेल करने से उन्हें अपनी लय हासिल करने में मदद मिली है। सिराज श्रीलंका के खिलाफ दो टेस्ट मैच की श्रृंखला के दौरान अपनी पुरानी फॉर्म में नहीं दिखे। वह लय हासिल नहीं कर पा रहे थे और उनकी गति भी काफी कम हो गई थी। सिराज ने इस श्रृंखला की चार पारियों में केवल 44 ओवर किए थे। सिराज ने दलीप ट्राफी फाइनल के बाद पत्रकारों से कहा, दो महीने के ब्रेक के बाद सीधे मैच खेलना आसान नहीं था। मैं पूरी तरह से लय हासिल नहीं कर पाया था। मैं ऐसा गेंदबाज हूं जो पूरी तरह से लय पर निर्भर है। अगर मैं लय में नहीं हूं, तो अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन नहीं कर सकता। श्रीलंका में यही मेरी समस्या थी। मैं अपने रनअप से तालमेल नहीं बिठा पा रहा था। मेरे कुछ कदम बहुत छोटे थे, कुछ बहुत लंबे। इससे मेरी लय टूट गई और मेरी गति धीमी हो गई। अफगानिस्तान के खिलाफ आठ जून को समाप्त हुए एकमात्र टेस्ट मैच के बाद 32 वर्षीय सिराज ने दो महीने का ब्रेक लिया और फिर भारत के श्रीलंका दौरे के लिए टीम में शामिल हुए। इस दौरे की शुरुआत सात अगस्त को एसएलसी एकादश के खिलाफ मैच से हुई।

न्यूजीलैंड टेस्ट में केएल राहुल के प्रदर्शन पर रहेंगी नजरें : बोल्ट

नयी दिल्ली। न्यूजीलैंड के पूर्व तेज गेंदबाज ट्रेंट बोल्ट का कहना है कि न्यूजीलैंड के खिलाफ 19 नवंबर से शुरू हो रही दो टेस्ट मैचों की श्रृंखला में के एल राहुल भारत के प्रमुख बल्लेबाज साबित होंगे। राहुल की बल्लेबाजी के कायल बोल्ट का मानना है कि वह श्रृंखला के प्रमुख खिलाड़ियों में होंगे। टेस्ट क्रिकेट में 317 विकेट ले चुके 37 वर्ष के बोल्ट ने यूरोपीय टी20 प्रीमियर लीग द्वारा कराये गए बोल्ट के इंटरव्यू में कहा, मैं केएल राहुल की बल्लेबाजी का बड़ा प्रशंसक हूं। वह भारतीय बल्लेबाजी क्रम में शीर्षक्रम का प्रमुख खिलाड़ी हैं। जायसवाल भी टीम में है। दो शानदार बल्लेबाजों को खेलते देखना रोचक होगा।

उन्होंने कहा कि भारतीय टीम जब भी न्यूजीलैंड में टेस्ट क्रिकेट खेलने आती है तो देखने में मजा आता है। यह दौरा फरवरी मार्च की बजाय अक्टूबर नवंबर में हो रहा है जब मौसम काफी ठंडा होगा और बल्लेबाजों को दिक्कत आ सकती है। बोल्ट ने कहा कि अक्टूबर के अंत में यह दौरा होगा लिहाजा मौसम काफी ठंडा रहने वाला है। उम्मीद है कि विकेटों पर घास रहेगी जिससे हमारे गेंदबाजों को मदद मिलेगी। न्यूजीलैंड के लिये कई साल तक बोल्ट और टिम साउदी नयी गेंद संभालते रहे लेकिन बोल्ट का मानना है कि मौजूदा गेंदबाजों के पास भी इतनी विविधता और काबिलियत है कि वे अपनी खुद की पहचान बना सकते हैं। उन्होंने कहा कि मुझे लगता है कि हमारी गेंदबाजी काफी संतुलित है। हमारे पास विल ओ राउरकी के रूप में उम्दा तेज गेंदबाज है जबकि काइल जैमीसन के पास स्विंग है और मैट हेनरी सटीक गेंदबाजी करते हैं।

ड्रेसिंग रूम की जानकारी लीक होने के मामले में रिजवान और इमाम से करीब चार घंटे पूछताछ

लाहौर। ड्रेसिंग रूम की कथित जानकारी लीक होने के मामले में पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) की शिकायत पर पाकिस्तान की राष्ट्रीय साइबर अपराध जांच एजेंसी (एनसीसीआईए) ने अनुभवी खिलाड़ियों मोहम्मद रिजवान और इमाम-उल-हक से करीब चार घंटे तक पूछताछ की।

यह घटनाक्रम इंग्लैंड के मौजूदा टेस्ट दौरे पर पाकिस्तान के बेहद खराब प्रदर्शन के बीच हुआ है। अनुशासन संबंधी मामलों के कारण रिजवान और इमाम समेत सात खिलाड़ियों तथा सहयोगी स्टाफ के दो सदस्यों को दौरे से वापस भेज दिया गया है। दोनों खिलाड़ी अभी जांच के दायरे में हैं इसलिए शनिवार से शुरू होने वाले देश के प्रमुख घरेलू प्रथम श्रेणी टूर्नामेंट में हिस्सा नहीं ले पाएंगे। इस अभूतपूर्व घटनाक्रम के बाद पाकिस्तान टीम के सुरक्षा प्रबंधक ने दोनों अनुभवी खिलाड़ियों के मोबाइल फोन पहले ही एनसीसीआईए को सौंप दिए हैं। पीसीबी के प्रमुख मोहसिन नकवी पाकिस्तान के गृह मंत्री भी हैं और एनसीसीआईए उनके मंत्रालय के अधीन काम करती है। पीसीबी के एक प्रवक्ता ने पुष्टि की कि एनसीसीआईए ड्रेसिंग रूम से कथित जानकारी लीक होने के मामले की जांच कर रही है। हालांकि, उन्होंने कहा कि यह प्रक्रिया अभी जारी है और इस मामले में फिलहाल कोई अतिरिक्त टिप्पणी नहीं की जाएगी। यह पहली बार है जब पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने राष्ट्रीय टीम के खिलाड़ियों के खिलाफ किसी साइबर एजेंसी में शिकायत दर्ज कराई है। रिजवान और इमाम दोनों ने एनसीसीआईए के सवालों के लिखित जवाब देने के लिए और समय मांगा है। पीसीबी पहले ही घोषणा कर चुका है कि उसने अनुशासन और आचरण से संबंधित मीडिया रिपोर्टों के बाद आंतरिक अनुशासनात्मक जांच शुरू की है, जिसकी फिलहाल आंतरिक स्तर पर समीक्षा की जा रही है। एक सूत्र के अनुसार दोनों खिलाड़ियों ने कथित तौर पर एनसीसीआईए को अपने मोबाइल उपकरणों की फोरेंसिक जांच कराने की अनुमति देने की बात कही है। सूत्र ने कहा, जांच का मुख्य मुद्दा इंग्लैंड शृंखला के दौरान ड्रेसिंग रूम से कथित तौर पर जानकारी लीक होने पर रहेगा।

खेल और मातृत्व के बीच संतुलन बनाने के सवाल पर विचार करेगा दिल्ली उच्च न्यायालय

नयी दिल्ली। दिल्ली उच्च न्यायालय ने कहा है कि वह इस सवाल पर विचार करेगा कि किसी खिलाड़ी के खेल करियर और मातृत्व के बीच संतुलन कैसे पैदा किया जाए।

यह सवाल पहलवान विनेश फोगाट की याचिका की सुनवाई के दौरान उठा, जो जुलाई 2025 में मां बनीं थी। वह अब मातृत्व अवकाश से लौट आई हैं और उन्होंने इस साल होने वाली सीनियर विश्व चैंपियनशिप के लिए महिला वर्ग के चयन ट्रायल्स में भाग लेने की अनुमति मांगी है। न्यायमूर्ति स्वर्ण कांता शर्मा ने बृहस्पतिवार को देर रात एक अंतरिम आदेश में फोगाट को 14 सितंबर को इंदिरा गांधी स्टेडियम में होने वाले चयन ट्रायल्स में भाग लेने की अनुमति देने से इनकार कर दिया। अदालत ने अपने आदेश में कहा कि उनका यह मानना है कि इस अंतरिम चरण में सभी खिलाड़ियों पर लागू होने वाले पात्रता मानदंडों में केवल फोगाट के पक्ष में ढील नहीं दी जानी चाहिए, क्योंकि इसका असर उन अन्य खिलाड़ियों पर पड़ सकता है जो अदालत के समक्ष नहीं हैं। न्यायमूर्ति शर्मा ने कहा, यह अदालत जानती है कि किसी अंतरराष्ट्रीय चैंपियनशिप में देश का प्रतिनिधित्व करने के लिए चयन प्रक्रिया में किसी विशेष खिलाड़ी के व्यक्तिगत दावे से परे कई विचारणीय बिंदु शामिल होते हैं। यह सुनिश्चित करना देश के हित में है कि उसके प्रतिनिधियों का चयन निष्पक्ष, एकसमान और प्रदर्शन-आधारित प्रक्रिया से हो। न्यायाधीश ने आगे कहा, यह न्यायालय इस बात से भी अवगत है कि मातृत्व और खेल करियर के बीच कैसे संतुलन बनाया जाए और क्या किसी खिलाड़ी को मातृत्व और अपने खेल करियर में से किसी को चुनने की जरूरत है। यह बड़ा सवाल है जिस पर सावधानीपूर्वक विचार करने की जरूरत है। इस मुद्दे पर वर्तमान कार्यवाही में अभी अंतिम रूप से विचार-विमर्श और निर्णय होना बाकी है। अदालत ने कहा कि जब तक चयन नीति की वैधता और लागू होने की स्थिति पर फैसला नहीं हो जाता तब तक इसके अंतर्गत निर्धारित पात्रता मानदंडों को किसी एक खिलाड़ी के मामले में यूं ही रद्द या नजरअंदाज नहीं किया जा सकता है। याचिकाकर्ता के पक्ष में कोई विशेष श्रेणी नहीं बनाई जा सकती विशेष कर तब जबकि समान स्थिति वाले अन्य खिलाड़ियों को भी इसी तरह की दुविधा का सामना करना पड़ सकता है और उन्हें अपने खेल करियर के दौरान इसी तरह के विकल्प चुनने पड़ सकते हैं। अदालत का मानना था कि नीति पर पहले फैसला सुनाए बिना केवल फोगाट को इस तरह की अंतरिम राहत देना समान स्थिति वाले अन्य खिलाड़ियों के साथ असमान व्यवहार का कारण बन सकता है।

पांव में खिंचाव के कारण युकी भांबरी का कोरिया के खिलाफ डेविस कप में खेलना मुश्किल

नयी दिल्ली। अमेरिकी ओपन में मैच से पहले अभ्यास के दौरान दाहिने पांव में खिंचाव आने के कारण भारत के युकी भांबरी का सोल में दक्षिण कोरिया के खिलाफ डेविस कप टेनिस टूर्नामेंट के मुकाबले में खेलना मुश्किल है। भांबरी बृहस्पतिवार की रात को कोरिया के लिए रवाना हुए भारतीय खिलाड़ियों के पहले बैच के साथ सोल नहीं गए। इससे उनके इस महत्वपूर्ण मुकाबले में खेलने को लेकर अनिश्चितता बढ़ गई है। इस मुकाबले में जीत दर्ज करने वाली टीम आठ टीमों के एलीट डेविस कप फाइनल में अपनी जगह पक्की करेगी। भांबरी ने इसे मामूली मोच बताया। इस भारतीय खिलाड़ी ने कहा कि इस महीने के आखिर में शुरू वाले एशियाई खेलों में उनकी भागीदारी को कोई खतरा नहीं है। भांबरी ने कहा कि यूएस ओपन में मुख्य ड्रॉ के मैच से पहले अभ्यास के दौरान मेरे पांव में खिंचाव आ गया था। यह मामूली चोट है। मेरे पूरी तरह फिट होने के लिए कोई समयसीमा तय नहीं है, लेकिन यह कोई गंभीर चोट नहीं है। भांबरी की स्थिति पर प्रतिदिन नजर रखी जा रही है। वह अपनी फिटनेस का आकलन करने के लिए देबाशीष दास और यश पांडे सहित भारतीय डेविस कप टीम के सहयोगी स्टाफ के हैं। उन्होंने कहा कि अभी भी दर्द है। हमें दिन प्रतिदिन इसका आकलन करना होगा। देखते हैं कि आगे क्या होता है। गैर-खिलाड़ी कप्तान रोहित राजपाल ने सोल से पीटीआई को बताया कि भांबरी की गलत समय पर लगी चोट ने उनकी तैयारियों को निश्चित रूप से प्रभावित किया है। उन्होंने कहा कि हम इस पर काम कर रहे हैं और उम्मीद है कि वह ठीक हो जाएंगे। यह निश्चित रूप से हमारे लिए बहुत बड़ा झटका है। वह डीके (दक्षिणेश्वर) के साथ शानदार जोड़ीदार है। युकी अब तक हमारे नंबर एक युगल खिलाड़ी हैं। राजपाल ने कहा, उनकी चोट का मतलब है कि हमें अब नए सिरे से शुरुआत करनी होगी। युगल संयोजन इस बात पर निर्भर करेगा कि युकी कितनी जल्दी ठीक होते हैं और पहले दिन हमारे लिए मुकाबले का नतीजा कैसा रहता है। कोरियाई टीम को पहले ही घरेलू मैदान पर खेलने का फायदा मिलेगा। इस चोट से हालांकि भांबरी की एशियाई खेलों में भागीदारी खतरे में पड़ने की उम्मीद नहीं है। उन्होंने कहा कि मैं निश्चित रूप से एशियाई खेलों में भाग लूंगा। तब तक मैं पूरी तरह फिट हो जाऊंगा। यह देखना बाकी है कि मैं डेविस कप में खेल पाऊंगा या नहीं। यदि भांबरी समय पर ठीक नहीं हो पाते हैं तो भारत युगल में वैकल्पिक संयोजनों पर विचार कर सकता है। इसमें एन श्रीराम बालाजी और एकल विशेषज्ञ दक्षिणेश्वर सुरेश की जोड़ी बनाना भी शामिल है।

सिद्धार्थ रावत और अर्नव पपार्कर टीम में रिजर्व खिलाड़ी हैं, लेकिन वे एकल में खेलते हैं।

धूमल और मजूमदार का आईपीएल संचालन समिति में निर्विरोध चुनना तय

नयी दिल्ली। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के चुनाव अधिकारी एके ज्योति ने शुक्रवार को आईपीएल संचालन समिति के चेयरमैन पद के लिए अरुण धूमल और सदस्य पद के लिए खैरुल मजूमदार के नामांकन को मंजूरी दे दी जिससे दोनों का 18 सितंबर को होने वाले चुनाव में निर्विरोध निर्वाचित होना तय है।

बीसीसीआई की मुंबई स्थित मुख्यालय में होने वाली वार्षिक आम बैठक (एजीएम) के दौरान धूमल और मजूमदार को निर्विरोध चुना जाएगा। बीसीसीआई की ओर से जारी चुनाव संबंधी नोटिस में कहा गया, चुनाव अधिकारी ने संबंधित पदों के लिए उम्मीदवारों के नामांकन आवेदनों की जांच कर ली है और बीसीसीआई चुनाव 2026 के लिए वैध रूप से नामांकित उम्मीदवारों की सूची घोषित की है। संचालन समिति के लिए अरुण सिंह धूमल और खैरुल जमाल मजूमदार वैध उम्मीदवार हैं। नोटिस के मुताबिक, नामांकन वापस लेने के इच्छुक उम्मीदवार 12 सितंबर 2026 को सुबह 11 बजे से दोपहर दो बजे के बीच अपना नाम वापस ले सकते हैं। इसके बाद चुनाव अधिकारी उसी दिन शाम चार बजे तक चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवारों की अंतिम सूची जारी करेंगे। धूमल का दोबारा आईपीएल संचालन समिति का चेयरमैन बनना लगभग तय माना जा रहा है, जबकि मजूमदार भी सदस्य के रूप में निर्विरोध चुने जाएंगे।

पारदर्शी व्यापार, निवेश सुनिश्चित करे ब्रिक्स

नयी दिल्ली। विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने शुक्रवार को कहा कि ब्रिक्स देशों को व्यापार एवं निवेश संबंधी पारदर्शी व्यवस्था सुनिश्चित कर आर्थिक चुनौतियों से निपटने की दिशा में काम करना चाहिए।

जयशंकर ने ब्रिक्स बिजनेस फोरम को संबोधित करते हुए भू-राजनीतिक उथल-पुथल का भी जिक्र किया और आपूर्ति शृंखला में आ रही बाधाओं से निपटने के लिए सामूहिक प्रयासों की जरूरत पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि इन बाधाओं का दुनिया भर के देशों पर आर्थिक असर पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि हम ऐसे समय में मिल रहे हैं जब वैश्विक राजनीतिक और आर्थिक व्यवस्था में बड़े बदलाव हो रहे हैं। अस्थिरता, अनिश्चितता और जटिलता हमारे आसपास की दुनिया की प्रमुख विशेषताएं बन गई हैं। हम भू-राजनीतिक संघर्षों, महामारी और जलवायु से जुड़ी बाधाओं के आर्थिक दुष्परिणाम देख रहे हैं।

विदेश मंत्री ने आर्थिक वृद्धि को बढ़ावा देने के लिए बाजार तक अधिक पहुंच और आपूर्ति शृंखला को अधिक मजबूत एवं लचीला बनाने की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने कहा, इन सभी बातों का मूल उद्देश्य यह है कि हमारे देशों के कारोबारियों के लिए अधिक साझेदार तलाशना, अधिक बाजारों तक पहुंच बनाना, आपूर्ति नेटवर्क को जोड़ना और एक-दूसरे की क्षमताओं को व्यावहारिक कारोबारी साझेदारी में बदलना आसान बनाया जाए। जयशंकर ने कहा, खासकर ब्रिक्स देशों के लिए आर्थिक गतिविधियों और आर्थिक सुरक्षा में बढ़ोतरी का मतलब आत्मनिर्भरता मजबूत करना है। हमारा लक्ष्य यह है कि हम वैश्विक अर्थव्यवस्था से जुड़े और प्रतिस्पर्धी बने रहते हुए आर्थिक झटके सहने की अपनी क्षमता बढ़ाएं। उन्होंने कहा कि मौजूदा परिस्थितियों में बाजार के वास्तविक सिद्धांतों के अनुरूप कारोबारी व्यवहार, भरोसेमंद सहायता, विविध व्यापारिक संबंध, पारदर्शी व्यापार और निवेश और ऐसे कारोबारी माहौल की आवश्यकता है जिसका पूर्वानुमान लगाया जा सके। जयशंकर ने कहा कि लचीलापन ब्रिक्स समुदाय का एक प्रमुख घटक बन गया है। उन्होंने वास्तविक बाजार आधारित व्यवस्थाओं, भरोसेमंद रसद और विविध कारोबारी संबंधों के जरिए आपस में जुड़े और प्रतिस्पर्धी बने रहते हुए आत्मनिर्भरता बढ़ाने की जरूरत पर जोर दिया। उन्होंने डिजिटल सार्वजनिक बुनियादी ढांचे, कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई), फिनटेक और उन्नत विनिर्माण को प्रमुख अवसरों के रूप में रेखांकित किया। उन्होंने इन क्षेत्रों में पहुंच, मानकों, सुरक्षा और भरोसे से जुड़े सवालों का भी उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि भारत की ब्रिक्स की अध्यक्षता में ब्रिक्स इनक्यूबेटर नेटवर्क और ब्रिक्स स्टार्टअप इनोवेशन फंड के माध्यम से नवाचार और उद्यमिता के पारिस्थितिकी तंत्र को मजबूत करने के प्रयास किए गए हैं। उन्होंने जोर दिया कि इसके लाभ सभी व्यापारिक समुदायों तक पहुंचने चाहिए। जयशंकर ने कहा कि भारत का अनुभव उसे एक स्वाभाविक साझेदार बनाता है। उन्होंने कहा कि भारत में बड़ा और लगातार बढ़ता बाजार, विस्तार करती विनिर्माण क्षमताएं, प्रतिभाओं का बढ़ता आधार, डिजिटल क्षेत्र में अनुभव तथा नवाचार और उद्यमिता का मजबूत एवं गतिशील आधार है। उन्होंने कहा कि ब्रिक्स के नेता जब बैठक की तैयारी कर रहे हैं, ऐसे में इस मंच का सबसे उपयोगी योगदान ब्रिक्स सहयोग के अगले चरण में व्यापार जगत का स्पष्ट दृष्टिकोण सामने रखना होगा। विदेश मंत्री ने कहा कि इसमें कारोबार के अवसरों, व्यवसायों के सामने आने वाली चुनौतियों और उनसे निपटने के लिए सरकारें क्या कदम उठा सकती हैं, पर ध्यान केंद्रित किया जाना चाहिए।

अमित शाह ने आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत को जन्मदिन की शुभकामनाएं दीं

नयी दिल्ली। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शुक्रवार को राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के प्रमुख मोहन भागवत को उनके जन्मदिन पर हार्दिक शुभकामनाएं दीं। शाह ने कहा कि संघ प्रचारक से लेकर आरएसएस सरसंघचालक तक का उनका सफर राष्ट्र सेवा, सामाजिक सद्भाव और भारतीय संस्कृति के संरक्षण व संवर्धन के प्रति समर्पण का एक बेमिसाल उदाहरण है।

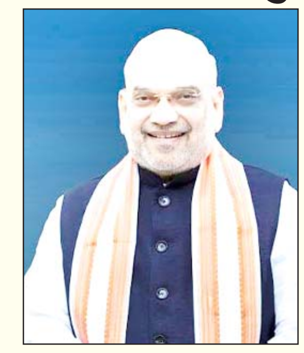

भागवत का जन्म 11 सितंबर 1950 को महाराष्ट्र के चंद्रपुर जिले में हुआ था। शुक्रवार को वह 76 वर्ष के हो गए। भागवत करीब 17 वर्षों से इस पद पर रहने के कारण मधुकर दत्तात्रेय देवरस, और एम. एस. गोलवलकर के बाद आरएसएस के तीसरे सबसे लंबे समय तक पद पर रहने वाले प्रमुख हैं। देवरस को बालासाहेब के नाम से जाना जाता था। आरएसएस के तीसरे सरसंघचालक बालासाहेब 20 साल से अधिक समय तक इस पद पर रहे। वहीं, दूसरे सरसंघचालक गोलवलकर ने 32 साल से अधिक समय तक इस संगठन का नेतृत्व किया। भागवत आरएसएस के छठे सरसंघचालक हैं। शाह ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक आदरणीय मोहन भागवत जी को जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएं। संघ के प्रचारक से लेकर सरसंघचालक तक की उनकी यात्रा राष्ट्रसेवा, सामाजिक समरसता और भारतीय संस्कृति के संरक्षण व संवर्धन के प्रति समर्पण की अद्वितीय मिसाल है। प्रचारक के रूप में भागवत ने देश के कोने-कोने में जाकर समाज को करीब से समझा और सरसंघचालक के रूप में आरएसएस के माध्यम से वह सेवा, संस्कार और चरित्र निर्माण के कार्यों से समाज में राष्ट्रप्रथम के भाव को मजबूत बना रहे हैं। ईश्वर से उनके उत्तम स्वास्थ्य व दीर्घायु की कामना करता हूं। भागवत ने करीब 50 साल पहले आरएसएस के प्रचारक के रूप में काम करना शुरू किया था और संगठन में विभिन्न पदों पर रहते हुए आगे बढ़े। मार्च 2009 में वह आरएसएस के सरसंघचालक (प्रमुख) बने। मोहन भागवत के पिता मधुकरराव भागवत भी प्रचारक थे।

संक्षेप

मनोहर लाल अमेरिका में जी-20 ऊर्जा मंत्रियों की बैठक में होंगे शामिल

नयी दिल्ली। केंद्रीय बिजली मंत्री मनोहर लाल अगले सप्ताह अमेरिका के ह्यूस्टन में होने वाली जी-20 ऊर्जा मंत्रियों की बैठक में भारतीय प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व करेंगे। एक अधिकारी ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। विद्युत मंत्रालय ने कहा कि अमेरिकी जी-20 की अध्यक्षता में होने वाली इस बैठक में जी-20 देशों के ऊर्जा मंत्री और वरिष्ठ प्रतिनिधि वैश्विक ऊर्जा संरक्षण, सस्ती ऊर्जा, अवसंरचना के विकास और मजबूत ऊर्जा आपूर्ति श्रृंखला से जुड़े महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा करेंगे। मंत्रालय ने कहा कि यह बैठक 14 से 16 सितंबर 2026 तक आयोजित होगी। वह तीन प्रमुख स्तंभों के तहत होने वाले मंत्रिस्तरीय सत्रों में भाग लेंगे। ये तीन स्तंभ हैं... ऊर्जा सुरक्षा और किफायती आधारभूत बिजली , अनुमति प्रक्रिया और नियामकीय दक्षता तथा महत्वपूर्ण खनिज और मजबूत आपूर्ति शृंखलाएं। बैठक में भारत ऊर्जा सुरक्षा और किफायती ऊर्जा व्यवस्था को मजबूती सुनिश्चित करने के अपने दृष्टिकोण को सामने रखेगा। साथ ही, तेजी से बढ़ती ऊर्जा जरूरतों को पूरा करने में सक्षम मजबूत और भविष्य के लिए तैयार ऊर्जा व्यवस्था विकसित करने के भारत के प्रयासों को साझा किया जाएगा।

अमेरिका में डीजल की कीमत छह डॉलर प्रति गैलन के पार

शिकागो। अमेरिका में डीजल की कीमतों ने शुक्रवार को एक और नया रिकॉर्ड बनाया और इसका औसत भाव छह डॉलर प्रति गैलन (लगभग 135 रुपये प्रति लीटर) के पार पहुंच गया।

वाशिंगटन और ईरान के बीच युद्ध से दुनिया भर में ईंधन की आपूर्ति बाधित हो रही है, जिसके चलते यह बढ़ोतरी हुई। मोटर क्लब एएए (अमेरिकन ऑटोमोबाइलएसोसिएशन) के अनुसार 6.05 डॉलर प्रति गैलन का राष्ट्रीय औसत पिछले सप्ताह के 5.85 डॉलर और पिछले वर्ष इसी अवधि के 3.70 डॉलर प्रति गैलन से अधिक है। डीजल की ऊंची कीमतों का मतलब रोजमर्रा के सामानों की एक लंबी सूची के लिए परिवहन का अधिक महंगा होना है। इसका कारण कई माल ढुलाई और वितरण नेटवर्कों में डीजल का उपयोग किया जाता है। कुछ व्यवसायों ने ऑनलाइन ऑर्डर और डाक पैकेज पर अतिरिक्त शुल्क जोड़कर बढ़ी हुई लागत का बोझ पहले ही उपभोक्ताओं पर डालना शुरू कर दिया है। खरीदारों को विशेष रूप से किराना सामान की दुकानों पर कीमतों के झटके का अधिक सामना करना पड़ सकता है।

स्थानीय मुद्राओं में व्यापार बढ़ाये ब्रिक्स देश : गोयल

नयी दिल्ली। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने ब्रिक्स के सदस्य देशों से अपनी भुगतान प्रणालियों को आपस में जोड़ने, स्थानीय मुद्राओं में व्यापार को बढ़ावा देने और दुनियाभर में डिजिटल व्यापार को अधिक सुलभ बनाने का शुक्रवार को आग्रह किया।

ब्रिक्स बिजनेस फोरम 2026 के उद्घाटन सत्र को यहां संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि भारत ने डिजिटल सार्वजनिक बुनियादी ढांचा तैयार करने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल की है। भारत का यूपीआई (यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस) सालाना 250 अरब से अधिक लेनदेन का आंकड़ा पार कर चुका है, जो दुनियाभर में लेनदेन की संख्या के हिसाब से आधे से अधिक है। उन्होंने कहा कि आज इसे (यूपीआई को) 11 देशों में भी स्वीकार किया जाता है और मैं ब्रिक्स के सदस्य देशों तथा साझेदार देशों से आग्रह करूंगा कि वे हमारी भुगतान प्रणालियों को आपस में जोड़ें, एक-दूसरे की स्थानीय मुद्राओं में व्यापार करें, डिजिटल व्यापार को वैश्विक बनाएं और भविष्य की उभरती प्रौद्योगिकियों के लिए मिलकर काम करें।

बिजनेस फोरम दो दिवसीय ब्रिक्स शिखर सम्मेलन से इतर आयोजित किया गया। भारत शनिवार से इस शिखर सम्मेलन की मेजबानी कर रहा है। यह सम्मेलन रूस-यूक्रेन युद्ध, अमेरिका-ईरान संघर्ष के कारण होर्मुज जलडमरूमध्य में अवरोध और अमेरिकी प्रशासन की शुल्क नीतियों से उत्पन्न एवं बढ़ती वैश्विक आर्थिक अनिश्चितताओं के बीच हो रहा है। गोयल ने साथ ही कहा कि साझेदार देशों के बीच व्यापार गहरा एवं मजबूत होना चाहिए तथा आपूर्ति श्रृंखलाओं में विविधता होनी चाहिए, ताकि किसी भी समय व्यापार सदस्य देशों में से किसी की भी वृद्धि और लोगों के कल्याण में बाधा न बने। उन्होंने कहा कि हमें कच्चे माल और महत्वपूर्ण खनिजों समेत एक-दूसरे के उत्पादों के लिए अपने बाजार खोलने चाहिए। हमारी आपूर्ति श्रृंखलाएं तभी मजबूत होंगी जब वे दोनों दिशाओं में चलेंगी। मंत्री ने कहा कि गैर-शुल्क उपायों से निर्यात लागत बढ़ती है, जो शुल्क उपायों से होने वाली लागत से भी अधिक होती है। उन्होंने कारोबारियों के लिए बाजार तक पहुंच को आसान और सुगम बनाने का आह्वान किया। गोयल ने कहा, मैं ब्रिक्स के सदस्य देशों और साझेदार देशों से आग्रह करता हूं कि वे अपने बाजार खोलें तथा साथ ही नियामकीय प्रक्रियाओं को सरल बनाने एवं माल की खेप को तेजी से मंजूरी देने में सहयोग करें। उन्होंने खाद्य सुरक्षा के हित में ब्रिक्स देशों के किसानों के लिए मिलकर समाधान विकसित करने के लिए कृषि-प्रौद्योगिकी स्टार्टअप को प्रोत्साहित करने का भी आह्वान किया। आइए, वास्तविक अर्थों में एक-दूसरे के लिए अपने सेवा बाजार खोलें। पेशेवरों को सीमाओं के पार आसानी से आने-जाने दें और एक-दूसरे की पेशेवर योग्यताओं को मान्यता देना आसान बनाएं।

ब्रिक्स का मुद्राकोष और विश्व बैंक में उभरते बाजारों की आवाज मजबूत करने का आह्वान

मुंबई। ब्रिक्स देशों के वित्त मंत्रियों और केंद्रीय बैंकों के गवर्नर ने अंतरराष्ट्रीय मुद्राकोष (आईएमएफ) और विश्व बैंक में उभरते बाजारों एवं विकासशील अर्थव्यवस्थाओं के अधिक प्रतिनिधित्व का आह्वान किया है। साथ ही, समूह ने बढ़ते भू-राजनीतिक तनाव और आर्थिक बिखराव के बीच एकतरफा शुल्कों तथा व्यापार उपायों की आलोचना की है। ब्रिक्स देशों के वित्त मंत्रियों और केंद्रीय बैंकों के गवर्नर (एफएमसीबीजी) ने एक प्रभावी सीमा पार भुगतान व्यवस्था की संभावना पर चर्चा भी की है। हम ब्रिक्स सीमा पार भुगतान पहल पर कजान और रियो घोषणापत्रों में हमारे नेताओं द्वारा दिए गए मार्गदर्शन के आधार पर, प्रभावी सीमा पार भुगतान तंत्र के लिए व्यावहारिक समाधान तलाशने की दिशा में ब्रिक्स भुगतान कार्यबल (बीपीटीएफ) के प्रयासों की सराहना करते हैं। यह संयुक्त बयान दिल्ली में आयोजित हो रहे दो दिवसीय ब्रिक्स शिखर सम्मेलन से एक दिन पहले सामने आया है। किसी भी देश का नाम लिए बिना ब्रिक्स सदस्यों ने कहा कि हम व्यापार और वित्त से संबंधित कार्रवाइयों को एकतरफा थोपने, जिसमें शुल्क और गैर-शुल्क उपायों को बढ़ाना शामिल है, पर गंभीर चिंता व्यक्त करते हैं। ये व्यापार को विकृत करते हैं और विश्व व्यापार संगठन (डब्ल्यूटीओ) के नियमों के प्रतिकूल हैं। इस तरह के दबावों का सबसे भारी असर उभरते बाजारों और विकासशील अर्थव्यवस्थाओं पर पड़ता है। इसके साथ ही उन्होंने डब्ल्यूटीओ को केंद्र में रखते हुए एक खुली, पारदर्शी, समावेशी, गैर-भेदभावपूर्ण और नियम-आधारित बहुपक्षीय व्यापार प्रणाली के लिए समर्थन जताया।

सीतारमण ने एआई सुरक्षा मानकों, उद्योग मंच की वकालत की

मुंबई। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने शुक्रवार को कृत्रिम मेधा (एआई) के वित्त और अन्य महत्वपूर्ण क्षेत्रों में बढ़ते उपयोग के मद्देनजर मजबूत जवाबदेही और सुरक्षा उपायों का आह्वान किया।

उन्होंने आगाह किया कि नियामकों और कंपनियों को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि तेजी से हो रहे नवाचार आगे चलकर प्रणालीगत जोखिम पैदा न करें। उन्होंने यहां वैश्विक फिनटेक सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि एआई वित्तीय निर्णयों और लेनदेन को गति दे सकता है, लेकिन यह धोखाधड़ी, साइबर हमलों और अन्य खामियों को भी अभूतपूर्व गति से फैलाने का कारण बन सकता है। वित्त मंत्री ने कहा, एआई निर्णय लेने में सहायता कर सकता है, लेकिन अंतिम जिम्मेदारी इंसानों और संस्थानों की ही होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि एआई-संचालित निर्णय के परिणाम जितने गंभीर होंगे,

समीक्षा, व्याख्या और अपील की आवश्यकता उतनी ही अधिक होगी। सीतारमण ने कहा कि नियामकों, कंपनी बोर्ड और वरिष्ठ प्रबंधन को यह समझना चाहिए कि एआई का उपयोग कहां किया जा रहा है, यह किन निर्णयों को प्रभावित करता है, यह किस आंकड़ों पर निर्भर करता है और यदि तकनीक विफल हो जाती है तो क्या परिणाम हो सकते हैं। उन्होंने कहा, उच्च जोखिम वाले उपयोगों में इसके इस्तेमाल से पहले और उनके पूरे जीवन चक्र के दौरान उच्च स्तर की जांच होनी चाहिए। सीतारमण ने एंथ्रोपिक के एक शोधकर्ता के इस्तीफे का जिक्र करते हुए पूछा कि क्या उनकी चेतावनी की बारीकी से जांच करने का कोई आधार बनता है। उन्होंने कहा कि मैं यह बात दहशत पैदा करने के लिए नहीं, बल्कि व्यापक मानवता के प्रति संस्थागत जवाबदेही पर जोर देने के लिए उठा रही हूं। एंथ्रोपिक के एक शोधकर्ता ने इस आशंका से इस्तीफा दिया था कि खुद को बेहतर बनाने वाले एआई मॉडल का अनियंत्रित विकास अंततः मनुष्यों को नुकसान पहुंचा सकता है। जब तक ये सुरक्षा उपाय तेजी से लागू नहीं होते और लगातार अद्यतन नहीं होते, तब तक एआई के बेलगाम होने का खामियाजा पूरे समाज को भुगतना पड़ेगा। यह एक ऐसा जोखिम होगा, जिसे सहन नहीं किया जा सकता।

इंटरटेनमेंट...

हनुमान अंश ने की 200 करोड़ की कमाई

मुंबई। नीब करौरी बाबा के जीवन पर आधारित फिल्म हनुमान अंश सात अगस्त को जब सिनेमाघरों में आई तो न उसके साथ किसी बड़े सितारे का नाम जुड़ा था और न ही उसे लेकर कोई चर्चा थी। यहां तक की टिकट खिड़की पर कोई खास हलचल नहीं हुई, लेकिन कुछ ही हफ्तों में तस्वीर ऐसी बदली कि 10 लाख रुपये से शुरुआत करने वाली यह फिल्म 200 करोड़ रुपये की कमाई तक पहुंच गई। टिकट खिड़की पर फिल्म के धमाकेदार प्रदर्शन ने 51 साल पहले आई फिल्म जय संतोषी मां को मिली अप्रत्याशित सफलता की याद दिला दी।

डॉक्टर से फिल्मकार बने विशाल चतुर्वेदी के निर्देशन में बनी हनुमान अंश में अभिनेता शोभिनव सत्या मुख्य भूमिका में हैं जिन्हें इस फिल्म के रिलीज होने से पहले अभिनय जगत में शायद ही कोई जानता था। सात अगस्त को महज 250 स्क्रीन पर रिलीज हुई यह फिल्म अब 2,000 स्क्रीन तक पहुंच चुकी है। यह फिल्म उत्तराखंड के संत बाबा नीब करौरी के जीवन को परदे पर उतारती है। उनके भक्तों में हॉलीवुड अभिनेत्री जूलिया रॉबर्ट्स, क्रिकेटर विराट कोहली और उनकी पत्नी एवं अभिनेत्री अनुष्का शर्मा जैसे

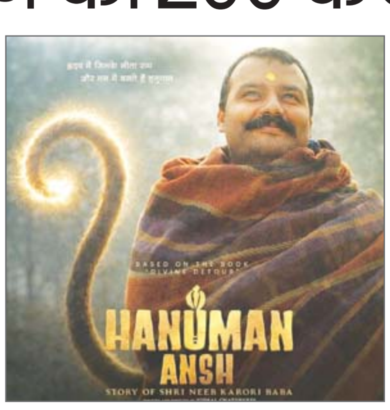

चर्चित नाम शामिल हैं। ऐसा भी बताया जाता है कि स्टीव जॉब्स और मार्क जुकरबर्ग जैसे कारोबारी दिग्गज भी उत्तराखंड के कैंची धाम में उनके आश्रम आए थे। नीब करौरी बाबा का असली नाम लक्ष्मण नारायण शर्मा था। उनका जन्म करीब 1900 में उत्तर प्रदेश के फिरोजाबाद जिले के एक गांव में हुआ था और 1973 में उनका निधन हुआ था। कम उम्र में उनका विवाह हो गया था लेकिन बाद में उन्होंने घर-परिवार छोड़कर संन्यासी जीवन अपना लिया। उनके भक्त उन्हें भगवान हनुमान का अवतार मानते हैं और उनका मानना है कि बाबा नीब करौरी के पास चमत्कार करने की शक्ति थी। हनुमान अंश की सफलता ने फिल्म जगत को भी हैरान कर दिया है और अब यह चर्चा का विषय है कि आखिर एक ऐसी फिल्म बॉक्स ऑफिस पर अचानक कैसे छा गई जिसके बारे में पहले कोई चर्चा नहीं थी। फिल्म कारोबार के आंकड़ों पर नजर रखने वाली वेबसाइट सैकनिल्क के अनुसार, पहले सप्ताह की मामूली कमाई के बाद दूसरे सप्ताह में फिल्म का कारोबार और गिर गया था, लेकिन तीसरे सप्ताह से तस्वीर पूरी तरह बदल गई। पीवीआर आईनॉक्स लिमिटेड के मुख्य व्यवसाय नियोजन एवं रणनीति अधिकारी कमल ज्ञानचंदानी ने कहा किसी ने ऐसी उम्मीद नहीं की थी। हनुमान अंश अपने आप में एक केस स्टडी है। तीसरे सप्ताह में इसे सिनेमाघरों से हटाए जाने की नौबत आ गई थी लेकिन उसी सप्ताह फिल्म ने रफ्तार पकड़ ली और चौथे एवं पांचवें सप्ताह में ब्लॉकबस्टर बन गई। ऐसा बहुत कम देखने को मिलता है। फिल्म उद्योग से जुड़े कई व्यक्तियों और फिल्म इतिहासकारों का मानना है कि आस्था पर आधारित सिनेमा के प्रति दर्शकों का आकर्षण नया नहीं है।

मेरी बेटी मेघना अपनी कहानियां मुझे सूंघने तक नहीं देती : गुलजार

मुंबई। मेघना जब भी किसी पटकथा को लिखती हैं तो सबसे पहले उनके पिता, जाने-माने कवि-गीतकार और फिल्मकार गुलजार उसे पढ़ते हैं।

वह उसमें बदलाव या सुधार नहीं करते, बल्कि सिर्फ अपनी प्रतिक्रिया देते हैं। कई बार कोई पंक्ति या दृश्य उन्हें बहुत प्रभावित करता है तो वह केवल विस्मयादिबोधक चिह्न लगाते हैं। यह एक छोटा-सा रिवाज है, जो पिता-पुत्री की रचनात्मक साझेदारी को दर्शाता है और बहुत लंबे अरसे से चला आ रहा है। गुलजार ने मेघना की पहली फिल्म फिलहाल से लेकर तलवार, राजी, छपाक और सैम बहादुर जैसी चर्चित फिल्मों व अब उनकी नई फिल्म दायरा तक सभी निर्देशन वाली फिल्मों में गीतकार के रूप में काम किया है।

पहले नहीं थी पैपराजी व सोशल मीडिया की दखल अंदाजी

मुंबई। अभिनेत्री प्रीति जिंटा ने कहा कि आज के कलाकारों पर पहले की तुलना में अधिक दबाव है। बढ़ती पैपराजी संस्कृति और सोशल मीडिया की दखलअंदाजी के कारण उन्हें लगातार कड़ी सार्वजनिक निगरानी का सामना करना पड़ता है, जिससे पहले के कलाकारों को नहीं जूझना पड़ता था। अभिनेत्री जिंटा वर्ष 2016 में शादी के बाद अमेरिका जाकर बस गईं थीं। वह अपनी आगामी जासूसी हास्य फिल्म 'वाइब' के प्रचार के लिए मुंबई लौटीं जिसमें वह कुणाल खेमू के साथ दिखाई देंगी। फिल्म वाइब में जिंटा जासूस मैडम एच की अनोखी भूमिका में नजर आएंगी। सनी देओल के साथ उनकी विभाजन पर आधारित फिल्म बंटवारा 1947 की रिलीज के कुछ ही सप्ताह बाद यह सिनेमाघरों में आएगी।

मिर्जापुर : द मूवी ने कमाये 170 करोड़

नयी दिल्ली। फिल्म मिर्जापुरः द मूवी ने घरेलू बॉक्स ऑफिस पर 170 करोड़ रुपये से अधिक की कमाई कर ली है। इस फिल्म में अभिनेता पंकज त्रिपाठी, अली फजल और दिव्येंदु समेत कई कलाकारों ने भूमिका निभाई है। यह फिल्म चार सितंबर को रिलीज की गई। इसी के साथ 2018 में मिर्जापुर वेब सीरीज के साथ शुरू हुआ यह सिलसिला बड़े पर्दे तक पहुंच गया। ओटीटी पर मिर्जापुर के तीन सीजन सबसे सफल शृंखलाओं में शामिल हो गए थे।

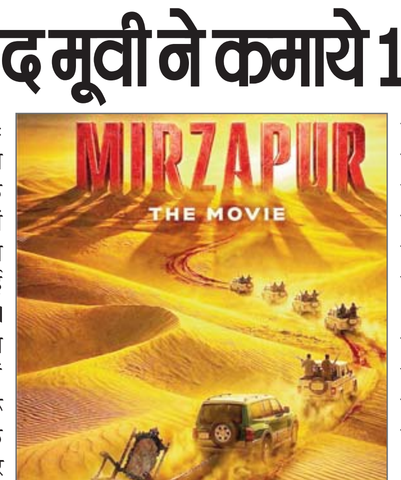

ओटीटी (ओवर-द-टॉप) एक ऐसा मनोरंजन सामग्री प्रदाता मंच है जिस पर इंटरनेट का उपयोग करके फिल्में, वेब सीरीज जैसी सामग्री देखी जाती है। बॉक्स ऑफिस पर फिल्मों की कमाई पर नजर रखने वाली वेबसाइट सैकनिल्क के मुताबिक, फिल्म ने घरेलू बॉक्स ऑफिस पर 177.44 करोड़ रुपए की कुल कमाई कर ली है। यह फिल्म मिर्जापुर की उस अराजक दुनिया को वापस लाती है, जहां गोलियों की बौछार, धोखेबाजी और खूनी दुश्मनी के बीच सत्ता की लड़ाई जारी है। इस फिल्म की कहानी साल 2018 की पृष्ठभूमि पर आधारित है, जो इस शो के पहले सीजन के एक अनकहे अध्याय की ओर इशारा करती है। फिल्म में अभिनेत्री रसिका दुग्गल, श्रिया पिलगांवकर, श्वेता त्रिपाठी और अभिनेता अभिषेक बनर्जी भी हैं। ये सभी अपनी पुरानी भूमिकाओं को दोबारा निभा रहे हैं। वहीं, इस फिल्म में जितेंद्र कुमार, रवि किशन और सोनल चौहान को नये कलाकारों के रूप में जोड़ा गया है।

Viraj
आर.एन.आई.नं.-यू.पी.-हिन/2006/18901 विराज प्रकाशन प्रा.लि. हेतु मुद्रक एवं प्रकाशक आर.के. अग्रवाल द्वारा एक्सप्रेस हाऊस, 1/5, विशाल खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ से मुद्रित एवं प्रकाशित। **कार्यकारी सम्पादक : मनोज कुमार बाजपेयी**
(पी.आर.बी.एक्ट के तहत समाचारों के चयन हेतु उत्तरदायी) समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन। फोन कार्यालय : 0522-4059441, 4059442, 4059443 : ई-मेल : voiceoflucknow@gmail.com